जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, रविवार 9 नवम्बर, 2025

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

डबल इंजन सरकार में किसानों का सम्मान

₹1,24,000 करोड़ की मिली सहायता

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

किसान सम्मान निधि योजना

76.18 लाख
किसान लाभान्वित

₹9127 करोड़
किसानों के खातों में

20.35 लाख
नए पंजीकृत किसान

बिजली के बिलों में
₹41,052 करोड़
किसानों को अनुदान

कृषि कनेक्शन
1.78 लाख से अधिक

राजस्थान कृषक समर्थन योजना

₹472 करोड़
2.67 लाख किसानों को गेहूं के समर्थन मूल्य पर बोनस

नहरी क्षेत्र में

58,000 हैक्टेयर
फव्वारा सिंचाई स्थापित

सिंचाई और आधुनिक खेती

₹9,512 करोड़
84,029 हैक्टेयर
क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई सुविधा

फसल ख़राबा (खरीफ 2025) में राहत

24 ज़िलों के **14,687 गांव**
अब तक अभाव ग्रस्त घोषित

44.80 लाख किसानों को
मिलेगा कृषि आदान अनुदान

आपदा राहत में किसानों को कृषि आदान अनुदान

₹ 1947 करोड़
18.20 लाख किसान

मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना

10.56 लाख पॉलिसी
20.30 लाख पशुओं का पंजीकरण
8.95 लाख पशुपालक लाभान्वित

पीएम कुसुम कॉम्पोनेन्ट – बी

50,090 सोलर पम्प सेट की स्थापना
₹733 करोड़ अनुदान

शून्य ब्याज पर ऋण सुविधा

गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना
₹515 करोड़

अल्पकालीन ब्याज मुक्त फसली ऋण
₹43,036 करोड़

रियायती ब्याज दर

₹321 करोड़
का दीर्घकालीन सहकारी ऋण

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

₹5,965 करोड़
बीमा क्लेम वितरित

दलहन एवं तिलहन खरीद

5 लाख किसान लाभान्वित
₹8,191 करोड़ किसानों के खातों में

डिग्गी एवं फार्म पोण्ड

43,271 का निर्माण
₹350 करोड़ अनुदान

कृषि यंत्र (97,192)

₹546 करोड़ अनुदान

ड्रिप, मिनी स्प्रिंकलर एवं स्प्रिंकलर

2.13 लाख किसान लाभान्वित
₹967 करोड़ अनुदान

खेतों पर तारबंदी (27,960 किमी.)

₹314 करोड़ अनुदान

ग्रीन एवं शेडनेट हाउस (42.56 लाख वर्गमीटर)

₹183.83 करोड़ अनुदान

मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना

₹832 करोड़ हस्तांतरित

दो वर्ष की उपलब्धि – किसान की बढ़ी समृद्धि

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

वनानुभव

प्रकृति–अनुभव और वनानुभव चिकित्सा का इतिहास बहुत प्राचीन है।यह आयुर्वेद की एक श्रेष्ठ गैर–औषधीय चिकित्सा है जिस पर समकालीन शोध भी बहुत समृद्ध है। हरियाली, प्राकृतिक वातावरण, वनों और उपवनों में प्रकृति–अनुभव या दीर्घकालिक जुड़ाव का प्रसन्नता में योगदान पर पूर्व में यहाँ प्रमाण–आधारित ठोस विश्लेषण प्रस्तुत किया गया था। परन्तु क्या यह हरियाली में किया गया व्यायाम और योग तुलनात्मक रूप से बेहतर स्वास्थ्य भी प्रदान करता है? वर्ष 2022में प्रकाशित शोध को समाहितकर आज की चर्चा पुन: इसी विषय पर है।

जैसा कि पूर्व में बताया गया था, संहिताओं में स्वास्थ्य–रक्षण और रोगोपचार दोनों के लिये ऐसे अनेक सन्दर्भ हैं (देखें, च.चि.3.260–266; च.चि.2/3, 26–30, च.चि.4.106–109; च.वि.6.17, सु.उ.47.55–57 आदि)। उक्त सभी सन्दर्भ केवल उदाहरणार्थ और प्राचीनता दर्शित करने के उद्देश्य से उद्धृतकिये गये हैं। समकालीन शोध में पिछले कई दशकों से विभिन्न विषयों के विद्वानों ने अपनी विधा के अनुसार इस बात की ओर ध्यान खींचा है कि प्रकृति से जुड़ने और मानव स्वास्थ्य में सुधार के बीच सकारात्मक संबंध है। यह आम समझ की बात है कि प्रकृति और पर्यावरण के सानिध्य में समय बिताना हमारे लिये स्वाभाविक रूप से अच्छा हो सकता है। प्राचीन सभ्यताओं के अवशेषों, प्राचीनकाल से चली आ रही सांस्कृतिक परम्पराओं और चिकित्सा पद्धितयों में इस बात के प्रमाण मिलते हैं कि मानव सभ्यता का अपने स्वास्थ्य, चिकित्सा और आध्यात्मिकता के लिये प्रकृति के साथ अन्योन्याश्रित जुड़ाव रहा है।

जहाँ तक हरियाली का शारीरिक और मनोरोगों को रोकने में योगदान है उस पर बहुत शोध है और उसका सम्पूर्ण विश्लेषण यहाँ देना संभव नहीं है। इस विषय में एक बेहद उपयोगी पुस्तक द एक्सपीरियंस ऑफ़ नेचर– अ साइकोलॉजिकलपर्सपेक्टिव वर्ष 1989 में प्रकाशित हुई थी। राचेलकपलान और स्टेफेनकपलान की यह पुस्तक इस विषय में विश्व की सर्वाधिक संदर्भित पुस्तक है जिसे लगभग 8000 प्रकाशनों में संदर्भित किया गया है। प्राकृतिक वातावरण, लोगों और उनके बीच के संबंधों काएक प्रमाण–आधारित लेखा जोखा इस पुस्तक में है। लेखकों ने यह समझने की कोशिश की है कि लोग प्रकृति का अनुभव कैसे करते हैं और वे किस प्रकार के प्राकृतिक वातावरण पसंद करते हैं, वे जंगल के अनुभवों से क्या मनोवैज्ञानिक लाभ उठाते हैं, और हमारे आसपास के उद्यान लोगों के लिये क्यों महत्वपूर्ण हैं।

आयुर्वेद का लोक–पुरुष–साम्य सिद्धांत यह स्पष्ट करता है कि मानवऔर संसारएक समान हैं (च.शा.5.3: पुरुषोऽयंलोकसम्मित:) इस सिद्धांत के प्रकाश में देखने पर लोक या पृथ्वी के वातावरण का सीधा सीधा प्रभाव मानव के स्वास्थ्य पर पड़ता है क्योंकि लोक और पुरुष में समानता (च.शा.5.3: लोकपुरुषयो:सामान्यम्) होने से सामान्य–विशेष का सिद्धांत कार्य करता है। अर्थात सामान भावों को सामान भावों से मिलाने पर उस भाव की वृद्धि और असमान भावों को मिलाने पर ह्रास होता है। सत्य बुद्धि तभी प्रकट होती है या अकल तभी आती है जब स्वयं के अंदर प्रकृति को व प्रकृति के अंदर स्वयं को देखा जाये (च.शा.5.7): सर्वलोकमात्मन्यात्मानं च सर्वलोकेसममनुपश्यत: सत्या बुद्धि:समुत्पद्यते। यहाँ पर लोक से तात्पर्य पूरी दुनिया के वातावरण से है जिसमें छ: धातुयें पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश तथा आत्मा शामिल हैं (च.शा.5.7): षड्धातुसमुदायोहि सामान्यत: सर्वलोक:। इस सूची में आत्मा का शामिल होना आश्चर्यजनक नहीं मानना चाहिये क्योंकि पौधे, प्राणी और सम्पूर्ण जीवन भी लोक में शामिल है। यहाँ यह बताना आवश्यक है कि ऐसा नहीं है कि प्रकृति के सभी आयाम स्वास्थ्यवर्धक और सुरक्षित ही हों। कई प्राकृतिक स्थल मानव में अकेले डर पैदा कर सकते हैं।जो हवा, पानी और मिट्टी स्वास्थ्य के लिये सर्वथा उपयुक्त होती है, वही प्रदूषित होने या प्राकृतिक आपदाओं के स्वरुप में आने पर स्वास्थ्य के लिये हानिकारक हो सकती हैं। प्राकृतिक वातावरण के जो प्राणी बहुत सुन्दर लगते हैं उनमें से बहुत हिंसक भी हो सकते हैं। इन बातों को ध्यान में रखते हुयेप्रकृति–अनुभवअपने अन्य रूपों में हमारे स्वास्थ्य की स्थिति को निर्धारितकरते हैं।इस दृष्टिकोण से प्रकृति और पर्यावरण को निहारना, प्राकृतिक वातावरण में घूमना–फिरनास्वास्थ्यकरहोता है।

प्रकृति–अनुभव किन कारणों से हमारे स्वास्थ्य पर प्रभाव डालता है? या अन्य शब्दों में कहें तो प्रकृति से जुड़ाव के स्वास्थ्यकर होने की मैकेनिज्मऑफ़ एक्शन क्या है?अनेक अध्ययनों के प्रमाण स्पष्ट करते हैं कि प्रकृति का मानव शरीर और मन पर स्वास्थ्यकर प्रभाव स्वास्थ्य के विविध आयामों को बेहतर करने मेंप्राकृतिक वातावरणोंकी भूमिका केकारण होता है। उदाहरण के लिये प्रकृति–अनुभव से स्वास्थ्य में सुधार की मैकेनिज्मऑफ़ एक्शन को मानसिक तनाव, चिंता औरअवसाद में कमी, मन की प्रसन्नता में बढ़ोत्तरी, अच्छीनिद्रा,मनोहारीअनुभूति, दर्द–नियंत्रण, बेहतर सामाजिक संपर्क, व्यायाम में बढ़ोत्तरी, हृदय रोगों में कमी, प्रतिरक्षा तंत्र में सुधार आदि के प्रकाश में देखा जा सकता है।वनानुभव–चिकित्सा (वनों में घूम–फिर कर प्रकृति का अनुभव करना) इम्यूनिटी भी बढ़ाती है (देखें, वाय. चे इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ, 18(16), 2021)।

शहरों में हरियाली से स्वास्थ्य लाभ के बारे में वर्ष 1800 के बाद से कई छिटपुट अध्ययन मिलते हैं और शहरी विकास में इन्हें शामिल करने के प्रयास भी दुनिया भर में हुये है। इन सब अध्ययनों में एक सन्देश मिल रहा था कि हरियाली को अनुभूत करना या हरियाली का एक्सपोज़र स्वास्थ्य के लिये लाभकारी है, परन्तु व्यवस्थित समीक्षा और मेटा–एनालिसिस अब आना शुरू हुये हैं। हाल ही में हरियाली से मिलाने वाले लगभग 100 प्रकार के स्वास्थ्य–लाभ के निष्कर्षों वाले 143 अध्ययनों को शामिल कर एक मेटा–एनालिसिस की गयी। इससे कई रोचक परिणाम मिले। अलग अलग अध्ययनों को देखने पर यह भी स्पष्ट हुआ कि स्वास्थ्य परिणामों में 66.7 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक बेहतरी हुई है। इनमें न्यूरोलॉजिकल, कैंसर, व श्वसन रोगों से मृत्यु दर में कमी भी पाई गयी (देखें, सी. टोहिग–बेनेट, ए. जोन्स, एनवायर्नमेंटल रिसर्च, 166: 628–637, 2018)।

> **समकालीन शोध में पिछले कई दशकों से विभिन्न विषयों के विद्वानों ने अपनी विधा के अनुसार इस बात की ओर ध्यान खींचा है कि प्रकृति से जुड़ने और मानव स्वास्थ्य में सुधार के बीच सकारात्मक संबंध है**

इस विषय में सबसे भारी अध्ययन जिसका वित्त–पोषण विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा किया गया था, वह वर्ष 2019 में दुनिया के एक अगुआ जर्नल में प्रकाशित हुई। हरियाली को स्वास्थ्य–निर्धारक, स्वास्थ्य में सुधार, और विभिन्न प्रसन्नता के लिये उपयोगी माना जाता रहा है। इस व्यवस्थित अध्ययन मेंविश्व भर के अनुदैर्ध्य अध्ययनों से प्राप्त प्रमाणों की इस बात के लिये समीक्षा की गयी कि हरियाली, पार्क्स, गार्डन्स आदि की उपलब्धता का सकल मृत्यु दर में प्रभाव क्या है। इस मेटा–एनालिसिसमें प्रारम्भ में 9298 अध्ययन और 13 अन्य अध्ययनों की पहचान की गयी। इनमें से 9234 (99 प्रतिशत) अध्ययनों को शीर्षक और सारांशजांचने के बाद अपग करते हुयेशेष 77 अध्ययनों में से 68 (88 प्रतिशत) को सम्मिलित किया गया। उक्त के साथ ही मात्रात्मक मूल्यांकन हेतु नौ (12 प्रतिशत) अध्ययनों को शामिल किया।इनमें सात देशों के 8.32 लाखव्यक्ति शामिल थे। कुल मिलाकर निष्कर्ष स्पष्ट करते हैं कि आसपास कीहरियाली और सकल–कारण मृत्यु दर के बीच एक व्युत्क्रम रिश्ते का प्रमाण पाया गया। कहने का तात्पर्य यह कि जैसे जैसे हरियाली की उपस्थिति बढ़ती जाती है वैसे वैसे सभी कारणों से मृत्यु दर में कमी आती जाती है। सन्देश यह है कि मानव समाज जहाँ रहता और काम करता है वहां हरियाली बढ़ाने और जैव–विविधता संरक्षण को बढ़ावा देना मानव स्वास्थ्य के लिये बहुत उपयोगी है (देखें, डी. रोजसरुएडा आदि, द लैंसेटप्लेनेटरी हेल्थ, 3,11:ई469–ई477,2019)।

एक अन्य महत्वपूर्ण मेटा–एनालिसिस में बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न पर जांच की गयी कि गर्भावस्था में प्रतिकूल परिणामों पर आवासीय हरियाली का क्या प्रभाव रहता है। इसमें कुल 36 अध्ययन शामिल थे और कुल मिलाकर1.19 करोड़(11.9 मिलियन) प्रतिभागी थे। परिणाम स्पष्ट करते हैं कि हरियाली वाले स्थलों में जन्म के समय न्यूनतम वजन का जोखिम उच्च स्तर की हरियाली वाले समूह में काफी कम था। गर्भावधि उम्र कमरहने की संभावना भी उच्च हरियाली वाले क्षेत्रों में घटी पायी गयी। इसके अलावा अधिकहरियाली वाले क्षेत्रों में मातृ–जोखिम कम पाया गया और मानसिक विकारों में भी कमी पायी गयी। यह समीक्षा आवासीय हरियाली और गर्भावस्था के प्रतिकूल परिणामों के बीच एक उलटे रिश्ता होने की पुष्टि करती है। अध्ययन के निष्कर्ष स्पष्ट कर देते हैं कि हरियाली गर्भवती महिलाओं के लियेजोखिम घटाती है (वाइ. झान आदि, साइंस ऑफ़ द टोटल एनवायरनमेंट, 718: आर्ट. 137420, 2020)। हाल ही में वनानुभव को मानसिक स्वास्थ्य में बेहतरी लाने के ठोस प्रमाण मेटा–एनालिसिस से प्राप्त हुए हैं (देखें, वाई. कोटेरा इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मेंटल हेल्थ एंड एडिक्शन, 20(1):337–361, 2022)। एक अन्य मेटा–एनालिसिस से सिद्ध होता है कि वनानुभव अवसाद व चिंता से बचाने हेतु श्रेष्ठ गैर–औषधीय युक्ति है (पी.एस. येओन इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ, 18(23): 2021)।रैंडमाइज्दकंट्रोल्डट्रायल्स की मेटा–एनालिसिस का निष्कर्ष भी स्पष्ट करते हैं कि वन–आधारित गैर–औषधीय चिकित्सकीय दखल मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करते हैं (देखें, एम.जे. कांग इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ, 19(8): 2022)। हाल ही में 52 अध्ययनों में समाहित 5.2 मिलियन लोगों के आंकड़ों को लेकर की गई मेटा–एनालिसिस सिद्ध करती है कि ग्रीन–स्पेस के आसपास रहने वाले लोगों में डायास्टोलिक और सिस्टोलिकब्लडप्रेशर में सुधार होता है (देखें, वाई. झाओ इत्यादि, साइंस ऑफ़ द टोटल एनवायरनमेंट, 817: 152513,2022)।हमारा समाज आज शहरीकरण,संसाधन–विदोहन और जीवनशैली में बदलाव के कारण प्रकृति–उन्मुखता से प्रकृति–विमुखताकी ओर जा रहा है। संहिताओं, शोध और अनुभव की त्रिवेणी से उत्पन्न ज्ञान इस बात के पुख्ता प्रमाण दर्शित करता है कि प्रकृति–अनुभवमानव स्वास्थ्य के लिये अनिवार्य है। शोध स्पष्ट करती है कि प्रकृति–अनुभवसे स्वास्थ्य–लाभ के मूल में वायु गुणवत्ता, शारीरिक गतिविधि और व्यायाम, सामाजिक सामंजस्य और तनाव में कमी आदि कारक हैं। इस तमाम चर्चा का मूल संदेश यह है कि पर्यावरण के साथ हमारे संबंध हमारे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करते हैं। वनानुभव और प्रकृति–अनुभव अनेक रूपों में हो सकता है। हमारे आसपास हरियाली को बढ़ावा देना, वनों उपवनों में घूमना, प्राकृतिक स्थलों में सैर–सपाटा, प्रतिदिन समीपवर्ती बाग–बगीचों में जाकर कम से कम एक घंटे का समय बिताना, कार्य–स्थलों मेंहरियाली बढाने के लिये छोटे–छोटे गार्डन या बगीची विकसित करना, बैठने के स्थान में खिड़की से दिखने वाला हरा–भरा दृश्य, कार्यालय में पांच मिनट का ब्रेक लेकरहरियाली में टहल कर आना आदिसब छोटे–छोटे ऐसे कार्य हैं,जिनके माध्यम से हमारा प्रकृति के साथ जुड़ाव बना रहता है। इन सबमें सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह याद रखने योग्य है कि चूंकि प्रतिदिन व्यायाम और योग करना स्वास्थ्य के लिये आवश्यक है अत: व्यायाम और योग वनों,हरे–भरे स्थलों, बाग–बगीचों, नदी या झील के समीप किया जाये तो शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य के लिये अधिक उपयोगी है। बच्चों को भीवनानुभव और प्रकृति–अनुभव कराइये।हरियाली से जुड़ाव बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए परम आवश्यक है।जीवन के प्रारम्भिक काल में प्रकृति से जुड़ाव मानव और प्रकृति के मध्य आजीवन सार्थक रिश्ता बनाने हेतु आवश्यक है।प्रकृति के साथ जुड़े रहिये। योग और व्यायाम कीजिये। आनंदित रहिये। स्वस्थ रहिये।

डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

राजस्थान के लौह पुरूष: दामोदर लाल व्यास

डॉ. लोकेश चन्द्र शर्मा

राजस्थान के लौह पुरुष दामोदर लाल व्यास राजस्थान में रियासतों की एकीकरण की विचारधारा, चेतना के प्रेरणा स्त्रोत थे। उनके जीवन से राजनीति में सच्चाई और नैतिकता के सर्वोपरि को सीखा जा सकता है। व्यास जैसे युगपुरुष की स्मृति याद दिलाती है कि सत्ता नहीं, सेवा ही सच्चा धर्म है।

राजस्थान के प्रथम गृह मंत्री दामोदर लाल व्यास की राजनीतिक शक्ति और दृढ संकल्प ने राजस्थान की रियासतों का एकीकरण कर राजस्थान को राज्य के रूप में विकसित किया। इस अभूतपूर्व और ऐतिहासिक कार्य की परिणिती के लिए ही उन्हें राज्य के लौह पुरूष के रूप में जाना जाता है। उन्होंने विधान सभा के सदस्य के रूप में शुरुआत में टोंक और मालपुरा दोनों सीटों से जीत हासिल की थी। बीए और एलएलबी की पढाई करने के बाद व्यास ने वकालत आरम्भ की। उनके नाम का उल्लेख अनेक कानूनी लेखों में है। वे मालपुरा, टोंक में नगरपालिका बोर्ड, राजस्थान टेबल टेनिस एसोसिएशन और राजस्थान बास्केटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष भी रहे थे। विभिन्न सामाजिक और शैक्षिक संगठनों में उनका योगदान अविस्मरणीय है।

टोंक जिले का मालपुरा मालदेव पंवार की नगरी के रूप में प्रसिद्ध है। यहां कभी महाराणा प्रताप की सेना ने पड़ाव डाला था। इस ऐतिहासिक जगह पर रहने वाले बृजलाल लाल व्यास और कस्तूरबा व्यास के घर में 9 नवम्बर 1909 को दामोदर लाल व्यास पैदा हुए। राजस्थान की राजनीति में अपना ख़ास मुकाम बनाकर टोंक जिले के नाम को हमेशा के लिए रोशन करने वाले राजस्थान के इतिहास में लौह पुरुष के नाम से ख्यात दामोदर लाल व्यास का नाम आज भी बड़े अदब से लिया जाता है।

प्रतिभा सम्पन्न व्यास का राजनीतिक जीवन स्वतन्त्र भारत में हुए पहले चुनाव (1951) से ही आरम्भ हो गया था। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, देवस्थान विभाग का कार्य संभालने के साथ पंचायती राज में भी उन्होंने महत्वपूर्ण कार्य किये। एक सख्त और अनुशासनप्रिय जन नेता व्यास ने गृह मंत्रालय बखूबी संभाला। मालपुरा की तरक्क़ी में दामोदर लाल व्यास के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता।

एक अदम्य संकल्प का नाम दामोदर लाल व्यास राजस्थान की धरती पर जन्में ऐसे सपूत हैं जिन्होंने अपने कर्म, साहस और निष्ठा से इतिहास रचा। जिन्हें पूरे राजस्थान में लौह पुरुष के नाम से जाना जाता है। दृढ़ता, ईमानदारी और अडिग राष्ट्रभक्ति के साथ भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के निर्देश पर राजस्थान में रियासतों के एकीकरण के लिए कार्य किया। उनका जीवन राजनीतिक शुचिता और जनसेवा की मिसाल है। उनमें समाज के प्रति गहरी संवेदना थी।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद राजस्थान में लोकतंत्र की नींव रखे जाने के साथ ही व्यास ने राजनीति में प्रवेश किया। राजस्थान विधानसभा के प्रथम चुनाव 1952 से लेकर 1972 तक लगातार चार बार विधायक निर्वाचित हुए। राजस्व, गृह, देवस्थान, चिकित्सा, अकाल राहत और पंचायती राज में मंत्री के रूप में कार्य किया। उनकी सबसे बड़ी विशेषता स्पष्टवादिता और निर्णय क्षमता थी। वे कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों से डगमगाते नहीं थे।

दामोदर लाल व्यास ने राजनीति को सेवा का माध्यम माना। वे मानते थे कि शासन में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व ही लोकतंत्र की आत्मा है। वे आमजन से सीधे संवाद रखते थे। पंचायती राज विभाग के मंत्री रहते हुए उन्होंने ग्रामीण स्वावलंबन को प्रोत्साहित किया। राजस्व विभाग में रहते हुए उन्होंने किसानों के लिए भूमि विवाद निपटान की प्रक्रिया को सरल और जनहितकारी बनाया। वे महिलाओं की शिक्षा को सामाजिक उत्थान का आधार मानते थे। उनके व्यक्तित्व में सादगी, आत्मविश्वास और कर्मठता का अद्भुत संगम था। वे न केवल कठोर निर्णय लेने वाले प्रशासक थे बल्कि संवेदनशील और सहृदय जननेता भी थे। उनकी वाणी में ओज था, और व्यवहार में विनम्रता। राजनीति के साथ–साथ वे सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहे। उन्होंने गरीबों, किसानों और शिक्षार्थियों के लिए कई जनसेवी योजनाएँ प्रारंभ कीं। उनका मानना था कि सत्ता का मूल्य तब ही है जब वह जनकल्याण में रूपांतरित हो। दामोदर लाल व्यास का देहावसान 14 जनवरी, 1976 को हुआ। राजस्थान के राजनीतिक इतिहास में उनका नाम ईमानदारी, दृढ़ता और लोकसेवा का पर्याय है।

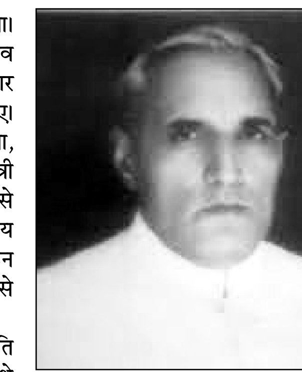
स्व. दामोदर लाल व्यास

–डॉ. लोकेश चन्द्र शर्मा,
साहित्यकार

बेसहारों का सहारा "अनुबंध वृद्धजन कुटीर"

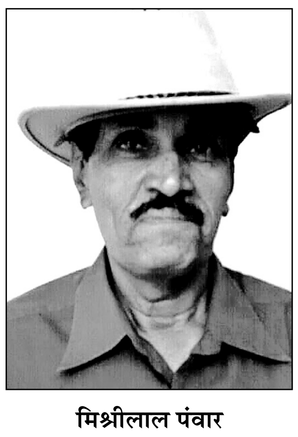
मिश्रीलाल पंवार

बदलते दौर का मंजर चिन्ता दायक है। घर के वृद्ध माता–पिता संतान को बोझ लगने लगे हैं। पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव कहें या हमारे संस्कारों में ही कहीं कमी का रह जाना रहा हो, हवा तेजी से बदल रही है। शहर–शहर वृद्धाश्रमों का मकड़जाल फैलता जा रहा है। क्या गरीब क्या अमीर। सभी वर्ग में जैसे होड़ मची हुई है। बुजुर्गो को वृद्धाश्रम भेजने का फैशन चल पड़ा हैं। दूसरी तरफ स्माज में ऐसे लोग भी हैं, जो बेसहारों का सहारा बन कर उनके जीवन में खुशियों भर देते हैं। यह दूसरी बात है कि अपने ही बच्चों की उपेक्षा के शिकार लोग वृद्धाश्रम में हम उम्र लोगों का साथ पाकर खिल उठते हैं।

आज हम जोधपुर स्थित एक एक वृद्धाश्रम की बात करते हैं। जोधपुर शहर से कोई 10 कि.मी. दूर मंडोर क्षेत्र में स्थित 'अनुबंध वृद्धजन कुटीर' आज बेसहारों का सहारा बना हुआ है। नीमा नीमड़ी नामक प्राचीन तीर्थ जाने वाली सड़क पर एक विशाल खुले रमणीक से स्थल पर एक नया बड़ा–सा भवन दिखाई देता है। इसका नाम है 'अनुबन्ध वृद्धजन कुटीर'। वृद्धजनों के सम्बल के सरोकार से जुड़ा होने से जीवन की खुशियां हर समय बाहें पसारे रहती है। यहां पर रहने वाले वृद्ध जनों को घर जैसा माहौल मिलता है। जीवन से दूर हो चुकी इनकी चेहरे की हंसी पुन: लौट आई है।

बदलते दौर में वृद्धजनों के लिये आश्रमों की संख्या पिछले वर्षो में बढ़ी है। परन्तु अनुबंध वृद्धजन कुटीर की अपनी अलग ही पहचान है। जोधपुर में सन् 2002 में स्थापित अनुबंध वृद्धजन कुटीर आश्रम सेवा के क्षेत्र में एक प्रेरणादायक अपना अलग सा ही प्रतिमान प्रस्तुत करता है। सामान्य वृद्धाश्रमों से भिन्न होने से इसकी सेवा के आगे हर कोई नतमस्तक हो जाता है। हस्तशिल्प व्यवसायी नरेन्द्र अडवानी व पत्नी अनुराधा अडवानी इसके संचालक है।

इसका व्यय व्यक्तिगत संसाधनों से ही सम्पादित है। इस आश्रम में करीब 70–75 वृद्ध रहते हैं। घर से निष्कासित, बेसहारा, शारीरिक रूप से अशक्त, साधनहीन या साधन हीन कर दिये गये वृद्ध और परिवार के साथ सामंजस्य नहीं बिठा पाने के कारण 60 से 95 वर्ष की आयु के बीच के स्त्री पुरुष यहां घर जैसे माहौल में रहते है। यहां 12 बड़े कमरे व 6 कपल्स रूम बने हुए हैं। उनके आहार, सेवा, चिकित्सा की माकुल व्यवस्था है। आवश्यक उपकरणों से लैस चिकित्सा कक्ष भी है। जिसमें जरूरी दवाइयों के अलावा आक्सीजन सैलेंडर, ईसीजी मशीन इत्यादि उपलब्ध है। दिन के 2 बार डाक्टर विज़िट सेवा उपलब्ध रहती है। स्वयं की एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त दो निजी अस्पताओं से सम्पर्क है। जहाँ आपातकाल में तुरंत जाया जा सकता है। दो मंजिल इमारत में लिफ्ट की व्यवस्था भी उपलब्ध है। संपूर्ण भारत के विभिन्न क्षेत्रों से वृद्धजन अपना शेष जीवन यापन करने पहुंचते हैं।

व्यवस्था हेतु आवश्यक 18 कार्यकर्त्ताओं का स्टाफ 24 घंटे तैनात रहता है। प्रबन्धन अडवानी दम्पत्ति करते हैं। आश्रम की सफाई व रख–रखाव देखकर कोई भी आश्चर्य चकित हुए बगैर नहीं रह सकता। आश्रमवासियों को यहाँ प्रविष्ट करने में जाति, धर्म, समुदाय, लिंग आदि का कोई भेद नहीं रखा जाता है। आश्रमवासियों के अधिकतर स्त्री–पुरुष बुड़ापे की अक्षमताओं से ग्रसित हैं। विकलांग, अंगभंग, अन्धापन युक्त वृद्ध भी इनमें शामिल है। किसी भी प्रकार का नशा करने वालों को भर्ती नहीं किया जाता है। सभी कमरों में टीवी की सुविधा उपलब्ध है। सभी प्रकार के इन्डोर गेम तथा लाइब्रेरी भी है। आहार में पौष्टिकता पर बल है। नियमितता पर भी बल है। आहार में परिवर्तन चिकित्सकीय सलाह पर किया जाता है। पिछले कई वर्षों से रह रहे आश्रमवासी धूल–मिल जाने के कारण व प्रबन्धकों व सेवार्थियों के व्यक्तिगत भावनात्मक व्यवहार से वे एकाकीपन महसूस नहीं करते।

अधिकांश आश्रमवासी संभ्रांत परिवारों के हैं परन्तु अब उनके पास कोई पैसा आदि नहीं है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि प्रबन्धकर्ताओ का यही प्रयास रहता है कि आश्रमवासी अपने भूतकाल को नहीं कुरेदें। एक महत्वपूर्ण बात प्रबन्धक की यह है कि यहां आम आदमी बिना स्वीकृति के आश्रम में प्रवेश नहीं कर सकता। आश्रम की संचालिका श्रीमती अनुराधा अडवानी कहती हैं, यहां कोई प्रदर्शनी या चिड़ियाघर नही है जिन्हें देखने कोई यहां मुंह उठाए चला आये। ये तो एक परिवार है, जो अपनी निज से रहता है और उसी में रहना पसन्द है। अक्सर यहाँ जाने वाले दान की मानसिकता से आते हैं जबकि आश्रमवासी व्यक्तिश: स्वयं दान के पात्र नहीं हैं। दूसरी और आश्रम में परिवार का सा वातावरण पुर्नस्थापित उत्पन्न कर दिया जाना अनुबन्ध व अनुबन्ध के प्रबन्धकों की सूझ–बूझ का नतीजा है। समय–समय पर सभी महत्वपूर्ण त्यौहारों के अलावा सुंदरकांड, भागवतपाठ, फिल्मी गीतों के कार्यक्रम, कवि सम्मेलन, हास्य गोष्ठियाँ, भजन संध्याएं, कथा कहानियां इत्यादि कार्यक्रम निरंतर चलते रहते हैं। आश्रमवासियों को लगता है कि वे अपने परिवार के बीच में ही हैं।

संचालिका अनुराधा अडवानी कहती हैं कि अनुबंध प्रबंधन में उनकी माताजी श्रीमती विमला मेहता की प्रेरणा का बहुत बड़ा योगदान है। उनकी माताजी की मान्यता थी कि इस उम्र में भी नियमितता से, स्वच्छता से, व व्यवस्थित दिनचर्या से जीने की तमन्ना पैदा हो जाती है।

श्रीमती अनुराधा अडवानी ने बताया कि आश्रमवासियों की दैनिकचर्या समयबद्ध रूप से होती है। शाम को शीतल सौम्य वातावरण में वृद्धाजनों की भजन मंडली की स्वरलहरियां गूंजती है, तब जीवन में आनन्द भरी देती है। यह नियमित दिनचर्या का एक बड़ा अहम भाग है। आस्था का जो वातावरण बनता है वह देखते ही बनता है।

अनुरोधा व नरेन्द्रजी बताते है कि वृद्धजन डेलीकेट ह्यूमन मैटीरियल हैं जिन्हें बड़ी संवेदनशीलता, सूझ–बूझ, स्नेह और विश्वास युक्त व्यवहार से हैन्डल करने की आवश्यकता होती है। स्नेह उन्हें बहुत सम्बल देता है।

अनुबंध के कुशल संचालन की कुंजी ये ही है कि इसे एक स्नेहिल परिवारिक वातावरण के रूप में चलाया जाता है और प्रयास ये रहता है कि जो सुख सुविधाओं, आदर भाव इत्यादि जो हम अपने घर में माता–पिता के लिये करते है वैसा ही यहां के वृद्ध जनों के साथ हो।

आश्रमवासियों में से कई 14 वर्ष से यहाँ रह रहे हैं उनके शब्दों में तो उन्हें जिन्दगी की नई मंजिल मिली है जिसमें वे बहुत खुश है, सन्तुष्ट है। श्रीमती अनुराधा अडवानी कहती हैं कि जिन अनुबंध वासियों निधन हो जाता है और उनके परिवार के लोग नहीं आते, तब अनुबंध कुटीर परिवार द्वारा धार्मिक रीति रिवाजों से उनका अंतिम संस्कार किया जाता है। उनकी अर्थियां पुष्कर के पवित्र जलाशय में विसर्जित की जाती है।

अनुबन्ध जैसे आश्रम के सरोकार में मुख्य निवेश है त्याग, तन–मन और धन नि:स्वार्थ रूप से समाज को कुछ वापिस देने का जज़्बा। अनुबन्ध वृद्धजन कुटीर, समान सेवा का एक अनुकरणीय प्रतिमान बन चुका है। घर से निष्कासित, वंचित, अक्षम, बेसहारा, साधनहीन वृद्धजनों के लिये अनुबंध कुटीर उम्मीद की एक किरण है।

–मिश्रीलाल पंवार,
जोधपुर, (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

ख्वाजा साहब के 814वें उर्स की तैयारियों को लेकर चर्चा

जिला प्रशासन और दरगाह प्रतिनिधियों के साथ हुई समीक्षा बैठक

- **जिला कलेक्टर लोकबंधु की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में उर्स मेले की सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा व जायरिनों की सुविधाओं को लेकर निर्देश दिए**
- **'उर्स की अनौपचारिक शुरुआत 16 दिसंबर से होगी, जबकि चांद दिखाई देने के बाद धार्मिक रस्मों की शुरुआत की जाएगी और अगले दिन जन्नती दरवाजा खोल दिया जाएगा'**

अजमेर, (कासं)। सूफी संत हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती रहमतुल्लाह अलेह के 814वें सालाना उर्स की तैयारियों को लेकर शनिवार को जिला कलेक्टर लोकबंधु की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी, दरगाह से जुड़े प्रतिनिधि और व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में उर्स मेले की सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई तथा जायरिनों की सुविधाओं को लेकर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर लोकबंधु ने कहा कि ख्वाजा साहब का 814वां उर्स आगामी 16 दिसंबर से प्रारंभ होगा, जिसकी तैयारियों को लेकर सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि उर्स मेला शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से संपन्न हो सके। बैठक में दरगाह परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा, सफाई, यातायात, जलापूर्ति और रोशनी की व्यवस्थाओं को लेकर भी चर्चा हुई। दरगाह क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाने के सुझाव दिए गए ताकि जायरीनों की भीड़ पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके।

दरगाह दीवान के पुत्र नसरुद्दीन चिश्ती ने बताया कि उर्स की अनौपचारिक शुरुआत 16 दिसंबर से होगी, जबकि चांद दिखाई देने के बाद धार्मिक रस्मों की शुरुआत की जाएगी और अगले दिन जन्नती दरवाजा खोल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिसंबर माह की सर्दी को देखते हुए जायरीनों के ठहरने और सुविधा की बेहतर व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

जिला कलेक्टर लोकबंधु ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दरगाह क्षेत्र की सफाई व्यवस्था, ट्रैफिक प्रबंधन और चिकित्सा सुविधाएं पहले से सुनिश्चित की जाएं, ताकि देश–विदेश से आने वाले जायरीनों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

राशिफल रविवार 9 नवम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, आद्रा नक्षत्र रात्रि 8:05 तक, सिद्ध योग दिन 3:02 तक, कौलव करण दिन 3:11 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–तुला, चन्द्रमा–मिथुन, मंगल–वृश्चिक, बुध–वृश्चिक, गुरू–कर्क, शुक्र–तुला, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज बुध वक्री रात्रि 12:32 पर होगा। आज दीक्षा दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 8:07 से 9:28 तक, लाभ–अमृत 9:28 से 12:11 तक, शुभ 1:32 से 2:53 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:46, सूर्यास्त 5:35 तक

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में प्रगति होगी।

मिथुन
परिवार में चल रहे मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

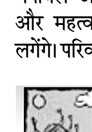
कर्क
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। व्यक्तिगत कारणों से मन में असंतोष बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कन्या
अपने आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

तुला
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

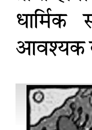
वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ–मांगलिक कार्यों में व्यवधान उत्पन्न हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

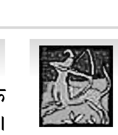
धनु
परिवार में प्रसन्नता–हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कुंभ
अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। कार्य सुगमता से सम्पन्न हो सकते हैं। आज शुभ–मांगलिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है।

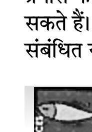
मीन
घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

Salomon Andrée's Ill-Fated Arctic Balloon Expedition

Why did Andrée choose to hide the balloon's flaws, knowing that its integrity was vital to the safety of both his crew and himself? Some writers suggest that Andrée had become a prisoner of his own successful fundraising campaign

Don't Touch Be Cured

Touch Me Not (Mimosa pudica): Nature's Sensitive Wonder and Its Remarkable Benefits

भला लगे या बुरा, राष्ट्रीय गान अपूर्ण है, अगर उसके पहले दो छंद ही गाये जाते हैं

अगर तुम्हें पसंद है तो गाओ, नहीं पसंद है तो मत गाओ, क्योंकि उसके साथ छेड़छाड़ करने से गान की भावना व बंकिम चंद्र के साथ खिलवाड़ है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 नवम्बर। अगर यह राष्ट्रीय गान आप नहीं गाना चाहते तो मत गाइए, पर इसके साथ काटपीट मत करिए। राष्ट्र की भलाई और साहित्य की भलाई इसी में है कि इसकी भावना नष्ट मत करिए।

वंदे मातरम् आज फिर से राष्ट्रीय बहस का विषय बन गया है। शायद यह सही समय है कि हम उन दिनों को याद करें, जब महान साहित्यकार बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय अपनी साहित्यिक रचनाएं लिख रहे थे।

बंकिमचंद्र उस समय भारत सरकार में डिप्टी मजिस्ट्रेट थे। इस पद के कारण, वे अंग्रेज अधिकारियों और प्रमुख हिंदू नेताओं दोनों के संपर्क में रहते थे।

एक दिन जब बंकिम चंद्र दफ्तर से घर लौट रहे थे, तो रास्ते में एक मैदान से होकर अपने गुजर रहे थे। उनके पालकी वाले उन्हें लेकर जिस मैदान से

- बंकिम चंद्र अंग्रेज सरकार में डिप्टी मजिस्ट्रेट थे, वो एक बार अपनी पालकी में ऑफिस से घर लौट रहे थे तो एक खाली मैदान पार करके जाना चाह रहे थे, जहाँ अंग्रेज अफसर कभी-कभी क्रिकेट खेलते थे।
- कुछ अंग्रेज अफसरों ने उनकी इस हिमाकत को अपना अपमान समझा और उनके पालकी वाहकों व उनके साथ मारपीट की।
- बंकिम चंद्र ने इसकी ऑफिशियल शिकायत की और न्यायालय ने उनके पक्ष में फैसला दिया और अंग्रेज अफसरों को माफी मांगनी पड़ी।
- कंटूनमेंट के अफसरों को एक देसी व्यक्ति से माफी मांगना नागवार गुज़रा और उन्होंने बंकिम चंद्र को खत्म करने की योजना बना ली।
- स्थानीय ज़मींदार (राजा) के कानों में यह बात पहुँची और उन्होंने बंकिम चंद्र को आगाह किया और महल से सटे जंगल में एक मकान दिया रहने का और सुरक्षा भी दी। बंकिम चंद्र को जंगलों में घूमते-घूमते कई मंदिर मिले, काली, सरस्वती गणेश और कार्तिकेय की जर्जर हालत में प्रतिमाएं मिलीं, जिन्हें देखकर कवि हृदय ने भारत के भविष्य की परिकल्पना की और अपने पाक्षिक बंगदर्शन में छापी।
- जब भी उनके गीत की आलोचना हुई, उन्होंने उसे बदलने से इन्कार कर दिया और गान का जोशीला डिफेंस किया।

गुजर रहे थे, वहाँ कुछ अंग्रेज क्रिकेट खेल रहे थे। अंग्रेज यह देखकर नाराज़ हुए कि कोई उनकी क्रिकेट फील्ड से गुजर रहा है। उन्होंने पहले पालकी-वाहकों को पीटा और फिर बंकिम चंद्र पर भी हमला किया। इस पर बंकिम चंद्र नाराज़ हुए और छावनी अधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

इतना अपमानित होने पर बंकिम चंद्र ने अंग्रेज़ों के खिलाफ अपराधिक शिकायत दर्ज कराई। समय के साथ मामला ऊपर की अदालत तक गया और आखिरकार उन अंग्रेजों को खुले कोर्ट में बंकिम चंद्र से माफी मांगनी पड़ी। बंकिम ने उदारता दिखाते हुए शिकायत वापस ले ली।

लेकिन यह बात अंग्रेजों को बहुत नागवार गुज़री कि उन्हें एक देशी से माफी मांगनी पड़ी। उन्होंने बदला लेने की साजिश रची। अपराधियों, जो स्थानीय छावनी सदस्य थे, ने बंकिम को खत्म करने की योजना बनाई। एक राजा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी ने अडवानी को जन्मदिन की बधाई दी

नयी दिल्ली, 8 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार शाम को राजधानी में भारतीय जनता पार्टी के वयोवृद्ध नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी के घर जा कर मुलाकात की और उन्हें जन्म दिन की बधाई दी।

मोदी ने इस मुलाकात की फोटो सहित जानकारी सोशल मीडिया मंच

- अडवानी की 98 वीं वर्ष गांठ पर बधाई देने प्रधानमंत्री उनके घर गये।

एक्स पर साझा की। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा , उन्होंने (आडवाणी ने) देश की महती अविस्मरणीय सेवा की है और उनसे हम सभी को बड़ी प्रेरणा मिली है। आडवाणी की आज 98वीं वर्षगांठ है।

उनका जन्म 08 नवंबर 1927 को अविभाजित भारत के कराची शहर में हुआ था।

पेंशन परिलाभ में देरी पर ब्याज क्यों नहीं दिया

जयपुर, 8 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने उपवन संरक्षक, वन विभाग भरतपुर के अधीन रहे रिटायर फॉरेस्टर को पेंशन परिलाभ देने में हुई देरी पर ब्याज राशि नहीं देने पर प्रमुख वन सचिव, प्रमुख मुख्य वन संरक्षक जयपुर, उपवन संरक्षक भरतपुर और पेंशन निदेशक से जवाब मांगा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली पुनः प्रदूषण से गैस चेंबर बना

आश्चर्यजनक तो है, पर सच है कि भारत अब चीन से दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण के लिए मदद मांग रहा है

- डेढ़ दशक पहले चीन, दिल्ली के कटु अनुभव को झेल चुका है।
- कुछ सख्ती से कुछ प्लानिंग से और काफी पैसा खर्च करके चीन ने प्रदूषण के खिलाफ युद्ध जीता है।
- उदाहरण के लिए, चीन का जंगलात पर खर्चा अंतर्राष्ट्रीय औसत से तिगुना है और अब चीन, प्रति हेक्टेयर, अमेरिका और यूरोप से इस मद में ज्यादा खर्च कर रहा है।
- इसका नतीजा यह हुआ है कि अब बीजिंग में पहले की तुलना में 100 दिन अतिरिक्त स्वच्छ आसमान दिखता है, न्यूयॉर्क टॉइम्स के अनुसार।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 नवम्बर। दिल्ली और एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक (ए.क्यू.आई.) लगातार बिगड़ने के कारण जब पूरा इलाका "गैस चैम्बर" जैसा हो गया है, तो हालात सुधारने की पेशकश एक अप्रत्याशित जगह, चीन से आई है।

दीवाली के बाद से राजधानी की वायु गुणवत्ता लगातार "खराब", "बहुत खराब" और "गंभीर" श्रेणी में बनी हुई है। शनिवार को दर्ज किया गया ए.क्यू.आई. स्तर 335 रहा, जिसे "बहुत खराब" माना जाता है। दिल्ली में हर साल की तरह इस बार भी प्रदूषण के बढ़ने की वजह, स्थानीय और सीमावर्ती, दोनों तरह के कारण हैं, जिनमें वाहनों से निकलने वाला धुआँ, औद्योगिक प्रदूषण, निर्माण कार्यों की धूल और पड़ोसी राज्यों में कचरा व पराली जलाने जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिज़ीज़ के आँकड़ों के अनुसार, वर्ष 2023 में दिल्ली में हुई कुल मौतों में से लगभग 15 प्रतिशत मौतें वायु प्रदूषण से जुड़ी थीं।

चीन, जो करीब डेढ़ दशक पहले इसी तरह के प्रदूषण संकट से जूझा था, ने अब भारत को मदद की पेशकश की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या भाजपा का सवर्ण वोट बैंक खिसक रहा है

अब तक सीमांचल, मिथिलांचल व चंपारण में सवर्ण भाजपा का मजबूत आधार रहा है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 नवंबर। बिहार में मंगलवार (11 नवम्बर) को विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से पहले सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने पारंपरिक गढ़ों में अप्रत्याशित मुश्किलों का सामना करती दिख रही है।

सीमांचल, मिथिलांचल और चंपारण के 122 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान होना है। ज़मीनी रिपोर्टों के अनुसार, भाजपा अपने परंपरागत ऊंची जातियों के वोट बैंक पर पकड़ खोती नज़र आ रही है, जबकि उसके छोटे-छोटे रणनैतिक दांव भी अपेक्षित नतीजे नहीं दे पाए हैं।

पार्टी के शीर्ष रणनीतिकारों के करीबी सूत्रों के मुताबिक, भाजपा के

- चुनाव विशेषज्ञों का मानना है कि वोटर फटीग, स्थानीय स्तर पर असंतोष व नीतीश कुमार के साथ गठबंधन में उत्साह नहीं जगने के कारण भाजपा को नुकसान हो सकता है।

अंदरूनी आकलन में ऊंची जातियों के समर्थन में गिरावट दर्ज की गई है। यह वर्ग लम्बे समय तक बिहार में पार्टी की चुनावी सफलता की रीढ़ माना जाता रहा है। पार्टी के सूत्र निजी तौर पर यह स्वीकार कर रहे हैं कि इसका कारण मतदाता की ऊब, स्थानीय असंतोष और यह धारणा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जनता दल (यूनाइटेड) के साथ गठबंधन से अपेक्षित सहयोग एवं लाभ नहीं मिला।

इस बार उम्मीद थी कि असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में विपक्षी वोटों को बांटकर उसको फायदा पहुँचायेगी।

लेकिन ज़मीनी फीडबैक से पता चलता है कि ओवैसी की पार्टी के 25 से अधिक सीटों पर उतारे गए उम्मीदवार इस बार कोई खास असर नहीं डाल पा रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार, मुस्लिम मतदाता इस बार हर क्षेत्र में रणनीतिक रूप से सबसे मज़बूत गैर-बीजेपी उम्मीदवार के पक्ष में एकजुट होकर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री भजनलाल आज अंता में रोड शो करेंगे

अंता/जयपुर । राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कल अंता विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन के समर्थन में दोपहर 12 बजे भव्य रोड शो करेंगे। इस अवसर पर उनके साथ राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

- वसुंधरा राजे, मदन राठौड़, प्रेमचंद बैरवा, दुष्यंत सिंह व प्रत्याशी भी रथ पर साथ रहेंगे।

मदन राठौड़, उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा सांसद दुष्यंत सिंह एवं भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन ज़िला अध्यक्ष नरेश सिकरवाल भी विशेष रथ पर सवार रहेंगे।

रोड शो की शुरुआत अंता क्षेत्र के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जीएसटी कम होने के बावजूद "फूड प्राइसिस" लगातार क्यों बढ़ रही हैं

यह कोई अबूझ पहेली नहीं है, खाने पीने के सामान की कीमतें स्थानीय परिस्थितियां निर्धारित करती हैं, जिसमें जीएसटी एक बड़ा कारण है, पर, निर्णायक कारण नहीं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 नवम्बर। ज़रूरी खाद्य वस्तुओं पर हाल ही में की गई जीएसटी दरों में कटौती से उपभोक्ताओं को राहत मिलने की उम्मीद थी, लेकिन नतीजा उल्टा निकला। रसोई में इस्तेमाल होने वाली चीज़ें, जैसे सरसों का तेल, चीनी और आटा सस्ती होने के बजाय और महंगी होती जा रही हैं। इस विरोधाभास ने लोगों को हैरान कर दिया है कि जब टैक्स घटा है तो दाम क्यों नहीं घटे। इसकी असल वजह बाज़ार की उन ताकतों में छिपी है, जिन्होंने टैक्स राहत का असर पूरी तरह बेअसर कर दिया, वैश्विक आपूर्ति बाधाएं, घरेलू

- सरसों की फसल भारी वर्षा के कारण राजस्थान और मध्य प्रदेश में, जहाँ सबसे ज्यादा सरसों होती है, इस बार खराब हुई और सरसों के तेल की कीमत काफी ऊपर चढ़ी।
- चीनी के दाम भी बढ़े हैं, क्योंकि गन्ने का एक उत्पाद, मोलैसिस पेट्रोल में मिला कर बेचा जाता है, जिसे सरकार भी प्रोत्साहन दे रही है। इसकी मांग बढ़ने से चीनी के भाव भी बढ़े हैं।
- अधिकतर सरकार ने एमएसपी के तहत बहुत गेहूँ व खाद्यान्न लेवी के रुप में खरीदे। अतः मिल मालिकों को गेहूँ पर्याप्त नहीं मिल रहा है, इसलिये आटे के भाव भी बढ़ रहे हैं।

उत्पादन में अस्थिरता, बढ़ती लागतें और खुदरा स्तर पर कीमतें नीचे न आने की प्रवृत्ति, इन सबने मिलकर दामों को ऊँचा बनाए रखा है।

उदाहरण के तौर पर, सरसों के तेल को ही लीजिए, जिसकी कीमत को अक्सर घरेलू महंगाई का सूचक माना जाता है। यह तेल ज्यादातर भारत में ही बनता है, फिर भी पिछले कुछ महीनों में इसकी खुदरा कीमत तेज़ी से बढ़ी है। इसकी प्रमुख वजह टैक्स नहीं, बल्कि सरसों की कम आपूर्ति है। राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे प्रमुख उत्पादन वाले राज्यों में अनियमित बारिश के कारण पैदावार घट गई। तेल मिलों को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

PATANJALI wellness Yoga, Ayurveda & Naturopathy

देश के 5 करोड़ से अधिक देशवासी जिनमें CGHS (सेंट्रल गवर्नमेंट कर्मचारी), CAPF (सेंटर आर्म पुलिस फोर्स), ECHS (भूतपूर्व सैनिकों) कार्ड धारक पेशेंट्स को रेफरल द्वारा निःशुल्क सेवा तथा देश की 30 से अधिक प्रमुख बीमा कम्पनियों (SBI General, Reliance Insurance, United Insurance, ICICI Lombard, HDFC ERGO, MEGMA, Aditya Birla) के तहत रिम्बर्समेंट सुविधा का लाभ। पतंजलि वेलनेस, योगग्राम व निरामयम् में 1 से 2 सप्ताह तक निःशुल्क सेवा का लाभ प्राप्त करें।

रजिस्ट्रेशन के लिए सम्पर्क करें : 8954666111, 8954666222, 8954666333

संक्षिप्त

पाँच दिवसीय एसयूपीडब्ल्यू शिविर सम्पन्न

फुलेरा। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय इन्द्रा मार्केट में 4 नवंबर से 8 नवंबर 2025 तक पाँच दिवसीय एसयूपीडब्ल्यू शिविर का आयोजन प्रधानाचार्य नविता वर्मा के सानिध्य में किया गया। शिविर में कक्षा 6 से 8वीं तक की छात्राओं ने भाग लिया। शिविर प्रभारी कमला बागड़ी ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर के दौरान छात्राओं को सामाजिक एवं व्यावहारिक ज्ञान, नैतिक शिक्षा, व्यक्तिगत स्वच्छता, लोकतंत्र का महत्व, अल्प बचत, कैरियर मार्गदर्शन तथा सूचना एवं औद्योगिकी के महत्व जैसे विषयों पर शिक्षकों द्वारा वार्ताएं आयोजित की गईं। इसके साथ ही विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियाँ भी कराई गईं, जिनमें एकल, युगल एवं सामूहिक गायन, नृत्य, पोस्टर मेकिंग व रंगोली प्रतियोगिता शामिल रहीं। शिविर के अंतिम दिन शनिवार को विद्यालय प्रांगण में बाल मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधानाचार्य नविता वर्मा ने फीता काटकर किया। उन्होंने छात्राओं को एकजुट होकर समाजिक जागरूकता व चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में अनिता पीटर्स, शर्मिला भाटिया, मीनाक्षी मीणा, सपना देवी, अर्जुन सिंह, अनिता कुमारी, ललित मोहन, धर्मराज खांडेकर, बीना कुमारी, वर्षा, वन्दना, सुनीता, नीलम राव सहित अन्य शिक्षक एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

जागरूकता रैली निकाली

निवाई। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार नगरपालिका के तत्वावधान में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देश भक्ति, स्वदेशी एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को सुदृढ़ करने हेतु गांधी पार्क में उपखंड अधिकारी प्रीति मीणा के सानिध्य में ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें ब्लॉक स्तर के समस्त अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। अधिशाषी अधिकारी मनोहरलाल जाट ने बताया कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देश भक्ति, स्वदेशी एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को सुदृढ़ करने हेतु ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं ने अहिंसा सर्किल से कृषि मंडी तक रैली निकाली।

रामप्रसाद अध्यक्ष मनोनीत

फुलेरा। स्कूल खेल मैदान के पास स्थित बालाजी मंदिर परिसर में सोमवार को फुलेरा मोबाइल खुदरा विक्रेता संघ के चुनाव संपन्न हुए। संघ के सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से रामप्रसाद प्रजापत को अध्यक्ष एवं विनीत सैनी को उपाध्यक्ष चुना गया। चुनाव प्रक्रिया के दौरान संघ के सभी मोबाइल विक्रेता मौजूद रहे। इनमें प्यारेलाल गढ़वाल, रवि भवन, घनश्याम शर्मा, विक्की जांगिड़, विनय टांक, मोहन यादव, अनंत शर्मा, मो. कलीम, बिट्टू, रमेश कुमार सहित अन्य सदस्यों ने भाग लिया और निर्विरोध चयन पर नव निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी। नव निर्वाचित अध्यक्ष रामप्रसाद कुमावत ने कहा कि संघ मोबाइल व्यापारियों की समस्याओं के समाधान और व्यापारिक सहयोग के लिए निरंतर कार्य करेगा। उपाध्यक्ष विनीत सैनी ने भी सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

बैठक आज

निवाई। अखिल भारतीय रैगर महासभा के तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारियों को लेकर रविवार को जिलाध्यक्ष शंकरलाल हाथीवाल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित होगी। जिला महामंत्री रामभज वर्मा बगडी ने बताया कि मालपुरा में बाबा रामदेवजी मंदिर में 28 दिसम्बर को रैगर महासभा का षष्ठम जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन होगा। जिसकी तैयारियों को लेकर महासभा आपके द्वार अभियान के तहत रैगर छात्रावास टोंक में रविवार को दोपहर 11:30 बजे जिला स्तरीय बैठक आयोजित होगी।

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

'वन्दे मातरम् भारत के कण-कण, जन-जन को एक सूत्र में बांधने की भावना से ओत-प्रोत'

कोटपूतली। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर राजस्व एवं सैनिक कल्याण मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री विजय सिंह चौधरी के मुख्य आतिथ्य में देशभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर उत्साह व समारोह पूर्वक मनाया गया। राजकीय सरदार उ मा विद्यालय कोटपूतली में आयोजित समारोह में कार्यक्रमों की श्रृंखला में बाइक रैली, रन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्वदेश संकल्प और वन्दे मातरम का सामूहिक गायन संपन्न हुआ। जिला प्रभारी मंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह अवसर केवल स्मरण का नहीं, बल्कि उस भावभूमि को पुनः आत्मसात करने का है, जिसने भारत को परतंत्रता से मुक्ति का मार्ग दिखाया।

इस अवसर पर जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह ने कहा कि वन्दे मातरम् में भारतीयों को एक सूत्र में बांधने की अलौकिक शक्ति है। विराटनगर विधायक कुलदीप धनखड़ ने कहा कि आज का भारत विश्व में अपनी पहचान स्थापित कर रहा है। वन्दे मातरम् हमें यह स्मरण कराता है कि आत्मनिर्भर भारत का निर्माण तभी संभव है जब प्रत्येक नागरिक अपने दायित्व को ईमानदारी से निभाए।

कोटपूतली में सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्वदेश संकल्प और वन्दे मातरम का सामूहिक गायन संपन्न हुआ।

> ■ कोटपूतली-बहरोड़ में हर्ष और गौरव के साथ आयोजित हुआ जिला स्तरीय कार्यक्रम

बानसूर विधायक देवीसिंह शेखावत ने कहा कि वन्दे मातरम् केवल इतिहास नहीं, हमारी सांस्कृतिक विरासत का जीवंत अंग है।

कार्यक्रम के दौरान स्वतंत्रता सेनानी स्व. सिपाही जसवंत सिंह के पौत्र योगेन्द्र चौहान, सिपाही स्व. रघुवीर सिंह के पौत्र धर्मवीर यादव, सिपाही स्व. देवकरन के पुत्र महेंद्र सैनी का साफा, शॉल और उपहार भेंट कर अतिथियों ने सम्मान किया।

इस दौरान सभी प्रतिभागियों ने स्वदेश अपनाते हुए आत्मनिर्भर भारत बनाने का संकल्प लेते हुए कहा कि दैनिक जीवन में यथासंभव भारत में निर्मित वस्तुओं का ही उपयोग कर आत्मनिर्भर भारत बनाने में अपना सहयोग देंगे।

इस अवसर पर नगर परिषद सभापति पुष्पा सैनी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों में वन्दे मातरम के जिला संयोजक जयराम गुर्जर, सुरेश सैनी, सत्यवीर यादव, सुरेन्द्र चौधरी, गोपाल, सीमा सैनी, मीरा मीणा सहित जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी, जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र बिश्नोई, अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण, ए एस पी वैभव शर्मा, एसडीएम रामवतार मीणा, आयुक्त नगर परिषद नूर मोहम्मद सहित अधिकारी एवं शिक्षाविद्, विद्यार्थी, युवा और आमजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रोडवेज की टक्कर से बाइक सवार की मौत

टोंक। डिग्गी थाना क्षेत्र के नुक्कड़ रोड पर होटल पुजारा के पास में शुक्रवार रात्रि को सड़क हादसे में मोटरसाईकिल सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के दौरान बाइक सवार फतेह सिंह पुत्र रामकरण बैरवा उम्र 38 साल निवासी लावा जो नुक्कड़ की ओर जा रहा था तभी रोडवेज बस ने उसे टक्कर मारी दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद में डिग्गी पुलिस मौके पहुंची और रोडवेज बस को जब्त किया।

मृतक फतेह राम बैरवा शराब के ठेके पर सेल्समैन का कार्य करता था, जो शुक्रवार रात्रि को साथियों के लिए खाना लेकर बाइक से नुक्कड़ क्षेत्र की ओर जा रहा था, तभी केकड़ी की ओर जा रही रोडवेज बस ने फतेहराम के टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर घायल हो गया,जयपुर एसएमएस हॉस्पिटल पंहुचने पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया, जहां उसका पोस्टमार्टम करके शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

वन राज्य मंत्री ने निःशुल्क अंतरंग शल्य चिकित्सा शिविर का किया शुभारम्भ

अलवर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने शनिवार को स्कीम नं. 10 स्थित पेंशनर्स भवन में 17 नवम्बर तक आयोजित विशाल आयुर्वेद निःशुल्क अंतरंग शल्य चिकित्सा शिविर का शुभारम्भ किया।

वन राज्य मंत्री शर्मा ने आयुर्वेद ऐसी पद्धति है जो पौराणिक काल से चली आ रही है। आयुर्वेद में किसी भी बीमारी का स्थाई निदान संभव है। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व आयुर्वेद विभाग मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा का आभार जताते हुए कहा कि इस शिविर का सम्पूर्ण राजस्थान में आयोजित कराकर आमजन का उपचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद दवाओं को राजस्थान में निःशुल्क प्रदान किए जाने का पूर्ण प्रयास किया जाएगा। उन्होंने शिविर में आए मरीजों के स्वस्थ्य होने की कामना भी की। इस दौरान मंत्री शर्मा ने पेंशन भवन में 110 गरीब महिलाओं को राशन किट वितरण किया।

वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री संजय शर्मा ने शिविर का शुभारंभ किया।

आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक डॉ. कर्ण सिंह दहिया ने बताया कि आयुर्वेद विभाग द्वारा यह शिविर 17 नवम्बर तक आयोजित किया जाएगा जिसमें अर्श, बवासीर, भगंदर, गुदा नासुर परीकर्तिका एवं गुदभ्रंश आदि रोगों का सूत्र विधि द्वारा का चिकित्सा परामर्श एवं क्षार सूत्र चिकित्सा क्षार सूत्र विशेषज्ञ डॉ. यादराम गुर्जर, डॉ. पवन यादव, डॉ. मुकेश साहू, डॉ. महेन्द्र प्रजापत, डॉ. अशोक यादव, डॉ. सुनील भाण्डोरिया द्वारा उपचार किया जा रहा है।

एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

टोंक। दूनी थाना क्षेत्र के एक निजी हॉस्टल में नाबालिग लड़की से हुए दुष्कर्म के मामले में पीड़िता की मां व परिजनों ने शनिवार को उपखण्ड अधिकारी देवली को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान पीडिता की मां ने मामले में त्वरित न्याय और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की मांग की है।

ज्ञापन में पीड़िता की मां ने बताया कि उनकी 10 वर्षीय नाबालिग बेटी का प्रवेश एक निजी हॉस्टल में पिछले साल दिलाया गया था, मौके का फायदा उठाकर उसके साथ संचालक सहित चार व्यक्तियों ने दुष्कर्म किया तथा उसे मारने की धमकी दी। जिसके बाद घर आने पर पीड़ित नाबालिग ने परिजनो को मामला बताया जिसके बाद हॉस्टल संचालक व अन्य के खिलाफ दूनी थाने में दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया गया। मां ने आरोप लगाया है कि आरोपी प्रभावशाली हैं और वे साक्ष्य तथा गवाहों को प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं।

हाथों में तिरंगा और भारत माता की जयघोष से खैरथल गूंज उठा

खैरथल। राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शनिवार सुबह खैरथल देशभक्ति के रंग में रंग गया। वन्दे मातरम् 150 कार्यक्रमों की शुरुआत राष्ट्रीय परिषद सदस्य एवं पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव, जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर, जिला अध्यक्ष महासिंह चौधरी एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट ने शहीद भगत सिंह की मूर्ति पर माल्यार्पण कर की तथा झंडी दिखाकर बाइक रैली को रवाना किया। मार्ग में वन्दे मातरम् और भारत माता की जय के जयघोष गूंजते रहे, जिससे वातावरण देशभक्ति के उल्लास से सराबोर हो गया।

> ■ वन्दे मातरम्150 के उपलक्ष्य में निकाली तिरंगा रैली, पूर्व विधायक रामहेत सहित अधिकारी जनप्रतिनिधि मौजूद रहे

यह बाइक रैली का कारवां भगत सिंह चौक से रवाना होकर शहीद हेमू कालानी स्मारक पहुंचा, जहां अमर शहीद को नमन करते हुए जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने पुष्पांजलि अर्पित की। शहीद स्मारक से बाइक रैली कारवां पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खैरथल पहुंचा जहां पर राष्ट्रीय परिषद भाजपा सदस्य एवं पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव ने सम्बोधित किया।

पूर्व विधायक रामहेत यादव ने शहीद भगत सिंह चौक से तिरंगा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर यादव ने कहा कि यूं तो बहुत से देश प्रेम के गीतों ने स्वतंत्रता संग्राम में देश भक्ति का जज्बा भरा लेकिन 150 वर्ष पूर्व देशवासियों के हृदय को एकता के सूत्र में पिरोते हुए देश की समृद्धि और संपन्नता का बखान कर, भारत भूमि पर मर मिटने का जज्बा पैदा किया तो इस राष्ट्रगीत ने किया। आज भी हमें इस गीत को आत्मसात करने की आवश्यकता है। युवाओं को भारत भूमि के प्रति समर्पित रहने, उसके प्रति अपने दायित्वों को समझने के लिए इस गीत के प्रति सम्मान भाव जरूरी है।

जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर ने कहा कि यह दिन हम सभी के लिए गर्व और प्रेरणा का प्रतीक है। 150 वर्ष पूर्व बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने जब 'वन्दे मातरम्' की रचना की, तब उन्होंने केवल एक गीत नहीं लिखा, बल्कि राष्ट्र की आत्मा को स्वर दिया। यह गीत स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणा बना, जिसने हर भारतीय के मन में मातृभूमि के प्रति प्रेम और त्याग की भावना जगाई।

कलश यात्रा के साथ पाटोत्सव व तीन दिवसीय नानी बाई रो मायरो कथा शुरू

पावटा। समीपवर्ती ग्राम रामपुरा खुर्द, बजरंगपुरा आंतेला स्थित श्री सीताराम जी मंदिर कर्मजोहड़ा में श्री श्री 1008 शंकर दास महाराज, श्री श्री 1008 श्री भगवान दास महाराज, श्री श्री 1008 भरत दास महाराज, श्री श्री 1008 गोपाल दास महाराज की विशेष अनुकंपा व श्री श्री 108 महंत मंगलदास जी महाराज के सान्निध्य एवं संत श्री रघुनाथ दास जी महाराज, श्री विशंभर दास जी महाराज, रामशरण दास जी महाराज, शिवदयाल जी महाराज, राधेश्याम दास जी महाराज की उपस्थिति में प्रथम पाटोत्सव वतीन दिवसीय नानी बाई रो मायरो कथा का भव्य कलश यात्रा के साथशुभारंभ हुआ।

> ■ अखिलेश्वरी दीदी मां ने इन कथाओं के माध्यम से भक्तों को धर्म, भक्ति और त्याग का संदेश दिया

जिसमें प्रसिद्ध कथावाचक वाचन मां नर्मदा की कृपा पात्री साध्वी श्री अखिलेश्वरी दीदी मां वागदी संगम आश्रम नेमावर इंदौर मध्य प्रदेश अपनी मधुर वाणी से भक्तों को भगवान की लीलाओं का रसपान कराएंगी। पहले दिन कार्यक्रम का शुभारंभ कुंडा धाम आंतेला से निकली कलश यात्रा से हुआ। यह यात्रा विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए कथा स्थल ग्राम रामपुरा खुर्द, बजरंगपुरा आंतेला स्थित श्री सीताराम जी मंदिर कर्मजोहड़ा पहुंची। नगरवासियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। इस दौरान भक्तों में उत्साह और भक्ति की भावना देखते ही बनी। कथा के पहले दिन मायरा महात्म्य, नरसीजी का जन्म, गोपेश्वर भगवान की कथा और कुमकुम पत्रिका लेखन जैसे प्रसंगों का वाचन किया गया। अखिलेश्वरी दीदी मां ने इन कथाओं के माध्यम से भक्तों को धर्म, भक्ति और त्याग का संदेश दिया।

तीन दिन तक चलने वाले इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर धर्म लाभ उठा रहे हैं। आयोजकों ने सभी भक्तों से कथा स्थल पर पहुंचने की अपील की है। इस दौरान उमेश टांक, उमाकांत बंसल, नीरज सैन, भैराराम सैनी, निलेश चौधरी, रबी यादव, डॉ. अशोक बाज्या, जयराम यादव, लोकेश टांक, विजय सैनी, कैलाश सैनी, राकेश सारण, ओमप्रकाश स्वामी, राहुल खंडेलवाल, जितेन्द्र शर्मा, डॉ .कैलाश शर्मा, दीनसिंह, सुभाष यादव, पंकज जिंदल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

रन फॉर वंदे मातरम् : दौड़ लगाकर देशभक्ति, स्वदेशी एवं राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया

दौसा। राष्ट्र गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शनिवार को जिला मुख्यालय पर रन फॉर वंदे मातरम् का आयोजन किया गया। प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, पुलिसकर्मियों, युवाओं एवं आमजन ने जिला कलक्ट्रेट से पं. नवल किशोर शर्मा राजकीय पीजी कॉलेज तक दौड़ लगाकर देशभक्ति, स्वदेशी एवं राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत देश के प्रति संकल्प प्रार्थना, स्वदेशी प्रचार एवं वंदे मातरम् के सामूहिक गान से हुई। वादकों ने राष्ट्रीय धुन का वादन किया। इसके पश्चात् जिला कलक्टर देवेंद्र कुमार, जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा एवं जिला अध्यक्ष लक्ष्मी रेला ने हरी झंडी दिखाकर रन फॉर वंदे मातरम् का शुभारंभ किया। प्रतिभागी जिला कलक्ट्रेट परिसर से सोमनाथ होते हुए, पं. नवल किशोर शर्मा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पहुंचे। सभी प्रतिभागियों ने सफेद टी-शर्ट एवं हाथ में तिरंगा झंडा लेकर दौड़ में भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के दौरान रंगोली भी बनाई गई। इस कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्र गीत वंदे मातरम् की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं वैचारिक महत्ता को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर जिला कलक्टर देवेंद्र कुमार ने कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा सन्यासी विद्रोह के समय रचा गया यह गीत भारत माँ को समर्पित है, जो हमें संगठित रहने की प्रेरणा देता है।

> ■ जिला कलक्टर देवेंद्र कुमार, जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा एवं जिला अध्यक्ष लक्ष्मी रेला ने हरी झंडी दिखाकर रन फॉर वंदे मातरम् का शुभारंभ किया

रन फॉर वंदे मातरम में दौड़ लगाते युवे।

उन्होंने कहा कि यह गीत हमारे पूर्वजों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष का प्रतीक है जिसने स्वतंत्रता प्राप्ति में संगठित रहकर आगे बढ़ने में मदद की। जिला अध्यक्ष लक्ष्मी रेला ने कहा कि यह गीत हम सभी भारतीयों को देशभक्ति की प्रेरणा देता है। इसके माध्यम से हम स्वदेशी जागरण को सुदृढ़ बनाएंगे। उन्होंने उस आत्मा को नमन किया जिन्होंने भारत को एकता के सूत्र में बांधने एवं देशभक्ति जागृत करने का कार्य किया। साथ ही, स्वदेशी अपनाने का आव्हान किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल, अतिरिक्त जिला कलक्टर अरविंद शर्मा, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बिरदी चंद गंगवाल, नगर परिषद आयुक्त कमलेश कुमार मीणा, पुलिस उपाधीक्षक रवि शर्मा सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी-कार्मिक, जनप्रतिनिधि, पुलिसकर्मी, युवा, शारीरिक शिक्षक, विद्यार्थी एवं आम नागरिक उपस्थित थे।

ज्ञापन सौंपा

देवली। उपखंड क्षेत्र के दूनी नगर स्थित निजी हॉस्टल मे एक नाबालिग 10 वर्षीय मासूम बालिका के साथ हुए दुष्कर्म मामले में पीड़िता की माँ ने शनिवार सुबह देवली उपखंड कार्यालय पहुंचकर उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए अपनी मासूम बेटी को जल्द ही न्याय दिलाने और दोषियों को कठोर सजा दिए जाने की मांग कि है। मासूम बालिका की मां ने उपखंड अधिकारी से गुहार लगाई है कि त्वरित न्याय और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएज्ञापन में पीड़िता की मां ने बताया कि उसकी 10 वर्षीय नाबालिग पुत्री को साल बीते वर्ष एक निजी हॉस्टल संचालक ने दुष्कर्म कर डाला। इसे लेकर होटल संचालक सहित चार व्यक्तियों के विरुद्ध दूनी पुलिस थाने में उक्त दुष्कर्म प्रकरण का मामला भी दर्ज किया हुआ है। पीड़िता की मां ने यह भी बताया कि आरोपियों के अपने प्रभावशाली होने के कारण वह साक्ष्य और सबूत मिटाने और गवाहो को प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं। पीड़िता की मां ने उपखंड अधिकारी से मामले की सुनवाई त्वरित से न्यायालय में कराने और आरोपी सहित अन्य आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर कठोर से कठोर सजा दिलाने की मांग की है।

विधायक धनकड़ करेंगे विभिन्न सड़कों का शिलान्यास व लोकार्पण

पावटा। विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड सोमवार को विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में सोमवार को 8 महत्वपूर्ण सड़कों का शिलान्यास करेंगे।

जिसमें 2 किलोमीटर लंबी एनएच 48 से मीणा की ढाणी पठान मुख्य बाजार बाबा का मंदिर से होते हुए बस स्टैंड तक भाबरु अटल पथ 2025-26, पंचायत भवन जवानपुरा से राजीव गांधी पाठशाला सेवदो की ढाणी तक 2 किलोमीटर लंबी नॉन पैचबेल सड़क 2025- 26, बागावास चौरासी से परमानंद जी मंदिर 1.5 किलोमीटर लंबी नॉन पैचबेल सड़क 2025- 26, अलवर रोड से सुरसुरा 0.500 किलोमीटर लंबी नॉन पैचबेल सड़क, सूरपुरा स्कूल से ब्राह्मणों के मोहल्ले तक किलोमीटर लंबी सड़क, मैड बीलवाडी सड़क से खेड़ा की ढाणी (एएमडी 231) वाया झामुका मंदिर, बड की ढाणी, कपासन माता मंदिर 2 किलोमीटर लंबा अटल पथ, नवरंगपुरा मेड रोड से जाटों की ढाणी 1.5 किलोमीटर लंबी नॉन पैचबेल सड़क का शिलान्यास करेंगे।

वही माधो का बास से जोगीपुरा बजट घोषणा 2024- 25 परमानेंट रेस्टोरेशन एसडीआरएफ लंबाई 1 किलोमीटर का लोकार्पण भी करेंगे। इन कार्यक्रमों के लिए शहर व ग्रामीण इलाकों में कई तोरण द्वार बनाये गये हैं। इन कार्यक्रमों में क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधि शामिल होंगे।

चोरी का आरोपी गिरफ्तार

निवाई। बरोनी थाना पुलिस ने चोरी करने का एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी बृजेन्द्रसिंह राठौड ने बताया कि 24 अक्टूबर की रात को गांव सिसोला रोड पर स्थित भैरूजी मंदिर का ताला तोडकर चोर एक गेहूं का कटटा, पीतल का विजय घंटा सहित अन्य सामान चुराकर ले गये थे। उक्त घटना पर कार्यवाही करते हुए चोरी करने के आरोपी रामकिशन चौधरी पुत्र जमनालाल जाट निवासी केशोगन पुलिस थाना नैनवा जिला बून्दी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से चोरी किया गया गेहूं का कटटा व पीतल का विजय घंटा सहित अन्य सामान बरामद किया है।

उन्होंने बताया कि आरोपी ने पूछताछ में बताया कि इस चोरी से पहले उसने मेहन्दवास गांव के मंदिर व नैनवा जिला बूंदी के मंदिर में झालर व पीतल का घंटा व केबिनों में भी चोरियां करना स्वीकार किया है।

उन्होंने बताया कि आरोपी ट्यूबवेल मोटर के तार व मन्दिर में चोरी करने का आदतन अपराधी है।

खोया पाया

मेरे भूखण्ड संख्या- 298 उदय विहार योजना का मूल कब्ज़ा पत्र कही गुम हो गए है मिलने पर सम्पर्क करें संदीप कुमार पूनिया फोन नंबर- 9694946000

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक)
वाद सं. 27/25
विषय : उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र

प्रार्थी- नाम दिलीप राज शर्मा पुत्र रविंद्रनाथ शर्मा जाति शर्मा, विवाद स्थान- PNB बैंक शाखा 5/182 एस.एफ.एस. अग्रवाल फार्म मानसरोवर जयपुर मृतक रविंद्रनाथ शर्मा व विमला देवी शर्मा बैंक में जमा राशि की सम्पत्ति के विषय में।

पेशी दिनांक : 01.12.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम रविंद्र नाथ शर्मा पुत्र केदार नाथ शर्मा जाति शर्मा निवासी- 5/182 एस.एफ. एस. अग्रवाल फार्म मानसरोवर, जयपुर अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 01 माह 12 सन् 2025 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। आज दिनांक 01 माह 10 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

मुद्रांकन
आज्ञा से
शरिस्तेदार
अपर जिला एवं सैशन
न्यायालय संख्या 10,
जयपुर महानगर प्रथम सांगानेर

आम सूचना

मैं रमन लाल मीना पुत्र श्री किरोड़ी लाल मीना निवासी ग्राम कटकड़, तहसील हिण्डौन सिटी, जिला करौली, मैंने अपने पैन कार्ड संख्या AOAPL9212K को आयकर विभाग करौली के माध्यम से निरस्त कर दिया गया है एवं वर्तमान में में पैन कार्ड संख्या FXYPM3918K को उपयोग में ले रहा हूं पूर्व में जारी किए गए पैन कार्ड संख्या AOAPL9212K से अब मेरा कोई संबंध नहीं है सूचित रहें।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी जोन-11, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
क्रमांक:90A/JDA/2025-26/100326 **लोक सूचना** दि.07.11.2025

श्रीमति SANGEETA JAIN श्री HAPPY JAIN जाति JAIN निवासी- 98, PATEL NAGAR, DEOLI PIN-304804 ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का आवासीय प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। अर्थात:

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (हेक्टे.)	रूपांतरण क्षेत्रफल (हेक्टे)
1	चतरपुरा उर्फ लाल्या का बास, साँगानेर (जयपुर)	1.) संगीता जैन पत्नि हैप्पी जैन हिस्सा पूर्ण जाति जैन मकान नंबर 98 पटेल नगर देवली जिला टोंक खातेदार	704/308	0.02	0.02
2			706/309	0.25	0.25
				कुल	0.27

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क ओर राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने ओर अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी SSO ID से लॉगिनकर 90-A for Development Authority (JDA) आइकान पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोडकर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते हैं। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं हैं ओर तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर ओर मुहर के अधीन आज दि.07.11.2025 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी जोन-11, जविप्रा जयपुर

नाम संशोधन

मैं बत्तन देवी पत्नि सुरेश सिंह निवासी- नांगल, पोस्ट- जटवाडा, थाना-सूरौठ, तहसील-सूरौठ, जिला-करौली राजस्थान शपथकर्ता बयान करती हूं कि मैं उपरोक्त पते की मूल निवासिनी हूं उक्त के अलावा मैं अन्य जिले में निवास नहीं करती हूं। यह है कि मेरा पति आर्मी में सेवारत है जिसका आर्मी नं. जेसी 483467P, रैंक नायब सूबेदार नाम सुरेश सिंह, यूनिट-6 राजपूत जिसके सर्विस रिकार्ड बुक में पत्नि का नाम- बत्तन त्रुटिवस अंकित हो गया है जो कि गलत है सही नाम- बत्तन देवी है जो कि सही है। यह है कि मेरा नाम आधार कार्ड, पैन कार्ड, पहचान पत्र आदि में नाम बत्तन देवी है जो कि सही है।

हस्ताक्षर शपथिनी- बत्तन देवी

शिक्षा विभाग राजस्थान सरकार
कार्यालय प्राचार्य/ पी.ई.ई.ओ.राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय
चकवाडा, पं.स.फागी जिला जयपुर (राज.)
पिन कोड 303005

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि संस्था के अनुपयोगी/नाकारा/अप्रचलित सामान पुस्तक मूल्य राशि 98,166/- रूपये की नीलामी दिनांक 21.11.2025 को प्रातः 11.00 बजे स्कूल परिसर में खुली बोली द्वारा की जावेगी। सामान एवम् शर्तों का अवलोकन कार्यालय समय में उपस्थित होकर किया जा सकता है।
नोट-नीलामी संबंधी अंतिम निर्णय निलामी समिति का होगा।

प्रधानाचार्य
रा.उ.मा.वि.चकवाडा (फागी)

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम अविनाश चौधरी से बदलकर सभी उद्देश्यों के लिए अविनाश कर लिया है। निवासी हमीरी कलां जिला झुंझुनू (राजस्थान)

मैंने अपना नाम दीपक कुमार गुप्ता से बदलकर दीपक गुप्ता पुत्र श्री जगदीश गुप्ता रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए। पता- गुढा कटला दौसा, राजस्थान

I have changed my old name Krash Kumar Meena to Girish Kumar Meena I should be known and called in future my name Girish Kumar Meena S/o Rajnarayan Meena for all purposes to future R/o 36 Jalalpur Dausa (Raj.)

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजि, सांभर लेक.
सहीदा वगै. बनाम मुनीर खां वगै.
बनाम वाद बाबत
घोषणा एंव स्थायी निषेधाज्ञा
वाद सं. 19 सन 2025

बनाम- 1. मुनीर खां पुत्र ईमामुदीन खां जाति मुसलमान निवासी निर्माणो का मोहल्ला छोटा बाजार सांभर लेक हाल निवासी 438 जगन्नाथपुरी, कालवाड रोड झोटवाडा जयपुर जिला जयपुर राजस्थान, 2. मनसुख रियलिटी प्लॉट नंबर 1, द्वितीय तल, ज्ञान विहार डी.सी.एम, अजमेर रोड जयपुर राजस्थान जरिये पार्टनर दिनेश कुमार कुमावत पुत्र शिव भगवान जाति कुमावत निवासी प्लॉट नंबर 116, गणगौरी बाजार, 3. फुलेरा तहसील फुलेरा जिला जयपुर राजस्थान। अब्दुल अजीज खानं पुत्र सुलमान पुत्र हमीद खां, 4. मोहम्मद रफीक सुलमान पुत्र हमीद खां समस्त जाति मुसलमान निवासी प्लॉट नंबर 178, जालूपुरा जयपुर जिला जयपुर राजस्थान ।

- प्रतिवादीगण

ने आपके विरूद्ध सम्मन के लिये वाद पंजीयत किया है आपका इस न्यायालय में तारीख 28 माह 11 सन 2015 को दिन में. 10 ए.एम. बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रशनों का उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिस पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजी को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रतिष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह वाद ता.06 माह 11 सन् 25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत
न्यायालय-सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट सांभरलेक जिला जयपुर

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजि., सांभर लेक
सहीदा वगै. बनाम मुनीर खां वगै.
वाद/प्रार्थना पत्र अस्थायी निषेधाज्ञा अन्तर्गत
आदेश 39
नियम 1 व 2 व धारा 151 जा.दी.
प्रार्थना पत्र संख्या 20/25 सन्

1- मुनीर खां पुत्र ईमामुदीन खां जाति मुसलमान निवासी निर्माणो का मोहल्ला छोटा बाजार सांभर लेंक हाल निवासी 438 जगन्नाथपुरी, कालवाड रोड झोटवाडा जयपुर जिला जयपुर राजस्थान।
2-मनसुख रियलिटी प्लॉट नंबर 1, द्वितीय तल, ज्ञान विहार डी.सी.एम, अजमेर रोड जयपुर राजस्थान जरिये पार्टनर दिनेश कुमार कुमावत पुत्र शिव भगवान जाति कुमावत निवासी प्लॉट नंबर 116, गणगौरी बाजार फुलेरा तहसील फुलेरा जिला जयपुर राजस्थान।
3-अब्दुल अजीज खानं पुत्र सुलमान पुत्र हमीद खां
4-मोहम्मद रफीक पुत्र सुलमान पुत्र हमीद खां समस्त जाति मुसलमान निवासी प्लॉट नंबर 178, जालूपुरा जयपुर जिला जयपुर राजस्थान ।
उक्त प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया हैं कि नकल साथ है।
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 28 माह 11 सन् 2025 को 10.00 बजे पूर्वान्ह मे स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिस सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जायेगा।
यह आदेश आज दिनांक. 06/11/5 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

मोहर अदालत
न्यायालय-सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट सांभरलेक जिला जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
आम सूचना
रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांक:F-JDA/Zone 02/2025/D-18

आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 243527 दिनांक 20/08/2025 को निम्नांकित भूखण्ड का Name Transfer जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी लीजधारक का नाम	भूखण्ड सख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स./ निजी खातेदारी/ जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1	Pankaj Gupta S/o Suresh Chand Garg	श्री धरमेन्द्र कुमार पुत्र श्री सीरूमल	15	90.00 SQ. METER	JDA	VIDHYA DHAR NAGAR Sector/ Block-2	Name Transfer	मृत्यु प्रमाण पत्र, सजरा शपथ पत्र, विक्रय पत्र, वसीयत, नाम हस्तान्तरण एवं वाद विवाद का शपथ पत्र, आवंटन पत्र एवं साईट प्लान

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Name Transer जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

उपायुक्त जोन-9, जविप्रा, जयपुर

‘हंगर इंडेक्स और हैप्पी इंडेक्स में भारत को नीचे दिखाना शत्रुओं की चाल’

जयपुर डायलॉग में दूसरे दिन ऑपरेशन सिंदूर, पाकिस्तान-अमरीकी नजदीकियों तथा न्यायपालिका की विसंगतियों पर चर्चा हुई

जयपुर (कासं)। राष्ट्रवादियों के महाकुंभ जयपुर डायलॉग 2025 के तहत शत्रुबोध थीम पर दूसरे दिन भी विषय विशेषज्ञों ने विभिन्न मुद्दों को धारदार तरीके से उठाया। विभिन्न क्षेत्रों की नामचीन हस्तियों ने मुख्य रूप से फिल्म इंडस्ट्री में सनातन के विरोधी नैरेटिव, मूल्यों की रक्षा, अंतरराष्ट्रीय संबंध तथा दक्षिणी एशिया में लगातार विकसित हो रही भू राजनीतिक स्थिति तथा पाकिस्तान और चीन के बीच तेजी से बदल रहे संबंध तथा ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से शत्रु देश को दिए गए जवाब सहित पाकिस्तान-अमरीकी नजदीकियों को लेकर लेखक और विचारक आनंदरंगनाथन, प्रमुख फिल्म आलोचक राजेश कुमारसिंह, लेखक और राजनीतिक विश्लेषक शांतनु गुप्ता, शोध कथा और पूरा ऋतिक विश्लेषक विनोद कुमार, पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त उदय माहुरकर, गर्वित भारद्वाज और अनुपम मिश्रा ने सचेत रहने की जरूरत जताई।

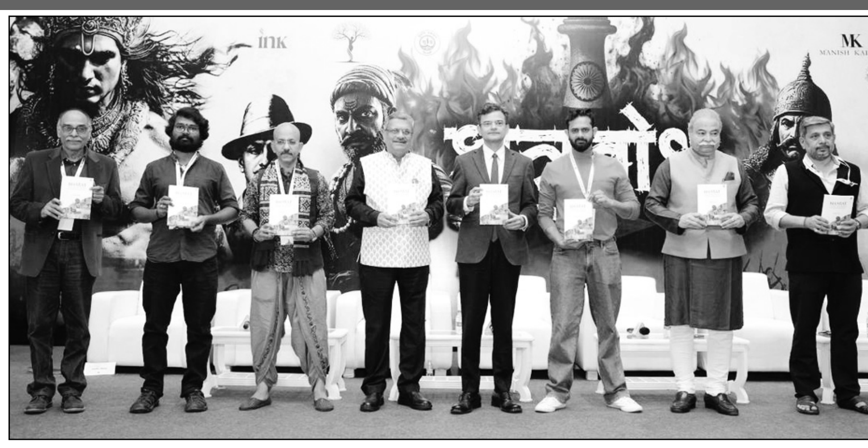

राजधानी जयपुर में आयोजित जयपुर डायलॉग समिट के दूसरे दिन विषय विशेषज्ञों ने ''भारत'' पुस्तिका का विमोचन किया।

- **वक्ताओं ने कहा कि ''नेपाल का राजनीतिक घटनाक्रम नेपो किड्स की वजह से हुआ, सोशल मीडिया की वजह से नहीं''**
- **एक सैशन में वक्ताओं ने कहा कि ''देश में सबसे अधिक सरकारी योजनाओं का लाभ लेने वाले लोगों का अल्पसंख्यक आयोग यह भी नहीं बताता कि मुस्लिम समाज के लोग कितनी योजनाओं का लाभ उठा रहे है।''**

तीसरे सत्र में लुटियंस वर्सेस नेशनलिस्ट ''व्हूज विनिंग'' विषय पर सुशांत सिन्हा, आनंद नरसिंहमन, प्रदीप भंडारी भाऊ तोरसेकर और हर्ष कुमार ने लुटियंस मीडिया और राष्ट्रवादी मीडिया को लेकर भेदभाव और विपक्ष के मोदी विरोधी मिशन पर कड़े वार किए। वक्ताओं ने कहा कि आप समय बदल रहा है 11 साल में बहुत कुछ बदल चुका है भारत को हंगर इंडेक्स और हैप्पी इंडेक्स में पाकिस्तान जैसे देश से नीचे रखने वालों की चालें सामने आ रही है, हमें हिम्मत दिखानी होगी।

लाफेयर शत्रुबोध सत्र में ज्यूडिशरी एक्टिविस्ट लॉयर्स एंड कोर्ट्स टारगेटिंग भारत विषय पर अयोध्या मामलों के वकील विष्णु शंकर जैन, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अश्वनी उपाध्याय, विजय सरदाना, सामाजिक कार्यकर्ता नाजिया इलाही खान और लेखक अजीत भारती ने न्यायपालिका की विसंगतियों को लेकर जमकर प्रहार किया। इस चर्चित सत्र का संचालन जयपुर डायलॉग के अध्यक्ष संजय दीक्षित ने किया।

''आई लव मोहम्मद/बुलडोजर'' के ओपन माइक सैशन नाजिया, साहिल, नीरज अत्री ने चर्चा की। उन्होंने कहा कि, धर्म निरपेक्षता का अर्थ हिंदू देवी देवताओं को गाली देना नहीं है, लेकिन कुछ लोग हिंदू देवी-देवताओं को गाली निकालना स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति मानते हैं। ओपन माइक सैशन में नाजिया, साहिल, नीरज अत्री ने कहा कि देश में देखा जाए तो हाल के दिनों में ''आई लव मोहम्मद'' की घटना पर उत्तर प्रदेश सरकार का स्टैंड सही रहा है। वक्ताओं ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अधिकतर अवैध कार्य मुस्लिम समुदाय के लोग कर रहे हैं। बरसों से उनके अवैध कार्यों को देखते हुए बुलडोजर चलाना सही है। उन्होंने ममता बनर्जी पर तंज कसते हुए कहा कि घुसपैठियों और मुस्लिम मतदाताओं के भरोसे ही पश्चिम बंगाल की सरकार चल रही है। ओवैसी को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि वे गजवा-ए-हिंद और टुकडे टुकडे गैंग चला रहे है।

एक अन्य सैशन में भाऊ तौरसेकर, ओमकार चौधरी, बाबा रामदास और गणेश भाऊ ने कहा कि कुछ लोग यह मानते है कि पडौस के देशों में सोशल मीडिया के चलते तख्तापलट हुआ है और भारत में भी होने वाला है, उनका यह कयास कतई गलत है। असल में नेपाल का राजनीतिक घटनाक्रम नेपो किड्स की वजह से हुआ है। भारत में विकास को देखते हुए और स्थाई व सुरक्षित सरकार के चलते सत्ता पलट के कोई असर नहीं है। हाल यह है कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के कुनबे के लोग सत्ता के आसपास भी नहीं है। वह ना तो स्वयं भ्रष्टाचार कर रहे हैं ना ही करने दे रहे हैं। वक्ताओं ने तेजस्वी यादव के उस बयान को हास्यास्पद बताया जिसमें पौने तीन करोड लोगों को नौकरी देने की बात कही है। उन्होंने कहा कि बिहार के 90 के दशक में नरसंहार होता था। नरसंहार संगठित अपराध था, जबकि अपहरण उद्योग बन गया था। आज जबकि ''जेन-जेड'' इसे नेटफ्लिक्स सीरीज की तरह मान रही है, तब संभावित खतरों को देखते हुए सतर्क रहना चाहिए।

सभी वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि प्रिंट मीडिया की ताकत अभी बनी हुई है। क्योंकि किसी भी घटना, दुर्घटना या योजना का सबसे बड़ा और पुष्ट डाटा सिर्फ प्रिंट मीडिया के पास होता है। इतना बड़ा डाटा फिलहाल सोशल मीडिया पर कहीं उपलब्ध नहीं होता है। सेशन में अभिषेक तिवारी, शेफाली वैद्य, आनंद रंगनाथन और प्रखर श्रीवास्तव ने कहा कि आईपीएस और आईएएस की तरह जज की भी ट्रेनिंग होनी चाहिए, इसके अभाव में कॉलेजियम जैसे शरिया बन गया है। देश में कुछ लोग संविधान के समानांतर दूसरा कानून चलाने की कोशिश कर रहे हैं। हाल यह है कि नाबालिग़ हिंदू लड़की को भगाकर ले जाते है और निकाह कर नाम बदल देते हैं। इससे वह मुस्लिम हो जाती है और उस पर शरिया लागू हो जाता है। तब दुनिया का सबसे बेहतर कानून पोक्सो एक्ट बेकार हो जाता है। देश में विकास के लिए वक्फ जैसी मनमानी संस्थाओं को खत्म करना होगा। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भारत में जहां दीपावली की रात कांचीपुरम के मठ से शंकराचार्य को घसीट कर बाहर निकाला गया था, उसी तरह कर्नाटक में संघ की शाखा पर भी रोक लगाई। सबसे अधिक सरकारी योजनाओं का लाभ लेने वाले लोगों का अल्पसंख्यक आयोग यह भी नहीं बताता कि मुस्लिम समाज के लोग कितनी योजनाओं का लाभ उठा रहे है। जबकि वह दुनिया भर में जाकर बदहाली का रोना रोते रहते हैं।एक अन्य सैशन में धर्म के आधार पर आरक्षण की व्यवस्था संविधान में नहीं है, लेकिन लोग लेना चाहते हैं। पश्चिम बंगाल और कर्नाटक में मुसलमानों को ओबीसी का आरक्षण देकर वोट बैंक की राजनीति की जा रही है। सैशन में विष्णु शंकर जैन, पंकज सक्सेना और अजीत भारती ने कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर भी अंतिम दिनों में कन्वर्ट हुए, जबकि मायावती, कांशीराम और रावण आदि सब राजनेता बौद्ध धर्म की बातें करते रहे, लेकिन हिंदू धर्म नहीं छोड़ा। असल में बौद्ध धर्म में जाने पर आरक्षण का लाभ खत्म हो जाता है। जबकि उच्च पदों पर बैठे लोग दलित का लेबल चिपका कर बैठे हैं। वे देवी देवताओं को भले ही गाली देते हैं, लेकिन हिंदू धर्म भी नहीं छोडते हैं। इनका विजन भी क्लियर नहीं है। दलित जब अमीर बन जाता है तो वह अपने समाज ले लोगों का साथ छोडकर स्वर्ण समाज के साथ बैठने लगते है।

भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश का सड़क तंत्र बन रहा मजबूत

24 हजार 976 करोड़ रु. खर्च करके 36140 किलोमीटर सड़क बनाने का कीर्तिमान स्थापित

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश के सड़क तंत्र को मजबूत बनाने की दिशा में राज्य सरकार काम कर रही है। प्रदेश में राज्य राजमार्गों का निर्माण, सड़कों के क्रमोन्नयन, चौड़ाईकरण व सुदृढ़ीकरण, राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास, आरओबी, आरयूबी व उच्चस्तरीय पुलों के निर्माण से राज्य के समग्र विकास को नवीन गति मिल रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- **गांवों से शहर तक फैल रहा सड़कों का नेटवर्क, आमजन का आवागमन बन रहा सुगम**

मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेश में सड़कों के विकास पर 24 हजार 976 करोड़ रुपये व्यय कर 36140 किलोमीटर सड़कों का विकास किया गया है। वहीं, 28600 किलोमीटर लंबी सड़कों के विकास के लिए 14 हजार 816 करोड़ रुपये के 12391 कार्य स्वीकृत किए गए हैं।

इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क तंत्र मजबूत बनाने की दिशा में 1564 गांव और बसावटों को सड़कों से जोड़ा गया है। साथ ही, 3 हजार 543 किलोमीटर लंबाई की मिसिंग लिंक सड़कों के लिए 1328 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई है। इसी प्रकार, 327 अटल प्रगति पथों के निर्माण के लिए 813 करोड़ रुपये की राशि भी स्वीकृत की जा चुकी है।

प्रदेश में 22 माह से अधिक के कार्यकाल में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन के अनुरूप राजमार्ग सुविधा को बेहतर बनाते हुए निरंतर इनका विकास एवं विस्तार किया जा रहा है। इसी क्रम में 8194 करोड़ रुपये की लागत से 6249 किलोमीटर लंबाई के राज्य राजमार्गों का विकास हो चुका है एवं 2 हजार 547 करोड़ रुपये की लागत से 8 राज्य राजमार्गों में कार्य प्रगति पर है।

जिला मुख्यालय से संपर्क को सुगम बनाने के लिए 5 हजार किलोमीटर से अधिक लंबी सड़कों का मुख्य जिला सड़कों में क्रमोन्नयन किया गया है।

राजस्थान में डबल इंजन की सरकार में राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास हो रहा है। 600 किलोमीटर लंबाई के राष्ट्रीय राजमार्गों का चौडाईकरण व सुदृढीकरण हो चुका है। वहीं 457 किलोमीटर लंबाई के राष्ट्रीय राजमार्गों को चौड़ा करने का कार्य प्रगति पर है। रेलवे क्रॉसिंग को सुरक्षित बनाने के लिए प्रदेश में 10 आरओबी का निर्माण पूरा हो चुका है तथा 33 आरओबी का निर्माण प्रगति पर है। वहीं, 14 आरयूबी का निर्माण पूर्ण होने के साथ ही 14 आरयूबी का निर्माण प्रगति पर है। प्रदेश में 11 उच्च स्तरीय पुलों का निर्माण पूर्ण हो चुका है और 15 उच्च स्तरीय पुलों का निर्माण कार्य प्रगतिरत है।

डंपर हादसे के बाद भी नहीं सुधर रहे लोग; ओवर स्पीडिंग और सड़क सुरक्षा के नियम तोड़ रहे

पुलिस व परिवहन विभाग ने बीते 4 दिनों में तेज गति से वाहन चलाने वाले 16 हजार से ज्यादा वाहन चालकों पर कार्रवाई की

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में पिछले दिनों तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से 14 लोगों की मौत ने पूरे प्रदेश को हिला दिया। इसे हादसे के बाद जहां एक तरफ राज्य सरकार ने यातायात नियमों की पालना नहीं करने वालों पर शिकंजा कसा है।

- **परिवहन विभाग ने 163 लोगों के ड्राइविंग लाइसेंस तथा 33 वाहनों के रजिस्ट्रेशन रद्द किए। साथ ही 6500 से अधिक वाहनों के चालान भी काटे।**
- **सड़क सुरक्षा अभियान के तहत पुलिस ने 1.33 लाख लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया**
- **आंकड़ों के मुताबिक गत 4 से 7 नवंबर तक शराब पीकर वाहन चलाने पर 2949, गलत दिशा में वाहन चलाने पर 10888, खतरनाक स्पीडिंग पर 1199, बिना रिफ्लेक्टर वाले 2863 तथा बिना नंबर वाले 6269 वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई है।**

वहीं दूसरी ओर लोग अभी भी तेज गति से वाहन दौड़ाने, ट्रकों में सीमा से ज्यादा माल भरकर ले जाने जैसी लापरवाहियां कर रहे है। परंतु मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर पुलिस-प्रशासन ऐसे तमाम लोगों से सख्ती से निपट रहा है। बीते 4 दिनों में तेज गति से वाहन दौड़ाने वाले 16 हजार से ज्यादा वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई है। परिवहन विभाग ने भी 6500 से ज्यादा चालान काटते हुए 33 वाहनों के रजिस्ट्रेशन रद्द किए है। इसके साथ ही सड़क सुरक्षा अभियान के तहत पुलिस ने 1.33 लाख लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक भी किया है।

सड़क सुरक्षा अभियान के तहत 4 से 7 नवंबर तक शराब पीकर वाहन चलाने पर 2949, तेज गति से वाहन चलाने पर 16160, गलत दिशा में वाहन चलाने पर 10888, खतरनाक तरीके से वाहन चलाने पर 1199, बिना रिफ्लेक्टर वाहन चलाने पर 2863 तथा बिना नंबर प्लेट वाहन चलाने पर 6269 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। प्रदेश के विभिन्न राजमार्गों पर एनएच-48 मॉडल के अनुरूप लेन ड्राइविंग सिस्टम लागू करने के लिए पुलिस जाप्तों के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया गया। साथ ही, लेन ड्राइविंग सुनिश्चित करने के लिए पुलिस टीमें तैनात रहीं और नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

चिकित्सा विभाग ने 7 नवंबर को राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर चलने वाले 1818 व्यावसायिक वाहन (ट्रक व बस) चालकों की नेत्र जांच कर 291 जरूरतमंद चालकों को चश्मे वितरित किए। विभाग द्वारा अब तक (7 नवंबर तक) 2279 चालकों की नेत्र जांच कर 402 चश्मे वितरित किए जा चुके हैं।

परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग ने 7 नवंबर तक कुल 6552 वाहनों के चालान किए हैं। इसमें मालवाहक वाहनों पर ओवरलोडिंग के 453, इन वाहनों में यात्री पाए जाने पर 163 तथा अन्य नियमों का उल्लंघन करने पर 4356 मालवाहक वाहनों के चालान किए गए। यात्री वाहनों में क्षमता से अधिक यात्री पाए जाने पर 85, छत पर सामान रख संचालन करने पर 19 बसों तथा अन्य नियमों का उल्लंघन करने पर 741 यात्री वाहनों का चालान किया। इस दौरान परिवहन विभाग द्वारा 163 व्यक्तियों के ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त किए गए, 33 वाहनों के रजिस्ट्रेशन रद्द किए गए तथा 333 वाहनों को सीज किया गया है। इस दौरान अन्य प्रकरणों में भी विभाग द्वारा चालान किए गए हैं।

सड़क सुरक्षा अभियान के तहत राज्य सरकार के विभिन्न विभागों तथा जिला प्रशासन द्वारा प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा विभिन्न जिलों में सड़क किनारे झाड़ियां हटाने, स्पीड ब्रेकर सही करने, चेतावनी, संकेतक एवं साइन बोर्ड लगाने, अनाधिकृत कट बंद करने आदि कार्य किए गए। नगरीय विकास एवं स्थानीय निकाय विभाग द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों में फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त करने, रोड लाइट्स दुरुस्त करने, निराश्रित पशुओं को सुरक्षित स्थान पर भेजने सहित विभिन्न कार्य किए गए।

कांग्रेस ने वंदे मातरम् गीत को काटकर राष्ट्र की आत्मा के साथ किया धोखा : घनश्याम तिवाड़ी

कांग्रेस की विरासत वंदे मातरम् नहीं, भारत विभाजन और तुष्टिकरण की राजनीति करना है : सांसद तिवाड़ी

जयपुर । भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि वंदे मातरम् गीत भारतीय राष्ट्रभावना की आत्मा है। कांग्रेस वंदे मातरम् को अपनी विरासत बता रही है, जबकि कांग्रेस की विरासत भारत विभाजन और तुष्टिकरण की है। मुसलमानों को तुष्ट करने के लिए वंदे मातरम् गीत को काटा गया और संविधान की आत्मा में सुई चुभो दी गई। तिवाड़ी ने कांग्रेस को खुली चुनौती देते हुए कहा कि मैं कांग्रेस पार्टी को खुली चुनौती देता हूँ कि यदि वह यह समर्थन करे कि वंदे मातरम् गीत पूरा गाया जाना चाहिए, तो मैं इसे कांग्रेस की विरासत मानने को तैयार हूँ।

राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने शनिवार को प्रेस वार्ता की।

सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि वंदे मातरम् गीत 7 नवंबर 1875 को बंग दर्शन पत्रिका में बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा प्रकाशित किया गया था। वर्ष 1896 में रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने कोलकाता में इसे पहली बार गाया तथा 1905 में बंग-भंग आंदोलन के दौरान यह गीत राष्ट्रीय आंदोलन की आवाज बन गया था। वहीं 1937 में मौलाना मोहम्मद अली और शौकत अली ने कांग्रेस अधिवेशन में वंदे मातरम् गीत का विरोध मुखर किया। गीत गाने वाले वक्ता को बीच में रोकते हुए उन्होंने इस गीत का बहिष्कार किया। इनता ही नहीं, कांग्रेस के नेताओं ने इस गीत को धर्म से जोड़ते हुए काटने का घिनौना कार्य किया। कांग्रेस नेताओं ने इस गीत का इसलिए विरोध किया, क्योंकि इसमें मां दुर्गा, कमला और सरस्वती के नाम हैं। इसे धर्म से जोड़ते हुए गीत के कई अंशों तक को हटा दिया। जबकि देश की स्वतंत्रता की लडाई में कई मुस्लिम क्रांतिकारियों ने भी इस गीत का गायन किया था। सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि कांग्रेस ने 1914 में मुस्लिम लीग से समझौता कर भारत विभाजन की नींव रखी और 1937 में वंदे मातरम गीत को काटकर राष्ट्र की आत्मा से धोखा किया। कांग्रेस ने न केवल बंकिमचंद्र चटर्जी और रवीन्द्रनाथ टैगोर बल्कि बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की आत्मा को भी ठेस पहुंचाई है। 1976 में कांग्रेस ने 42वें संविधान संशोधन के माध्यम से प्रस्तावना में परिवर्तन कर अपनी राजनीतिक विचारधारा थोपने का प्रयास किया।जबकि भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की राष्ट्रीय एकता और अखंडता को सशक्त बनाने के कार्य में जुटी हुई है। राष्ट्र के लिए वंदे मातरम् गीत भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना जन गण मन..। भाजपा राष्ट्र की आत्मा को पुनः जागृत करने और एकात्मता की भावना को मजबूत करने के लिए कार्य कर रही है।

रिश्तेदार ने 14 वर्षीय नाबालिग से किया दुष्कर्म

जयपुर। जयसिंहपुरा खोर थाना इलाके में एक रिश्तेदार ने नाबालिग को झांसा देकर घर से बाहर बुलाया और सुनसान जगह ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी के चुंगल से मुक्त होने के बाद पीड़िता जैसे-तैसे अपने घर पहुंची और परिचित की करतूत के बारे में परिजनों को बताया। जानकारी मिलने के बाद गुस्साए पिता ने नाबालिग बेटी को थाने ले जाकर आरोपी युवक के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया।

पुलिस ने बताया कि रामगढ़ रोड निवासी पीड़ित पिता ने मामला दर्ज कराया है कि पडौस में रहने वाले रिश्तेदार से उसकी बेटी की बातचीत होती रहती थी। आरोपी रिश्तेदार ने 5 नवंबर की रात को झूठ बोलकर उसकी 14 वर्षीय नाबालिग बेटी को घर से बाहर बुलाया और उसका अपहरण कर सुनसान जगह पर ले गया। जहां पर आरोपी ने उसके अकेलेपन का फायदा उठाते हुए उसके साथ दुष्कर्म किया और किसी को भी ये बात बताने पर जान से मारने की धमकी दी। आरोपी के चुंगल से मुक्त होने के बाद पीड़िता घर पहुंची और घटना की जानकारी अपने परिजनों को दी। जिसके बाद पीड़ित पिता ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

दुर्गापुरा के रिहायशी इलाके में लेपर्ड का मूवमेंट, लोगों में दहशत

पूर्व जयपुर शहर भाजपा सांसद रामचरण बोहरा के घर के आसपास घूमता दिखा लेपर्ड

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। दुर्गापुरा स्थित रिहायशी कॉलोनी के सीसीटीवी फुटेज में लेपर्ड का मूवमेंट होता देख स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। लेपर्ड, पूर्व भाजपा सांसद रामचरण बोहरा के घर के पास गुर्राता हुआ दिखाई दिया। सूचना पर मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने पूरी रात सर्च ऑपरेशन चलाया। परंतु टीम को कोई सफलता प्राप्त नहीं हुई।बताया जा रहा है कि लाल बहादुर कॉलोनी में शुक्रवार-शनिवार रात 2 बजे सीसीटीवी फुटेज में लेपर्ड घूमता हुआ दिखाई दिया। कुछ स्थानीय लोगों का कहना है कि देर रात तेज अजीब सी आवाज सुनाई दी। जिसके बाद दहशत का माहौल बन गया। सीसीटीवी देखने पर लेपर्ड कारों के बीच से गुजरता हुआ दिखाई दिया। वन विभाग की टीम काफी देर तक एरिया में सर्च करती रही, लेकिन लेपर्ड नजर नहीं आया।अधिकारियों का कहना है कि जिस एरिया में लेपर्ड नजर आया है वहां से झालाना लेपर्ड सेंचुरी की दूरी करीब 5 किलोमीटर है। लेपर्ड के वहीं से आने की आशंका जताई जा रहीं है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पूर्व भाजपा सांसद रामचरण बोहरा के घर के पास भी लेपर्ड गुर्राता हुआ नजर आया है। गोपालपुरा ओवरब्रिज के पास भी लेपर्ड देख गया। वन विभाग ने गोपालपुरा ओवरब्रिज के पास एक फैक्टी परिसर में लेपर्ड को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया है।क्षेत्रीय वन अधिकारी जितेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि दुर्गापुरा रिहायशी इलाके में लेपर्ड का मूवमेंट देखा गया है। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। वन विभाग ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। हालांकि अभी तक लेपर्ड पकड़ में नहीं आया है। लेपर्ड से किसी तरह का कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। अंदेशा जताया जा रहा है कि लेपर्ड वापस जंगल में लौट गया हो। पास में ही झालाना जंगल है, जहां पर करीब 40 से अधिक लेपर्ड रहवास करते हैं। कई बार लेपर्ड झालाना जंगल से निकलकर रास्ता भटकते हुए आबादी क्षेत्र में आ जाते हैं। वन विभाग की टीम लगातार लेपर्ड को सर्च कर रही है।

- **वन विभाग की टीम ने पूरी रात सर्च ऑपरेशन चलाया, परंतु सफलता हाथ नहीं लगी**

जयपुर में दुर्गापुरा इलाके की रिहायशी कॉलोनी में पूर्व सांसद रामचरण बोहरा के घर के आसपास शुक्रवार-शनिवार की मध्यरात्रि लेपर्ड का मूवमेंट रहा। सूचना के बाद वन विभाग की टीम ने पूरी रात कॉलोनी में सर्च ऑपरेशन चलाया। फोटो-दिनेश भारद्वाज

अपहरण कर युवक से मारपीट, 20 लाख रु. की फिरौती मांगी

जयपुर (कासं)। जवाहर सर्किल थाना इलाके में अज्ञात कार सवार बदमाशों ने एक युवक का अपहरण किया और मारपीट करते हुए डेढ़ लाख रुपए व गहने लूट लिए। अज्ञात बदमाशों ने पीड़ित युवक को छोड़ने की एवज में 20 लाख रुपए की फिरौती भी मांगी। काफी देर इधर-उधर घुमाने के बाद अज्ञात कार सवार बदमाश पीड़ित के हाथ-पैर बांधकर उसे शहर से 65 किलोमीटर दूर ले गए और चलती कार से उसे धक्का देकर जंगलों में फेंक कर फरार हो गए। आरोपियों के चुगंल से मुक्त होने के बाद पीड़ित जैसे-तैसे पुलिस के पास पहुंचा और मामले की जानकारी पुलिस को देते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात कार सवार बदमाशों के खिलाफ लूट और अपहरण का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है। एएसआई रामराज ने बताया कि दूदू निवासी जगदीश सिंह (38) ने मामला दर्ज कराया है कि 5 नवंबर की देर शाम वो अपने घर लौटने के लिए दुर्गापुरा में बस का इंतजार कर रहा था।इसी दौरान एक कार उसके पास आकर रुकी ओर लिफ्ट देने का झांसा देकर कार में बैठा लिया।

कुछ दूर जाने के बाद कार में सवार चारों बदमाशों ने उसके साथ मारपीट शुरु कर दी और अपहरण कर उसे निवाई ले गए। निवाई में सुनसान जगह पर ले जाने के बाद बदमाशों ने पीड़ित के हाथ-पैर बांध दिए और बीस लाख रुपए फिरौती की मांग करने लगे।मारपीट करते हुए बदमाशों ने डेढ लाख रुपए ऑन लाइन ट्रांसफर करवा लिए और पहनी हुई सोने की अंगूठी,चांदी का कड़ा और डेबिट कार्ड छिन लिया।

World Freedom Day: Celebrating Liberty and Reflection

World Freedom Day commemorates the signing of the Compensated Emancipation Act in 1862, which led to the abolition of slavery in the United States. The day is a reminder of the struggles endured by those who fought for liberty and equality, celebrating the triumph of human rights over oppression. It encourages reflection on the ongoing fight for freedom worldwide, inspiring individuals to value and protect civil liberties. Through educational events, discussions, and public commemorations, World Freedom Day honors courage, resilience, and the enduring spirit of justice that continues to shape societies.

#FLOWER

Don't Touch Be Cured

Touch Me Not (Mimosa pudica): Nature's Sensitive Wonder and Its Remarkable Benefits

The plant popularly known as 'Touch Me Not' or Mimosa pudica is a fascinating botanical marvel famous for its rapid response to touch. When gently brushed or shaken, its delicate leaves fold inward and droop as if shy or recoiling from contact, earning it nicknames like the 'sensitive plant' or 'shy plant.' But beyond this intriguing behavior, Mimosa pudica offers an array of benefits, medicinal, ecological, and more, that make it a plant worth knowing.

Medicinal Properties and Health Benefits

Mimosa pudica has a rich history in traditional medicine, especially in Ayurveda, Chinese, and folk healing systems. Various parts of the plant, leaves, roots, and stems, are used to treat numerous ailments. Some key health benefits include:

- **Wound Healing:** Extracts from Mimosa pudica have antimicrobial properties that help prevent infection and promote faster healing of cuts and wounds.
- **Anti-inflammatory Effects:** It has natural anti-inflammatory compounds, useful for treating swelling and pain in conditions like arthritis.
- **Antioxidant Properties:** The plant contains antioxidants that protect the body from harmful free radicals, supporting overall health and potentially reducing the risk of chronic diseases.
- **Digestive Aid:** Mimosa pudica is traditionally used to treat digestive issues, including diarrhea, dysentery, and intestinal worms.
- **Diabetes Management:** Some studies suggest it may help regulate blood sugar levels, making it beneficial for people with diabetes.
- **Nervous System Support:** It is believed to have calming effects on the nervous system, helping with anxiety and insomnia in traditional uses.

Ecological and Environmental Benefits

- **Soil Enrichment:** Mimosa pudica is a nitrogen-fixing plant, which means it helps enrich soil by converting atmospheric nitrogen into forms that plants can absorb, improving soil fertility naturally.
- **Erosion Control:** With its sprawling growth habit and extensive root system, it helps in preventing soil erosion, especially in disturbed or degraded lands.
- **Natural Indicator:** Its sensitivity to touch makes it a natural bio-indicator of environmental stimuli, sometimes used in scientific studies on plant response and behavior.

Unique Behavior: The Science Behind 'Touch Me Not'

The rapid folding of its leaves is not just a curiosity but a defense mechanism. When touched, the plant releases potassium ions and water moves out of the cells in the pulvini (the joint-like thickening at the base of the leaf stalks), causing the leaves to fold quickly. This sudden movement can deter herbivores or reduce damage from harsh environmental conditions.

Growing and Using Mimosa pudica

Mimosa pudica is easy to grow and often kept as an ornamental or educational plant, especially for children, due to its unique interactive behavior. Besides its aesthetic and scientific appeal, the plant can be harvested for its medicinal benefits but should be used cautiously and under guidance since more research is needed on its efficacy and safety. The 'Touch Me Not' plant is a remarkable example of nature's ingenuity, blending fascinating behavior with practical benefits. From healing properties to environmental contributions, Mimosa pudica offers much more than its shy demeanor, proving that sometimes, the most sensitive beings have the strongest impact.

Salomon Andrée's Ill-Fated Arctic Balloon Expedition

Salomon August Andrée.

The remains of Andrée's expedition were discovered thirty-three years later, in 1930, by a Norwegian hunting party. While searching for water, two sealers came across Andrée's boat near a small stream, frozen under a mound of snow and filled with equipment, including a boathook engraved with the words "Andrée's Polar Expedition, 1896." When a search was organized, the bodies of all three crew members were found, along with diaries, Strindberg's photographic film, his logbook, maps, and other artefacts.

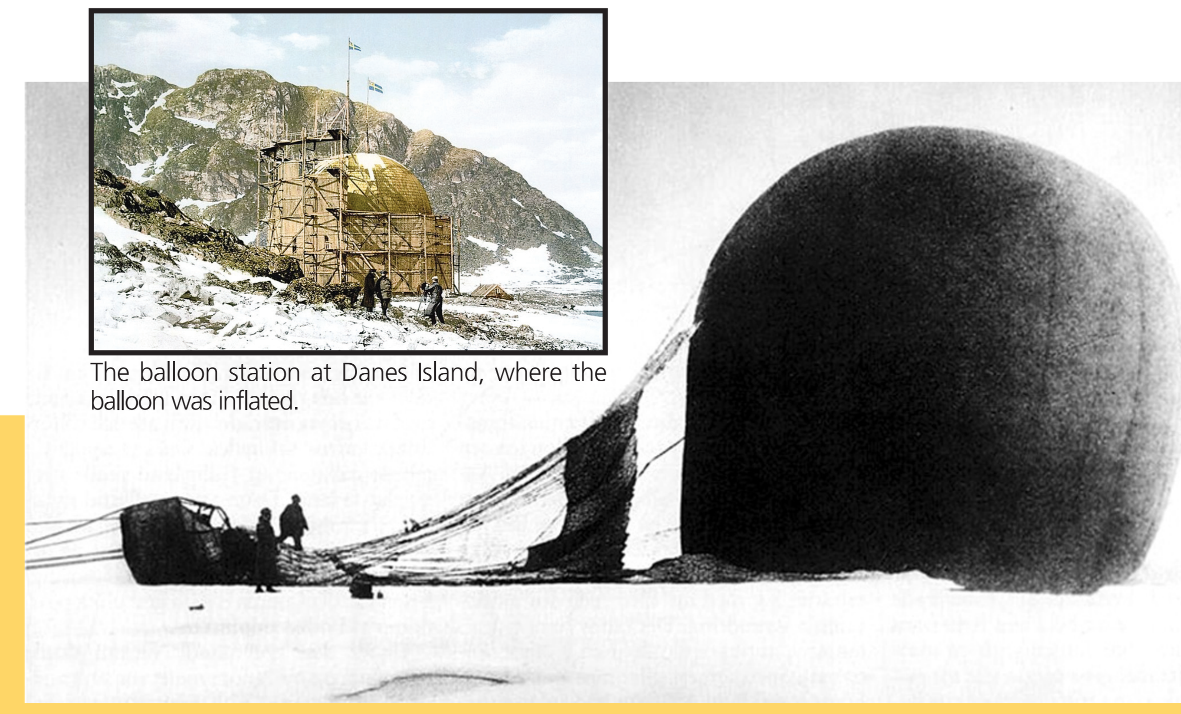
The balloon station at Danes Island, where the balloon was inflated.

The balloon Örnen lies where it crashed on the ice pack. Photo by expedition member, Nils Strindberg.

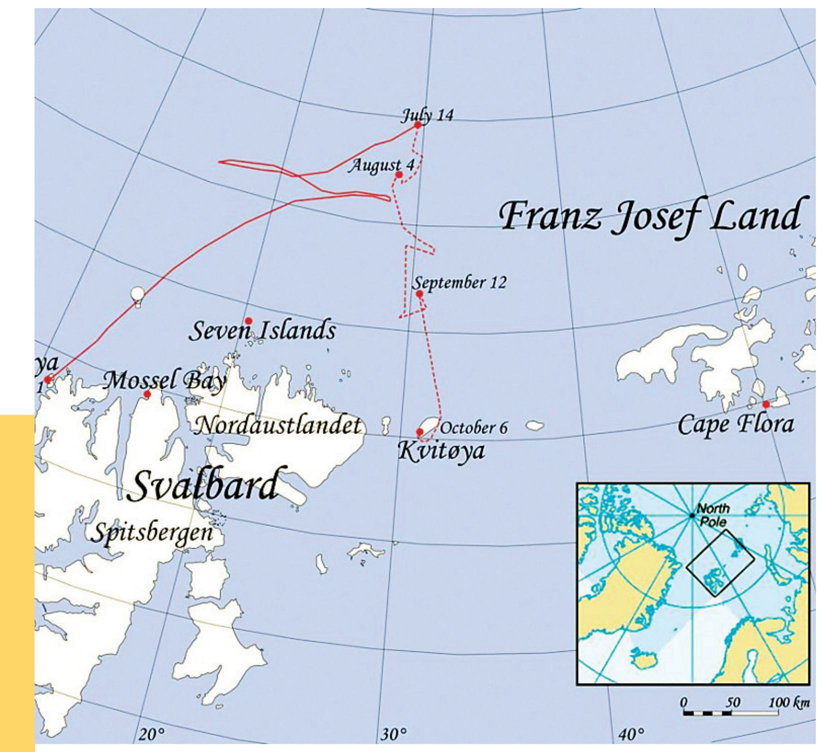

Map of Salomon August Andrée's Arctic Balloon Expedition of 1897.

● KAUSHIKI PATWARDHAN

By the late 19th century, the North Pole remained one of the last great geographic mysteries. The quest to reach the inhospitable and dangerous frozen ocean became a lifelong pursuit for many explorers around the world. Numerous adventurers threw themselves at the challenge, often at great cost. They faced untold hardships, failure, and even death. Like many spirited explorers, Salomon August Andrée, a Swedish engineer and aeronaut, was bewitched by the Arctic. But unlike previous expeditions, Andrée, a fervent believer in the power of science and technology, was convinced that success could be achieved not by traveling through the sea or over ice by sled, but by flying above it in a hydrogen balloon.

Andrée's fascination with balloons began in 1876, after a chance encounter with American balloonist John Wise, whom he met while traveling to the United States for the Centennial Exposition in Philadelphia. After returning to Sweden, Andrée opened a machine shop. When that venture failed, he sought and found employment as an assistant at the Royal Institute of Technology in Stockholm. He also participated in a Swedish scientific expedition to Spitsbergen, an island in Norway's Arctic Svalbard archipelago.

Later, he joined the Swedish Patent Office as an examiner, evaluating patent applications, assessing the novelty and technical feasibility of inventions, and ensuring compliance with patent laws.

Andrée's professional experience as a patent engineer played a significant role in shaping how he planned and approached his 1897 Arctic balloon expedition. Working with the cutting-edge technology of the late 19th century fostered in him a belief that human ingenuity could overcome natural obstacles. He applied this mindset directly to Arctic exploration, convinced that a balloon, outfitted with technical improvements, could succeed where brute force and traditional methods had failed.

Sweden has a chance

On February 13, 1895, Andrée stood before the Royal Geographical Society and delivered a passionate speech, declaring that an expedition to the Arctic offered Sweden a chance to claim a place on the world stage. He thrilled the audience of geographers and meteorologists by proposing that the feat could be accomplished by balloon. He gave a glowing, optimistic account of how easily such a balloon could be constructed and equipped with a novel steering method of his own design.

Typically, hot air and hydrogen balloons drifted with the wind. But Andrée had developed a special system of heavy drag ropes that would lie on the ground and drag through water or across the ice, slowing the craft enough to be steered with sails.

Andrée assured the audience that Arctic summer weather was ideal for ballooning. The 24-hour sunlight, he claimed, would allow him to fly and make observations around the clock, effectively halving the time required for the voyage. He also emphasized that the drag-rope steering technique was particularly well suited to a region where the ground, composed of ice, was 'low in friction and free of vegetation.' He explained that the minimal precipitation in the area posed no threat of weighing down the balloon, as any precipitation or ice will be blown off the balloon's smooth surface by the wind.

Andrée's confidence and optimism convinced his audience, an audience largely disconnected from the realities of Arctic summer storms, fog, high humidity, and the ever-present threat of ice formation on aircraft. As Andrée left the stage, one witness wrote that the audience 'cheered until the great hall of the Colonial Institute rang.'

A King's backing

Andrée's project received financial backing from King Oscar II of Sweden, Alfred Nobel, the inventor of dynamite, and several other prominent supporters. With these funds, Andrée ordered a 20-meter, three-layer silk balloon called Örnen ('The Eagle') from Paris. The balloon basket was designed to accommodate three adults, with sleeping quarters in the floor area, along with some of the stores and provisions. Because of the highly flammable hydrogen in the balloon, cooking could not be done in the basket itself. Instead, a modified Primus stove, designed by a friend of Andrée's, was used. It could be dangled eight metres below and then lit from the basket at a safe distance.

From among the many eager volunteers, Andrée selected two companions: Nils Ekholm, a forty-seven-year-old meteorologist who had previously led an expedition to Spitsbergen, and Nils Strindberg, a twenty-three-year-old assistant professor of physics.

An initial attempt to launch the balloon was made in the summer of 1896 from Danes Island, but unfavourable winds prevented the expedition from starting and Andrée was forced to call off the launch. During the three weeks that Andrée and his team spent on Danes Island, Nils Ekholm studied the balloon and discovered that it was leaking too much gas. When he raised concerns about the balloon's inability to maintain buoyancy, he was hastily dismissed by Andrée. Ekholm later learned that Andrée had been secretly topping up the hydrogen to give the impression that the balloon was sound.

Caught in his own dream

Why did Andrée choose to hide the balloon's flaws, knowing that its integrity was vital to the safety of both his crew and himself? Some writers suggest that Andrée had become a prisoner of his own successful fundraising campaign. The sponsors and the press were tracking every delay, reporting on every setback, and clamouring for results. When the first attempt was called off, Andrée found himself under immense pressure to deliver. In his 1967 novel *The Flight of the Eagle,* author Per Olof Sundman theorized that Andrée could not bear to let the press report that he had misjudged the prevailing wind direction, had miscalculated in ordering the balloon, and now needed a new one to correct the error.

Ekholm refused to take part in the expedition, and his place was quickly filled by Knut Frænkel, a 27-year-old engineer.

Andrée, along with Strindberg and Frænkel, returned to Danes Island in the summer of 1897 for a second attempt. This time, the winds were favourable. On July 11, the three doomed explorers climbed aboard the already heavy basket, and Andrée gave the order to cut the ropes. Almost immediately, problems began. The drag ropes, which Andrée had hoped would stabilize the balloon and prevent it from drifting uncontrollably, became entangled due to their great length, several hundred meters. As they twisted around on the ice, they pulled at the screws securing them to the basket, causing several ropes to detach. The remaining ropes dragged the basket down into the frigid Arctic waters.

The view of the balloon after it took off from Danes Island.

#ILL FATED

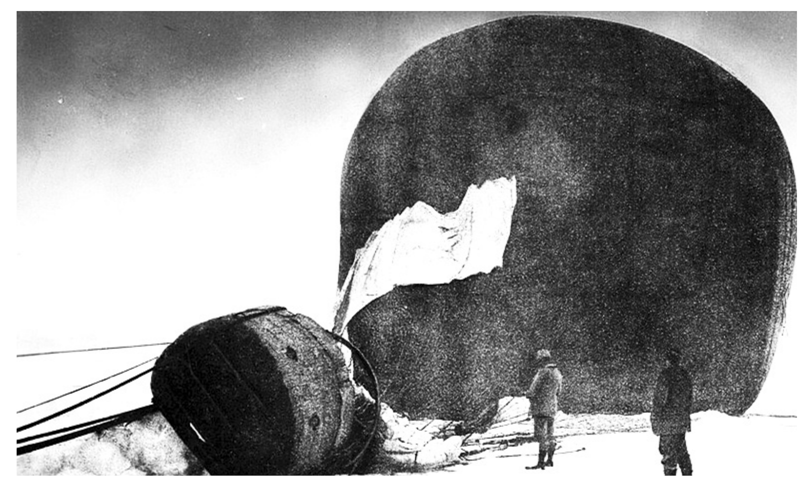
The crashed balloon on the ice pack on 14 July, 1897.

Knut Frænkel (left) and Nils Strindberg stand over a shot polar bear.

> An initial attempt to launch the balloon was made in the summer of 1896 from Danes Island, but unfavourable winds prevented the expedition from starting and Andrée was forced to call off the launch. During the three weeks that Andrée and his team spent on Danes Island, Nils Ekholm studied the balloon.

About 530 kilograms of rope were lost, and the explorers were forced to dump 210 kilograms of sand to lift the basket out of the water. In total, 740 kilograms of essential weight was lost in the first few minutes. Before it had even cleared the launch site, Eagle had been reduced from a supposedly steerable craft to an ordinary hydrogen balloon with a few ropes dangling from it, entirely at the mercy of the wind. The crew had no means of steering and too little ballast to ensure stability. Lightened, the balloon rose to 700 meters (2,300 feet), a height for which they had not planned. At that altitude, lower air pressure hastened the leakage of hydrogen through the millions stitching holes in the fabric of the balloon.

After the balloon rose, it travelled about 400 km north-east in 10 hours, when loss of gas and cooling by cloud brought it down and within the range of the dangling drag ropes. Then, the wind failed and it came to a complete stop for an hour. When the wind picked up again, the balloon travelled almost due west for about 180 km in 19 hours, occasionally stopping and continually bumping. At one point, the guide rope became entangled on a protruding ice formation, causing the balloon to become stationary. Strindberg and Frænkel had some much needed rest, while Andrée wrote in his diary: "It is not a little strange to be floating here above the polar sea."

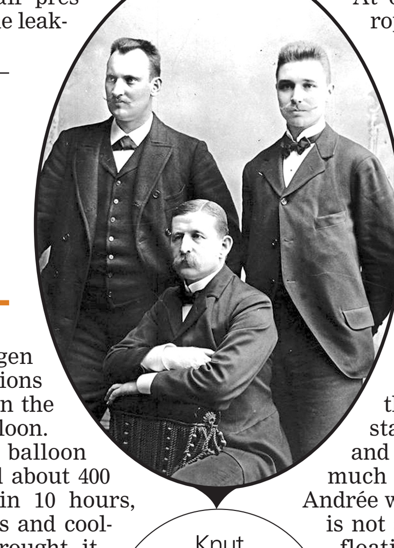
Knut Fraenkel (left), Salomon August Andrée (sitting) and Nils Strindberg (right).

Despite their perilous situation, Andrée remained optimistic. On July 13, two days after launch, he sent a message by a homing pigeon, addressed to the newspaper *Aftonbladet*. The message reads:

"The Andree Polar Expedition to the 'Aftonbladet,' Stockholm. 13 July, 12.30 p.m., 82 deg. north latitude, 15 deg. 5 min. east longitude. Good journey eastwards, 10 deg. south. All goes well on board. This is the third message sent by pigeon. Andree."

> The question of what exactly killed the men has long attracted both interest and controversy among scholars. The most likely explanation is that they died of exposure and exhaustion, the most common causes of death among polar explorers. However, other factors may also have played a role, such as trichinosis.

However, his diaries, found long after the members of the expedition perished, tells a story of increasing desperation. The balloon was struggling. It was soaked by rain, weighed down, and losing hydrogen rapidly. The crew was constantly jettisoning ballast and supplies to maintain altitude.

On July 14, after another 230 km of bumpy ride since their last stoppage, the crew unexpectedly opened the valves and the balloon descended onto the ice. At eleven minutes past eight in the morning, "we jumped out of the balloon," wrote Andrée. Why Andrée chose to bring down the balloon so abruptly, when at last it was sailing high and on the desired course, remains a mystery.

The goal of reaching the North Pole was abandoned, and the crew sensibly decided to head southwest towards Cape Flora in Franz Josef Land, where a large depot of supplies had been laid. Since it was not possible to carry all their provisions, they were forced to leave behind much of their food. Instead, they hunted and ate seals, walruses, and even polar bears along the way. The trek across the ice was more difficult than they had anticipated. At times, they built bridges by bringing ice floes together. Sometimes, they used axes to carve tracks for the runners of their sledges. On occasion, the ice gave way beneath them, plunging both men and sledges into the freezing water.

After several days of marching, the men realized that the ice was drifting backward faster than they were advancing, making the journey futile. On August 4, they gave up heading east and decided instead to turn southwest towards a smaller depot on the Seven Islands.

On April 17, Andrée wrote, "Our journey today has been terrible. We have not advanced 1,000 meters but with the greatest difficulty have dodged on from floe to floe." They set out fishhooks baited with bear meat but caught nothing. One evening, Andrée suggested they try the bear meat raw, and they decided it tasted like oysters. They made 'blood pancakes' from bear's blood and oatmeal, fried in butter. Strindberg prepared soup from algae, which Andrée noted 'should be considered as a fairly important discovery for travellers in these tracts.'

By late September, winter had begun to set in, and pulling the sleds became more difficult. Strindberg built a shelter on the ice by heaping up snow and pouring water over it, and for the first time since they had left home, the men slept under a roof. On October 2, at five-thirty in the morning, Andrée woke to a thunderous crash and saw water streaming into the hut. The ice floe they were living on had split into smaller pieces. Some of their belongings drifted off, and they had to hurry to retrieve them. Andrée's diary ends on October 2 with the entry: "No one had lost courage; with such comrades, one should be able to manage under, I may say, any circumstances."

The remains of Andrée's expedition were discovered thirty-three years later, in 1930, by a Norwegian hunting party. While searching for water, two sealers came across Andrée's boat near a small stream, frozen under a mound of snow and filled with equipment, including a boathook engraved with the words "Andrée's Polar Expedition, 1896." When a search was organized, the bodies of all three crew members were found, along with diaries, Strindberg's photographic film, his logbook, maps, and other artefacts.

Later, scientific analysis revealed that Andrée's diary contained additional entries made after what was previously thought to be the final one on October 2. These later entries had initially been illegible. On October 4, the three men began building another shelter. They also saw a lowland on the island, "a refuge if we don't drift too far past," Andrée wrote, and in the afternoon, they observed birds flying towards it. The next day, they moved ashore, working partly in darkness beneath the northern lights. That day happened to be Andrée's mother's birthday, and he christened their camp Mina Andrée's Place.

The final diary entry is dated Friday, October 8. Andrée wrote that bad weather had kept them in the tent all day: "It feels fine to be able to sleep here on fast land as a contrast with the drifting ice out upon the ocean where we constantly heard the cracking, grinding, and din. We shall have to gather driftwood and bones of whales and will have to do some moving around when the weather permits."

The question of what exactly killed the men has long attracted both interest and controversy among scholars. The most likely explanation is that they died of exposure and exhaustion, the most common causes of death among polar explorers. However, other factors may also have played a role, such as trichinosis, a parasitic disease that they could have contracted from eating undercooked polar bear meat. Additional theories include vitamin A poisoning from consuming polar bear liver, lead poisoning from metal cans, botulism, and carbon monoxide poisoning caused by inhaling fumes from a cookstove used in a poorly ventilated tent.

Trichinosis is considered unlikely, as the diaries mention none of the typical symptoms of a severe infection. Similarly, vitamin A poisoning was ruled out because the diary indicates that the men were aware of the danger and deliberately avoided eating polar bear liver.

In 2010, Swedish researcher Bea Uusma proposed a new theory, that the men were attacked by a polar bear. According to this hypothesis, Strindberg was killed during the attack, while Frænkel was injured and died shortly afterward inside the tent. His body was found without mittens or shoes. Andrée, having buried Strindberg and finding himself alone on the island with no way to leave, may have then decided to end his life using morphine. This theory is supported by several pieces of evidence. Andrée's body was found in a semi-upright position, propped against a rock with his rifle by his side, an unlikely posture for someone killed by a bear. Nearly empty morphine bottles were discovered at the site, along with Andrée's diary, which had been carefully wrapped in a sweater, hay, and balloon cloth, as if he intended to preserve it for posterity in the hope that it would be found.

Coming home in a shroud

The remains of the three explorers were received in Stockholm with solemn respect on October 5, 1930. King Gustaf V, who was present at the pier where the ship carrying their remains docked, said: "In the name of the Swedish nation, I here greet the dust of the polar explorers who, more than three decades ago, left their native land to find an answer to questions of unparalleled difficulty."

Today, several remnants of the expedition, including the clothing worn by the three men, many of their scientific instruments, and several film canisters from Strindberg's camera, are preserved in the Grenna Museum.

rajeshsharma1049@gmail.com

Andrée and Fraenkel tug at a boat used to carry the sled between ice blocks.

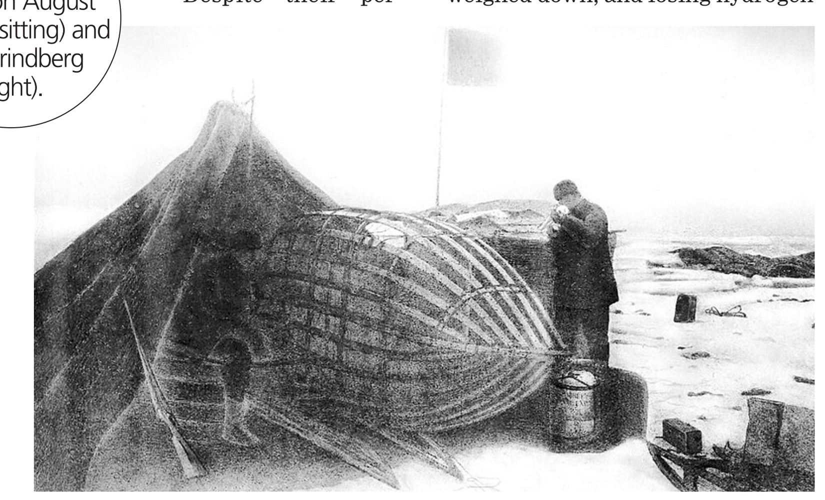
The camp at the 'Eagle' landing site. Work on installation of the boat's frame.

Andrée and Fraenkel work at the upside down boat.

THE WALL

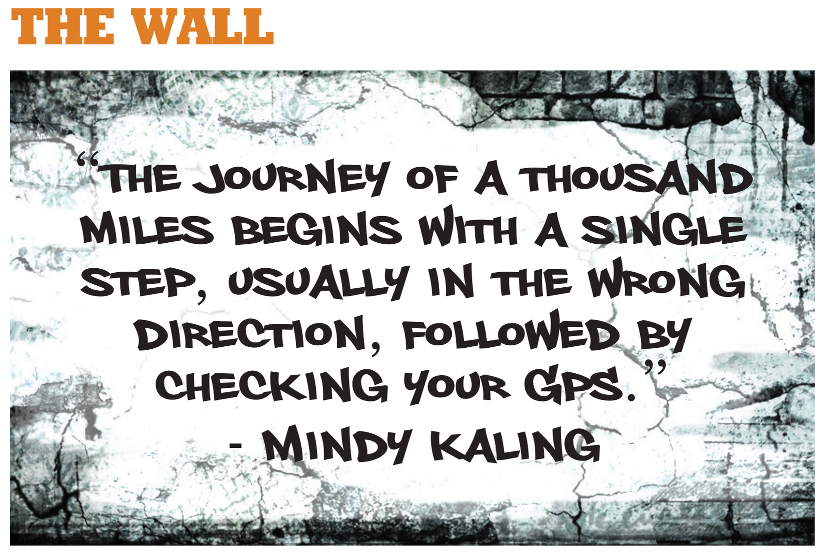

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

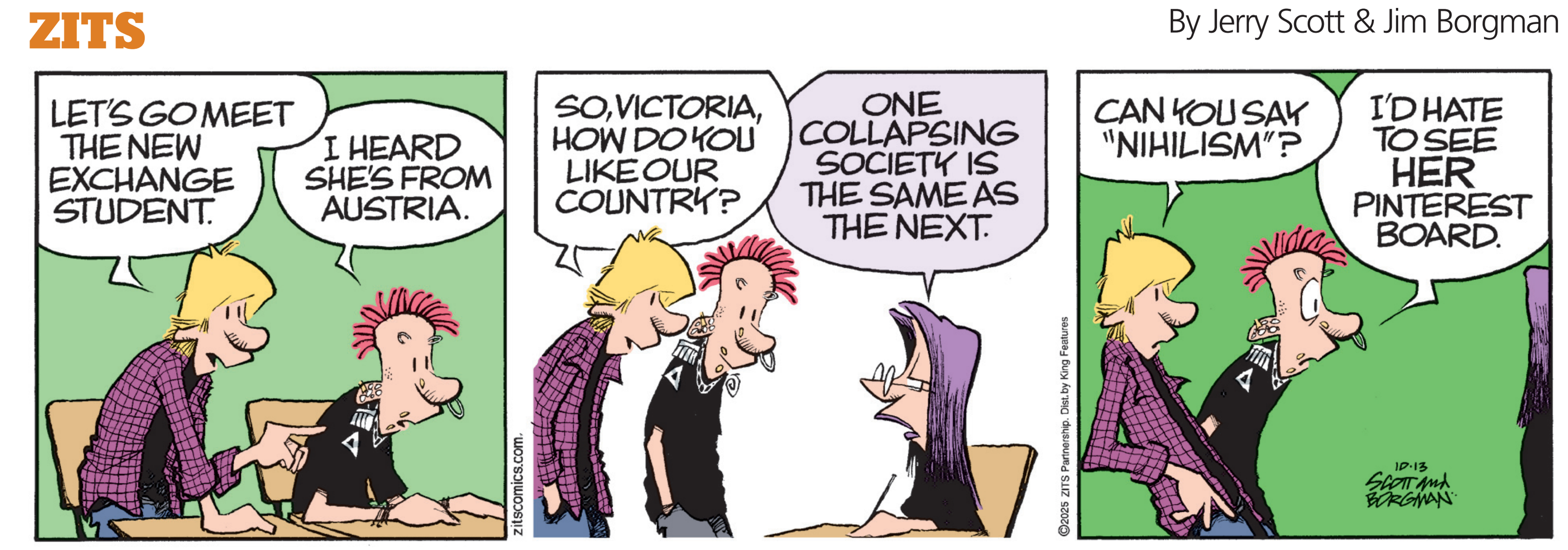

बूंदी महोत्सव-2025 का भव्य शुभारंभ

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने तीन दिवसीय बूंदी महोत्सव का शुभारंभ किया

तीन दिवसीय सतरंगी बूंदी महोत्सव के तहत निकाली गई शोभायात्रा में पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे विभिन्न समुदायों के लोगों, लोक कलाकारों ने हाड़ौती की समृद्ध लोक संस्कृति के रंग बिखेरे।

बूंदी, (निसं)। ऐतिहासिक और धार्मिक नगरी छोटी काशी बूंदी में आज से तीन दिवसीय सतरंगी बूंदी महोत्सव 2025 का भव्य आगाज हुआ। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गढ़ पैलेस में आयोजित समारोह में ध्वजारोहण कर इस भव्य सांस्कृतिक समागम का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जिला प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर भी विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। महोत्सव का शुभारंभ गढ़ पैलेस पर श्री गणेश पूजा और झंडारोहण के साथ हुआ। इसके तुरंत बाद, लोकसभा अध्यक्ष ने गढ़ पैलेस में ही कैनवास पेंटिंग वर्कशॉप का उद्घाटन किया।

शनिवार के आयोजनों का मुख्य आकर्षण नवल सागर से शुरू हुई भव्य शोभायात्रा रही। राष्ट्रगीत वंदे मातरम्

■ **वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ की थीम पर आधारित रही भव्य शोभायात्रा**

के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इस वर्ष की शोभायात्रा को वंदे मातरम की देशभक्तिपूर्ण थीम पर आधारित रखा गया। शाही लवाजमे के साथ निकली इस यात्रा में पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे विभिन्न समुदायों के लोगों, लोक कलाकारों, और सजे हुए ऊंट-घोड़ों ने बूंदी की सड़कों पर हाड़ौती की समृद्ध लोक संस्कृति के रंग बिखेरे। हाथों में तिरंगा थामे विद्यार्थियों ने आमजन में राष्ट्रप्रेम की भावना का संचार किया। यह भव्य शोभायात्रा पुलिस परेड ग्राउंड पहुंचकर समाप्त हुई, जहाँ सभी ने सामूहिक राष्ट्रगीत का गायन किया।

इसके बाद, पुलिस परेड ग्राउंड पर सुबह से पारंपरिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का रोमांच शुरू हुआ। जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित रस्सा-कस्सी, मूंछ प्रतियोगिता, साफा बांधना और पणिहारी दौड़ जैसे खेलों में स्थानीय निवासियों के साथ-साथ विदेशी पर्यटकों ने भी उत्साह से भाग लिया और अपना दमखम दिखाया। इस दौरान जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा, पुलिस अधीक्षक राजेंद्र मीणा,अतिरिक्त जिला कलेक्टर राम किशोर मीणा, जिलाध्यक्ष रामेश्वर मीणा, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि वर्मा, उपखण्ड अधिकारी लक्ष्मीकांत मीणा एवं पूर्व राजपरिवार के वंशवर्धन सिंह सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

सड़क हादसे में घायल की उपचार के दौरान मौत

मृतक के परिजनों ने हत्या का संदेह जताते हुए आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तार की मांग की

छबड़ा, (निसं)। लगभग दस दिन पूर्व खांखरा-कडैयानोहर मार्ग पर हुए सड़क हादसे में घायल युवक की कोटा चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने हत्या का संदेह जताते हुए आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार किए जाने की मांग की।

जानकारी अनुसार लगभग दस दिन पूर्व एक सड़क हादसे में नारायणपुरा निवासी मांगीलाल भील (70) की मौत हो गई थी। वहीं हादसे में गंभीर घायल दानमल (40) को उपचार के लिए कोटा रैफर कर दिया था। जहां उसने शनिवार को कोटा चिकित्सालय में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

मामले से आहत मृतक के परिजन व ग्रामीण शनिवार शाम को बड़ी संख्या में थाने पहुंचे और मारपीट के दौरान मृतक की हत्या किए जाने का संदेह जताते हुए मामले में निष्पक्ष कार्यवाही कर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी किए जाने की मांग की। इस मामले में सीआई राजेश खटाना ने बताया कि मामले में गहन अनुसंधान किया जा रहा है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर शीघ्र ही आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है।

एल्युमिनियम कॉयल से भरे ट्रेलर में आग लगी

ट्रेलर रोककर चालक ने कूदकर जान बचाई

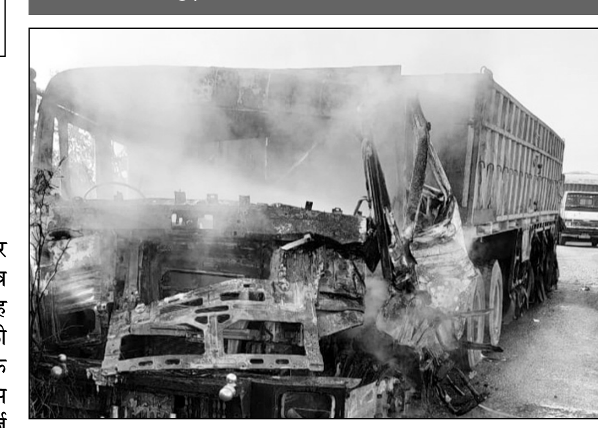

ट्रेलर का केबिन पूरी तरह जल गया।

पावटा, (निसं)। जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित हाईवे किंग होटल के पास शनिवार सुबह एल्यूमिनियम कॉयल से भरे चलते ट्रेलर के केबिन में आग लग गई। चालक ने ट्रेलर से कूदकर अपनी जान बचाई व आग पर काबू पाने की कोशिश की। एक दमकल ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक केबिन जलकर खाक हो गया। बताया जा रहा है कि एल्यूमीनियम कॉइल से भरे ट्रेलर में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। आग की लपटे और धुंआ निकलता देख चालक ने ट्रेलर रोक दिया और नीचे कूदकर अपनी जान बचाई। आग की लपटों ने ट्रेलर के केबिन को अपनी चपेट में ले लिया और केबिन धूं धूं कर जल उठा। सूचना पर भाबरू थाना पुलिस व शाहपुरा से दमकल मौके पर पहुंची। कुछ देर की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। पूरा केबिन जल गया। गनीमत रही कि लपटें पीछे एल्यूमिनियम कॉयल की तरफ नहीं गईं, अन्यथा चपेट में आने से भीषण हादसा हो सकता था।

सतीश पूनियां ने वासूदेव देवनानी की पत्नी को श्रद्धांजलि दी

अजमेर, (निसं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पत्नी स्वर्गीय इन्दिरा देवी के निधन उपरांत शनिवार को उनके निवास पर आयोजित नियमित श्रद्धांजलि बैठक में राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक जगत से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्तियों, संत-

■ **सांसद राजेंद्र गहलोत, विधायक बालमुकुंद आचार्य, डॉ. ऋतु बानावत आदि ने भी शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया**

महात्मा, पत्रकार जगत, सामाजिक संगठनों ने पहुँचकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया।

इस अवसर पर भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां, सांसद राजेंद्र गहलोत, विधायक बालमुकुंद आचार्य, डॉ. ऋतु बानावत, सुभाष मील, गोरधन वर्मा, सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजोर, भाजपा प्रदेश मंत्री आईदान सिंह भाटी, जिला प्रमुख नागौर भागीरथ, जिला अध्यक्ष नागौर सुनीता माहेश्वरी, पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, मान सिंह किनसरिया, डॉ. फूलचंद भिंडा, भगवान महावीर कैंसर अस्पतपाल डायरेक्टर सुभाष चंद्र पारीक ने श्रद्धाजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा में स्थानीय एवं प्रदेश के विभिन्न स्थानों से आए नागरिकों एवं समाजसेवियों ने भाग लेकर दिवंगत आत्मा के प्रति अपनी श्रद्धांजलि व्यक्त की। शनिवार को श्रद्धांजलि देने पहुंचे अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की तथा इस कठिन समय में ईश्वर से परिवार को शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां ने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को ढांढस बंधाया।

फर्जी दस्तावेजों से जमीन हड़पी, एक गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। शाहपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम बिदारा में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जमीन हड़पने का मामला सामने आया है। आरोप है कि विपक्षी ने मृतक गुलाब देवी के फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर जमीन का नामांतरण स्वयं की माता जी के नाम खुलवाकर उक्त जमीन का बेचान कर दिया।

जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक राशि डोगरा डूडी ने बताया कि शाहपुरा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम बिदारा निवासी नाथूराम शर्मा ने तहरीर देकर बताया है कि आरोपी सीताराम शर्मा वगैरा ने आपराधिक षड्यंत्र रचकर उसके दत्तक पिता रामचंद्र की ग्राम बिधारा स्थित बेसकीमती पैतृक जमीन का झूठे तथ्यों व झूठ शपथ पत्र से उसकी दत्तक बहन गुलाब देवी के फर्जी मृत्यु प्रमाण के आधार से जमीन का नामांतरण स्वयं की माता जी के नाम खुलवाकर उक्त जमीन का बेचान श्री लक्ष्मी महिमा कॉलोनाइजर जयपुर के निदेशक रामचंद्र अग्रवाल व अशोक मीणा को कर दिया। वह योजनाबद्ध तरीके से उक्त जमीन की रजिस्ट्री भी कार्यालय उप पंजीयक झोटवाड़ा जयपुर में करवाई गई थी। जिस पर शाहपुरा पुलिस थाना द्वारा मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। प्रकरण में आरोपी की गिरफ्तारी हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा डॉ. तेजपाल सिंह, वृत्ताधिकारी शाहपुरा मुकेश चौधरी के निकटतम सुपरविजन व शाहपुरा थाना अधिकारी हेमराज सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा आसूचना का संकलन व तकनीकी सहायता द्वारा अथक प्रयास करते हुए आरोपी सीताराम शर्मा पुत्र रामप्रताप शर्मा निवासी भोनावास को डिटेन कर अनुसंधान किया गया तो घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। जिस पर आरोपी सीताराम को गिरफ्तार कर न्यायालय से रिमांड प्राप्त किया गया।

संघर्ष चेतना यात्रा बीकानेर पहुंची

बीकानेर, (निसं)। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ की प्रदेश स्तरीय संघर्ष चेतना यात्रा के नेताओं ने बीकानेर में कर्मचारियों से संवाद किया।

महासंघ के जिला अध्यक्ष पृथ्वीराज लेघा ने बताया कि यात्रा का नेतृत्व महासंघ के प्रदेश महामंत्री एवं शिक्षक संघ शेखावत के प्रदेश अध्यक्ष महावीर सियाग कर रहे थे, जिसमें आयुर्वेद नर्सेज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र फोगाट, ग्राम विकास अधिकारी संघ के प्रदेश महामंत्री प्रहलाद जाट, राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील के आनंद विजय गुप्ता, राजस्थान नर्सिंग एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष प्यारेलाल चौधरी, सहायक कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष मान सिंह शेखावत शामिल थे। कर्मचारियों को संबोधित करते हुए प्रदेश महामंत्री महावीर सियाग ने कहा कि राज्य सरकार बोर्ड, निगम, विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को पुरानी पेंशन के स्थान पर एनपीएस लागू करने हेतु 9 अक्टूबर को किए गए आदेश को अविलंब निरस्त करें। कर्मचारी नेता धर्मेंद्र फोगाट तथा प्रहलाद जाट ने संविदा, ठेका भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगाकर नियमित भर्ती करते हुए वेतन विसंगतियां दूर करने की मांग की।

प्यारेलाल चौधरी व मानसिंह शेखावत तथा विजय आनंद गुप्ता ने कर्मचारियों को 10ङ ग्रामीण भत्ता देने ,निजीकरण पर रोक लगाने, आरजीएस की कटौती बंद करने, 7-14 -21 -28- 35 वर्ष की सेवा पर पदोन्नति वेतन देने की मांग रखी। जिला महामंत्री मनोज सुथार ने अपना स्वागत भाषण देते हुए कहा कि प्रत्येक संवर्ग की मांग पर व्यावहारिक एवं सम्मानजनक पद नाम परिवर्तन किए जाएं। सभा अध्यक्ष आनंद पारीक व वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय पुरोहित ने पारदर्शी स्थानांतरण नीति लागू करते हुए नियमित डीसी की मांग रखी।

यातायात पुलिस वाहन को टक्कर मारने वाली गाड़ी मालिक के ठिकाने पर दबिश दी

पुलिस को फ्लैट में 22 फर्जी नम्बर प्लेटें और जिन्दा कारतूस मिले

जोधपुर, (कासं)। तीन दिन पहले जोधपुर-बाड़मेर हाईवे पर खाटावास के पास यातायात पुलिस के इंटरसेप्टर वाहन को टक्कर मारने वाली फॉर्च्यूनर के मालिक की तलाश के दौरान पुलिस ने पार्श्वनाथ सिटी में एक बंगले पर दबिश दी। पुलिस ने वहां से जिन्दा कारतूस, करीब दो दर्जन फर्जी नम्बर प्लेटें और अन्य संदिग्ध सामान जब्त किया, लेकिन पुलिस के दबिश देने की संभावना के चलते इस बंगले में रहने वाले तस्कर पुलिस के हत्थे नहीं चढ़े।

बोरानाड़ा थानाधिकारी शकील अहमद ने बताया कि 6 नवंबर को जोधपुर बाड़मेर रोड़ पर एक फॉर्च्यूनर के चालक को रूकने का इशारा करने पर रूकने की बजाये पुलिस के इंटरसेप्टर वाहन और एक कार को टक्कर मारकर भाग छूटे थे। पुलिस ने पीछा किया तो कार में सवार चालक और उनके साथ भागी छूटे थे। कार में डोडा-पोस्त के अवशेष और करीब 80 हजार की नकदी मिली थी। कार के नम्बर प्लेट के आधार पर पता किया तो कार के नम्बर चूरू के थे। जब मालिक से बात की तो उसने अपनी गाड़ी चुरू में होना वीडियो काल पर बताया।

पुलिस ने इस मामले में जब कडिया जोड़ी और जांच शुरू की तो पता चला कि उक्त गाड़ी पार्श्वनाथ सिटी में आती जाती थी। इस पर थाने में तैनात प्रशिक्षु सब इंस्पेक्टर हेमराजसिंह ने मय जाब्ता पार्श्वनाथ सिटी के फ्लेट नम्बर 8 पर दबिश दी तो वहां पर ताला लगा था। पुलिस ने ताला खुलवा कर तलाशी ली तो वहां से करीब 22 फर्जी नम्बर प्लेटें, चार जिन्दा कारतूस और अन्य संदिग्ध वस्तुएं मिली। पुलिस ने इस फ्लेट में रहने वाले तीन तस्करों पेमाराम उर्फ प्रेमाराम पुत्र इशराराम निवासी उदावड़ा काश्मीर बाड़र, बाड़मेर के झाक के खेजड़डियाली निवासी गोविन्द पुत्र गिरधारीराम और गिड़ा थानान्तर्गत सिसोदिया का पाना निवासी डालूराम पुत्र तगाराम के खिलाफ बीएनएस और आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

बूंदी में निरंकारी सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन

देश के विभिन्न राज्यों सहित ऑस्ट्रेलिया और कनाडा से भी नव युगल सम्मिलित हुए

बूंदी, (निसं)। 78वें निरंकारी संत समागम के समापन उपरांत, समालखा के उन्हीं मैदानों में सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी की उपस्थिति में सादगीपूर्ण निरंकारी सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया।

■ **126 नवयुगलों का विवाह हुआ, बूंदी के श्रद्धालुओं ने भी भाग लिया**

इस अवसर पर नवविवाहित युगलों ने परिणय सूत्र में बंधकर अपने नवजीवन की मंगलमय शुरुआत हेतु सतगुरु से शुभ आशीर्वाद प्राप्त किया। यह समारोह अत्यंत अनुपम और प्रेरणादायी रहा, जहाँ भारतवर्ष के विभिन्न राज्यों राजस्थान,बिहार, चंडीगढ़, दिल्ली, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखंड सहित विदेश जैसे ऑस्ट्रेलिया और कनाडा से 126 नव युगल सम्मिलित हुए।

इस शुभ अवसर पर 126 वर-वधू एक ही स्थल से एकत्व और सरलता का सुंदर संदेश देते हुए परिणय सूत्र में बंधे। इस अवसर पर मिशन के वरिष्ठ अधिकारीगण, वर-वधू के परिजन, श्रद्धालु भक्तगण ने इस दिव्य एवं भावनात्मक दृश्य का भरपूर आनंद प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारम्परिक जयमाला एवं निरंकारी परंपरा के विशेष सांझा-हार से हुआ। तत्पश्चात भक्तिमय वातावरण में निरंकारी लावों का हिंदी भाषा में गायन किया गया, जिनकी प्रत्येक पंक्ति नवविवाहित युगलों के लिए आध्यात्मिक संदेशों एवं गृहस्थ जीवन की कल्याणकारी शिक्षाओं से परिपूर्ण थी। आयोजन के दौरान सतगुरु माता जी एवं निरंकारी राजपिता जी ने नवविवाहित जोड़ों पर पुष्पवृष्टि कर उन्हें सुखमय, आनंदमय एवं समर्पणमय जीवन का आशीर्वाद प्रदान किया।

महेश चांदवानी ने बताया यह आयोजन प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी अपनी सादगी, समरसता और एकत्व के दिव्य संदेश से आलोकित रहा, जो जाति, धर्म, भाषा और प्रांतीय भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता के एक सुंदर, समग्र एवं प्रेरणादायी स्वरूप को अभिव्यक्त करता है। सतगुरु माता जी ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वचन देते हुए कहा कि आज इस पावन अवसर पर सभी जोड़े सुंदर रूप में सजे हुए हैं। विवाहित जीवन की सार्थकता और महत्व पर प्रकाश डालते हुए सतगुरु माता जी ने कहा कि यह समारोह केवल एक दिन का उत्सव नहीं है, बल्कि प्यार, सम्मान और सहयोग से भरे पवित्र मिलन का प्रतीक है। विवाहित जीवन में यह बराबरी और सांझेदारी का संदेश देता है। जिस प्रकार लावों में भी बताया गया, यदि आध्यात्मिक प्रयास में किसी का योगदान कम हो, तो दूसरा उसे प्रोत्साहित करे, जिससे जीवन की यात्रा संतुलन और सामंजस्य के साथ आगे बढ़े।

निरंकारी संत समागम के समापन उपरांत निरंकारी सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन हुआ।

'वरिष्ठजन अनुभव की दृष्टि से किसी भी संस्था के लिए अमूल्य धरोहर हैं'

अजमेर, (कासं)। संभागीय आयुक्त एवं राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के प्रशासक शक्ति सिंह राठौड़ ने कहा है कि भले ही विश्व में मशीनी युग चल रहा हो परन्तु अर्थात् कृत्रिम बुद्धिमत्ता कभी भी मानवीय अनुभवों का स्थान नहीं ले सकती है। इसलिए वरिष्ठजन अनुभव की दृष्टि से किसी भी संस्था के लिए अमूल्य धरोहर है। राठौड़ शनिवार शिक्षा बोर्ड के ऑडिटोरियम में राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पेंशनर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित वार्षिक सम्मान समारोह में 70 और 80 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके सेवानिवृत्ति वरिष्ठ जनों को सम्मानित कर रहे थे।

■ **माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पेंशनर्स एसोसिएशन द्वारा वार्षिक सम्मान समारोह आयोजित**

उन्होंने कहा कि बोर्ड में अपनी सेवा के तीन से चार दशक व्यतीत कर चुके सेवानिवृत्त कार्मिक अपने अनुभवों का डॉक्यूमेंटेशन कर इस संस्था को उपलब्ध करायें ताकि उनके अनुभवों का लाभ नये कार्मिकों को मिल सके। कर्मचारियों की कमी से जूझ रहे बोर्ड को आगामी वर्ष में सरकार से बड़ी संख्या में नये कार्मिक मिलने की संभावना है। उन्होंने कहा कि बोर्ड प्रशासक के रूप में उन्होंने अनुभव किया है कि राजस्थान बोर्ड की परीक्षाएं जिस पारदर्शिता के साथ संचालित होती हैं। उस कारण से ही यह देश का सर्वश्रेष्ठ शिक्षा बोर्ड की श्रेणी में शुमार होता है।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश रवि प्रकाश शर्मा ने कहा कि उन्होंने आज से लगभग 50 वर्ष पूर्व राजस्थान बोर्ड से 10 वीं परीक्षा उत्तीर्ण की थी। उस समय भी राजस्थान बोर्ड की परीक्षाओं की विश्वसनीयता देश में अव्वल थी। प्रदेश के लिए गर्व की बात है कि वही प्रमाणिकता, वही दक्षता आज भी इसी बोर्ड में कायम है। उन्होंने सेवानिवृत्त बोर्ड कर्मियों का आव्हान करते हुए कहा कि वे स्वयं को अपने को ईश्वर का प्रतिनिधि माने और समाज के लिए कुछ सकारात्मक योगदान दें। प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए पेंशनर एसोसिएशन के अध्यक्ष राम बाबू शर्मा ने बताया कि बोर्ड में वर्तमान में 362 नियमित पेंशनर्स और 200 पारिवारिक पेंशनर्स हैं। बोर्ड प्रशासन ने इन सभी को आरसीजीएचएस सुविधा उपलब्ध कराकर बड़ी सौगात दी है। जब उन्होंने बोर्ड प्रशासन से सेवानिवृत कार्मिकों के द्वारा प्रति वर्ष दिए जाने वाले जीवन प्रमाण पत्र को ऑनलाइन करने का आग्रह किया तो समारोह की अध्यक्षता कर रहे बोर्ड प्रशासक ने यह आनलाईन सुविधा और पेंशनर्स रूम के लिए पर्याप्त फर्नीचर एवं अन्य सुविधाएं इसी माह उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। प्रारंभ में समारोह के मुख्य अतिथि और अध्यक्ष का स्वागत एसोसिएशन के अध्यक्ष रामबाबू शर्मा, अनिल रांका, एडगर दास और कमल गर्ग ने किया। अंत में महासचिव अनिल रांका ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह का संचालन सुभाष दत्त शर्मा ने किया। समारोह में कार्यकारिणी सदस्य कमल गर्ग, प्रदीप बंसल, हेमंत वर्मा, एडगर दास, पवन जैन, मुरारी लाल शर्मा, ओंकार मोहनपुरिया, रामस्वरूप विजयवर्गीय आदि उपस्थित रहे।

तिरंगा रैली का आयोजन

बूंदी। राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' की रचना के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'वंदे मातरम150' के अंतर्गत बूंदी जिले में शनिवार को विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों की इस श्रृंखला में शहर में तिरंगा रैली का आयोजन हुआ। रैली में भारत माता की जय, वन्दे मातरम् के जयकारों से पूरा बूंदी शहर गूंज उठा, जैसे-जैसे रैली शहर के बीचों बीच से निकली तो देशभक्ति की भावना से हर शहरवासी सराबोर हो गया। रैली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जिला प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर, जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा एवं पुलिस अधीक्षक सहित वरिष्ठ अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता की। तिरंगा रैली नवल सागर से शुरू होकर चारभुजा मंदिर से होते हुए पुलिस परेड ग्राउंड में जाकर संपन्न हुई। पुलिस परेड ग्राउंड में सामूहिक रूप से वंदे मातरम गीत का वाचन किया गया। क्रमबद्ध रूप से चलती रैली ने अनुशासन, एकता और राष्ट्रभक्ति का सशक्त संदेश दिया। वंदे मातरम् केवल गीत नहीं, बल्कि यह हर नागरिक के हृदय में राष्ट्र के प्रति कर्तव्य बोध का प्रतीक है।

भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर 2.50 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद

बीएसएफ और पुलिस ने पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन तेज किया

- करणपुर इलाके के गांव में एक खेत में पीले रंग के पैकेट में मिली हेरोइन, जी ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची और पीले रंग के पैकेट की जांच की
- सीमावर्ती क्षेत्रों में इस तरह की लगातार हो रही बरामदगी से सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं और सीमाई सुरक्षा को और मजबूत करने के निर्देश जारी किए गए हैं

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां भारत-पाक बॉर्डर पर ड्रोन के जरिए हेरोइन तस्करी का मामला एक बार फिर उजागर हुआ है। श्रीकरणपुर सेक्टर के गांव में खेत से करीब 2.50 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद होने के बाद बीएसएफ और पुलिस ने पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है।

बीएसएफ को सूचना मिली कि गांव के पास खेत में संदिग्ध पैकेट पड़ा है। जी ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची और पीले रंग के पैकेट की जांच की। इसमें आधा किलो हेरोइन मिली, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 2.50 करोड़ रुपए आंकी जा रही है। जानकारी अनुसार करणपुर इलाके के गांव में एक खेत में पीले रंग का पैकेट मिलने की सूचना बीएसएफ को मिली थी, जिस पर बीएसएफ मौके पर पहुंची और पैकेट को अपने कब्जे में लिया। पैकेट की जांच करने पर उसमें आधा किलो हेरोइन बरामद हुई, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग ढाई करोड़ रुपए है।

सूत्रों के अनुसार पाकिस्तानी तस्कर ड्रोन के जरिए जीपीएस लोकेशन सेट करके भारतीय सीमा में हेरोइन के पैकेट गिरा रहे हैं, जिन्हें भारतीय तस्कर उठाने की कोशिश करते हैं। बीएसएफ और पुलिस लगातार ऐसे ड्रोन मूवमेंट पर नजर बनाए हुए हैं।

इसी गांव में कुछ दिन पहले भी आधा किलो हेरोइन का पैकेट बरामद किया गया था, जिससे यह स्पष्ट होता है कि तस्कर लगातार इसी रूट को सक्रिय बनाए हुए हैं। हेरोइन का यह नया पैकेट मिलने के बाद बीएसएफ और पुलिस ने इलाके में संयुक्त रूप से संघन सर्च ऑपरेशन चलाया है। ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे सीमा क्षेत्र में किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस या बीएसएफ को दें। सीमावर्ती क्षेत्रों में इस तरह की लगातार हो रही बरामदगी से सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं और सीमाई सुरक्षा को और मजबूत करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

सैन्य अभ्यास के दौरान सेना की मिसाइल टारगेट से चूकी

टारगेट से मिस हुई मिसाइल जैसलमेर रेंज के पास ही भादरिया गांव के पास गिरी

- मिसाइल गिरते ही तेज धमाका हुआ

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर में सैन्य अभ्यास के दौरान मिसाइल मिस फायर हो गई। टारगेट से मिस हुई मिसाइल जैसलमेर रेंज के पास ही भादरिया गांव के पास गिरी। मिसाइल गिरते ही तेज धमाका हुआ। इससे आसपास के गांवों में दहशत फैल गई। किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है।

घटना शनिवार शाम चार बजे जैसलमेर फील्ड फायरिंग रेंज की है। सूचना पर स्थानीय पुलिस और सेना की टीम मौके पर पहुंची। मिसाइल के पिछले हिस्से के मलबे को पिकअप गाड़ी में लादकर फील्ड फायरिंग रेंज में ले गए। बाकी के टुकड़ों की तलाश की जा रही है।

सैन्य सूत्रों के अनुसार जैसलमेर के लाठी क्षेत्र में फील्ड फायरिंग रेंज में शनिवार को भारतीय वायु सेना का नियमित अभ्यास चल रहा था। इस दौरान दागी गई एक मिसाइल टारगेट से भटक गई। मिसाइल फील्ड फायरिंग रेंज की वायरिंग के पास भादरिया गांव से पांच सौ मीटर दूर गिरी। धमाके की आवाज काफी दूर तक सुनाई दी। भादरिया गांव के लोग घरों से बाहर निकल आए। गांव की आबादी करीब 3 हजार है। सेना के अधिकारियों ने तत्काल सर्च ऑपरेशन चलाया। जवानों ने भादरिया गांव के पास से मिसाइल का पिछला हिस्सा बरामद किया। वे पिकअप गाड़ी में मिसाइल के टुकड़े को लादकर ले गए। जानकारी के अनुसार धमाका इतना तेज था कि आसपास के गांवों में लोग दहशत में आ गए। सेना ने मिसाइल के टुकड़ों को कब्जे में ले लिया है। किसी भी प्रकार की जनहानि या संपत्ति के नुकसान की सूचना नहीं है। मिसाइल के मिसफायर होने के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अगले सत्र से दो बार परीक्षा लेगा : शिक्षा मंत्री मदन दिलावर

- वर्ष में एक बार मुख्य परीक्षा फरवरी-मार्च में तथा उसके परिणाम की घोषणा के बाद इसी सत्र में दूसरी परीक्षा मई-जून में आयोजित की जाएगी
- 'सभी विद्यार्थियों के लिए प्रथम बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित होना अनिवार्य होगा'

कोटा, (निसं)। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री, राजस्थान सरकार मदन दिलावर ने आज यहां घोषणा की कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर अगले सत्र से विद्यार्थियों को सत्र में दो बार बोर्ड परीक्षा का अवसर प्रदान करेगा। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री, राजस्थान सरकार मदन दिलावर शनिवार को यहां अपने विधानसभा क्षेत्र कोटा शहर के गणेश नगर में आयोजित एक सार्वजनिक समारोह को संबोधित कर रहे थे।

शिक्षामंत्री दिलावर ने कहा कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के अनुसार अगले सत्र से दो बार बोर्ड परीक्षा ली जाएगी। सभी विद्यार्थियों के लिए प्रथम बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित होना अनिवार्य होगा। जबकि उत्तीर्ण विद्यार्थियों को समस्त विषयों में से किन्हीं तीन विषयों में द्वितीय अवसर परीक्षा में अपने प्रदर्शन में सुधार करने की अनुमति दी जाएगी। पूरक योग्य घोषित विद्यार्थियों को भी अधिकतम तीन विषयों में द्वितीय अवसर परीक्षा में अपने प्रदर्शन सुधारने की अनुमति दी जाएगी, जिसमें पूरक विषय सम्मिलित रहेंगे। यदि कोई विद्यार्थी प्रथम परीक्षा में अनुत्तीर्ण रहता है तो उसे भी द्वितीय अवसर परीक्षा में अनुत्तीर्ण विषयों के प्रदर्शन में सुधार करने की अनुमति दी जाएगी। यदि विद्यार्थी इस द्वितीय अवसर परीक्षा में किसी विषय में अनुत्तीर्ण रहता है तो ऐसे विद्यार्थियों को आवश्यक पुनरावृत्ति श्रेणी में रखा जाएगा और वे केवल अगले वर्ष फरवरी माह में मुख्य परीक्षा में ही सम्मिलित हो सकेंगे।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि वर्ष में एक बार मुख्य परीक्षा फरवरी-मार्च में आयोजित की जाएगी तथा उसके परिणाम की घोषणा के बाद इसी सत्र में दूसरी परीक्षा मई-जून में आयोजित की जाएगी जिसे 'द्वितीय अवसर परीक्षा' नाम दिया जा सकता है। दोनों परीक्षाएं उस वर्ष के पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित होगी तथा अध्ययन योजना और परीक्षा योजना समान रहेगी। मुख्य परीक्षा में अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थी को सक्षम अधिकारी के चिकित्सा प्रमाण पत्र/संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक मुख्यालय द्वारा जारी प्रमाण पत्र के आधार पर ही द्वितीय अवसर परीक्षा में प्रवेश की अनुमति दी जा सकेगी। द्वितीय अवसर पर परीक्षा शुल्क मुख्य परीक्षा के समान ही रहेगा तथा 'बेस्ट ऑफ टू अटेम्प्ट्स' सिद्धांत लागू रहेगा-अर्थात दोनों परीक्षाओं में प्राप्त श्रेष्ठ अंक अंतिम परिणाम में मान्य होंगे।

ट्रक-बाइक की टक्कर में तीन युवक घायल

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र में मोतली मोड़ पर ब्रिज पर एक ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार तीन युवक गंभीर घायल हो गए। घायलों को डूंगरपुर जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

सदर देवल निवासी बाइक सवार 3 युवक आमझरा गांव गए थे। शुक्रवार देर रात वापस अपने गांव लौट रहे थे। इस दौरान एनएच-48 पर मोतली मोड़ पर ब्रिज पर एक ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार तीनों युवक गंभीर घायल हो गए। सूचना पर 108 एम्बुलेंस कर्मी पायलट कालूराम और ईएमटी मुकेश डामोर मौके पर पहुंचे। जहां 108 एम्बुलेंस की मदद से घायलों को डूंगरपुर जिला अस्पताल लाया और उन्हें भर्ती करवाया गया, जहां तीनों घायलों का इलाज जारी है।

बालराई में चल रहा महापड़ाव वार्ता के बाद समाप्त

- सरकार ने पशु पालकों की तीन मांगें मान ली, हाइवे का रास्ता खोला

पाली, (निसं.)। राष्ट्रीय पशुपालन संघ और डी एन टी घुमंतु, अर्ध घुमंतु और विमुक्त जातियों की ओर से अपनी मांगों को लेकर महापड़ाव धरना शुक्रवार से शुरू हुआ जो शनिवार को भी जारी रहा। वहीं बालराई में चल रहा महापड़ाव शनिवार को 4 घंटे की वार्ता के बाद समाप्त हो गया। सरकार ने पशुपालकों की तीन मांगें मान ली। इसके बाद सात बजे महापड़ाव समाप्त हो गया और हाइवे का रास्ता खोला दिया गया।

शनिवार दोपहर में बालराई के पंचायत समिति में वार्ता हुई थी, लेकिन कोई निर्णय नहीं निकला। जिला कलेक्टर और एसपी भी दिनभर मौके पर मौजूद रहे। पनिहारी से आगे हेमावास बुसी नाडोल की ओर रास्ता डायवर्ट किया गया है। उधर सिरोही की ओर से आने वाले वाहन सांडेराव से रास्ता डायवर्ट किया गया है। पणिहारी चौराहे पर सुरक्षा को लेकर जगह-जगह पुलिस तैनात की गई है। संभागीय आयुक्त प्रतिभा सिंह, आई जी राजेश मीना एवं कलेक्टर एल एन मंत्री ने मीडिया से रूबरू होकर ताजा स्थिति की जानकारी भी दी।

पशु पालक संघ अपनी मांगों को लेकर पाली बालराई पर महापड़ाव डाल दिया था। राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह के नेतृत्व में हजारों लोग सड़क पर उतर आए थे। पुलिस ने कई दौर की वार्ता कर प्रदर्शनकारियों को हाईवे से हटाने के आदेश दिए, नहीं हटने पर शुक्रवार को पुलिस द्वारा आंसू गैस व लाठीचार्ज किया गया था। पत्थरबाजी के दौरान एक जवान घायल हो गया था, जिसे उपचार के लिए पहले के बांगड़ अस्पताल लाया गया था।

राष्ट्रीय अध्यक्ष देवासी का कहना है कि जब तक हमारी मांगें नहीं मानी जाएगी, तब तक धरना जारी रहेगा। विशाल पंडाल में हजारों लोग मौजूद हैं। वही हाईवे पर पुलिस जवान व आर ए सी तैनात की गई है। वहीं शनिवार को एक टैंकर चालक तीन जगह पुलिस की बेरीकैटिंग तोड़कर आगे निकल गया था, जिसे पुलिस ने घेर कर पकड़ लिया। पकड़े जाने पर किसी रिसेदार का बीमारी का बहाना बताने लगा।

9500 लीटर वाश नष्ट कराई

छबड़ा, (निसं)। आबकारी व पुलिस विभाग ने शनिवार को तीन चालू भट्टियां और 9500 लीटर वाश नष्ट की। यहां मौके से लगभग 15.5 लीटर अवैध हथकढ़ शराब बरामद की गई। कार्रवाई के दौरान चार मामले दर्ज किए गए। यह कार्रवाई आबकारी आयुक्त राजस्थान, उदयपुर के शिव प्रसाद नकाते और जिला निर्वाचन अधिकारी के रोहिताश्व सिंह तोमर के आदेशानुसार व कोटा जोन के अतिरिक्त आबकारी आयुक्त नरेश कुमार मालव, उपायुक्त अतुल और जिला आबकारी अधिकारी बारां देवेन्द्र गिरि के निर्देशन में की गई, जिसके तहत तीन चालू भट्टियों सहित 25 अन्य भट्टियों को नष्ट किया गया तथा जमीन में गाड़े गए और ऊपर रखे सिंटेक्स व ड्रमों में भरी लगभग 9,500 लीटर वाश भी मौके पर ही नष्ट की गई।

लूट व अपहरण के तीन आरोपी बापर्दा गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। अभियान सुदर्शन चक्र के तहत सदर थाना पुलिस ने हाईवे पर लूट व अपहरण के तीन लुटेरों को बापर्दा गिरफ्तार किया है।

गत पांच नवंबर को प्रार्थी मुकेश कलासुआ निवासी ग्राम पटेलिया, तहसील बागीदौरा ने रिपोर्ट दी कि वह तीन नवंबर की रात लगभग आठ बजे आंबापुरा स्थित अपनी दुकान मंगल करके अपनी स्कूटी पर ग्राम पटेलिया जा रहा था कि मकोड़िया पुल के आगे एक मोटरसाइकिल पर तीन अज्ञात व्यक्ति पीछा करते हुए आये और जबरदस्ती रोकने लगे एवं टक्कर मारते हुए गाली-गलौच की। एक व्यक्ति चाकू निकालकर मारने लगा। इन लोगों ने जेब में रखे हुए छह हजार रूपये व मोबाइल लूट लिया। वहीं एक व्यक्ति ने स्कूटी छीन ली और दो व्यक्ति उसे मोटरसाइकिल पर बिठाकर पहाड़ी पर ले गये जहां बेरहमी से मारपीट कर घरवालों से पांच हजार रूपये मंगवाने को कहा और धमकी दी कि नहीं तो तुझे मारकर फेंक देंगे। जिस पर प्रार्थी ने अपने जियाजी हितेश को फोन कर पांच हजार रूपये ऑनलाईन मंगवाये जिस पर दो व्यक्तियों ने फोन पे का पासवर्ड लिया और प्रार्थी का मोबाइल गिरवी रखवाकर रूपये लाने की बात की तो ये लोग जबरदस्ती बांसवाड़ा स्थित नया बस स्टेण्ड पर एक कपड़े की दुकान पर लेकर आये जहां प्रार्थी का मोबाइल चार हजार रूपये में गिरवी रखवाकर अभियुक्तों ने ले लिये और धमकी दी कि इस बारे में किसी को बताया तो जान से मार देंगे। पुलिस ने मामला दर्ज कर चालानशुदा अपराधियों से पूछताछ की। पुलिस ने मनोज उर्फ मनिया पुत्र शंकरलाल डामोर, अनिल पुत्र मांगीलाल मईड़ा दोनों निवासी अंकलेश्वर थाना कोतवाली व राहुल पुत्र कालिया सारेल निवासी सेवना थाना कोतवाली को गिरफ्तार कर पूछताछ की तो इन लोगों ने घटना कारित करना स्वीकार किया।

दादी के अंतिम संस्कार से लौटते समय युवक पोखर में गिरा

- पिता भी बेटे को बचाने के लिए पोखर में कूद पड़े, लेकिन युवक का पता नहीं चला

भुसावर/भरतपुर, (निसं)। भुसावर के खेड़ली मोड़ में अपने दादी के अंतिम संस्कार के बाद घर लौट रहे युवक का पैर फिसलकर पोखर में गिर गया। रेस्क्यू टीम देर से पहुंची, जिसके कारण गुस्साए ग्रामीणों ने रोड जाम किया। एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू अभियान शुरू किया, लेकिन डेढ़ घंटे बाद भी युवक का कोई पता नहीं चल पाया।

रेस्क्यू टीम देर से पहुंची, जिसके कारण गुस्साए ग्रामीणों ने रोड जाम कर दिया।

जानकारी के अनुसार भुसावर के खेड़ली मोड़ थाना क्षेत्र में शनिवार को एक युवक के पोखर में गिरने की घटना ने स्थानीय लोगों के बीच हड़कंप मचा दिया। यह युवक अपने पिता के साथ अपनी दादी के अंतिम संस्कार कर घर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में पड़ते पोखर में युवक का पैर फिसल गया और वह पानी में गिर गया। पिता भी अपने बेटे को बचाने के लिए तुरंत पोखर में कूद पड़े, लेकिन युवक का कोई पता नहीं चल सका। घटना की जानकारी ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस और रेस्क्यू टीम को दी, लेकिन करीब एक घंटे तक रेस्क्यू टीम घटना स्थल पर नहीं पहुंची, जिससे गुस्साए ग्रामीणों ने खेड़ली से नगर जाने वाले मुख्य मार्ग पर जाम लगा दिया। पुलिस लगातार ग्रामीणों से समझाइश करती रही और रोड जाम खुलवाया। इस बीच, मौके पर एसडीआरएफ की टीम भी रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी रही। डेढ़ घंटे तक भी युवक राजवीर (25) का कोई पता नहीं चल पाया। स्थानीय ग्रामीण खुशीराम ने बताया कि वह अपने बेटे राजवीर के साथ अपने माता का अंतिम संस्कार कर घर लौट रहे थे। अचानक रास्ते में राजवीर का पैर फिसल गया और वह पोखर में गिर गया। पुलिस और रेस्क्यू टीम की सक्रियता के बाद भी युवक का पता नहीं चल पाने से इलाके में तनाव और चिंता का माहौल बना हुआ है। प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए रेस्क्यू टीम को तुरंत मौके पर भेजा और ग्रामीणों से सहयोग की अपील की है।

लूटपाट करने वाली गैंग पकड़ी

उदयपुर, (कासं)। ऋषभदेव थाना पुलिस ने नेशनल हाईवे पर राहगीरों को रोक धमकाकर लूट की वारदात का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने लूट की छह वारदातें कबूल की।

प्रकरण के अनुसार 4 नवंबर को पीड़ित दर्शन वेद पुत्र भोलाराम वेद निवासी गुड बामनिया थाना सलूम्बर ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि 2 नवंबर को रात में बस से उदयपुर से परसाद आ रहा था। नींद आने से मैं परसाद नहीं उतर कर आम्बाघाटी मोड़ के पास उतर गया। जहां से पैदल पैदल पीपली ब्रीज की ओर आ रहा था। इस दौरान मेरे जीजा गो आम्बाघाटी लेने आने के लिए फोन किया। इसी दौरान बिना नंबर की बाइक पर आए तीन व्यक्ति ने मुझे रोक कर चाकू पर हमला कर सोने की चेन झपट कर ले लिए। नीचे गिरने पर दो मोबाईल व बैग से 18 हजार रूपये नकदी व दस्तावेज लेकर फरार हो गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर ऋषभदेव थानाधिकारी भरतसिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में टीम ने विशाल पुत्र बाबूलाल मीणा, सोहनलाल मीणा पुत्र बाबूलाल एवं निखिल नाथ पुत्र रमेशनाथ जोगी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने साथी अजय पुत्र शंकरलाल मीणा, साहिल पुत्र मेघराज मीणा, सौरभ मीणा के साथ मिल कर लूट की वारदातें कबूल की है।

अलवर में दो मकानों में लगी आग से सामान जला

- आग की चपेट में आने से एक गाय भी झुलस गई

अलवर, (निसं)। अलवर जिले के परवैणी गांव में दो मकानों में अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि दो मकान पूरी तरह जलकर राख हो गए। घरों में रखा सारा सामान, महिलाओं के जेवर, नगदी, अनाज, चारपाई, बिस्तर तक सब कुछ जल गया। आग की चपेट में आने से एक गाय भी झुलस गई।

आग लगने की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने बाल्टियों में पानी भर-भर कर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग इतनी भयंकर थी कि कोई सामान नहीं बचाया जा सका। सूचना पर राजगढ़ से दमकल वाहन मौके पर पहुंचा और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना की जानकारी मिलते ही रैणी पुलिस, पटवारी, पशु चिकित्सक और अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

आग से मकान पूरी तरह जल गया।

ग्रामीणों ने बताया कि दोनों मकान रामकेश मीणा और रमेश मीणा के थे। रमेश ने बताया कि आग दोपहर बाद लगी थी, लेकिन आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है। दोनों परिवारों का सारा सामान जलकर राख हो गया है। रमेश ने बताया- अब हमारे पास पानी पीने के लिए बर्तन तक नहीं बचे हैं।

गांव के लोग अब दोनों परिवारों को ढांढस बंधा रहे हैं। मदद के लिए आगे आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि दोनों मकान कच्चे छप्पर वाले थे, जिनमें आग लगते ही कुछ ही देर में सब कुछ जल गया।

महिला से मारपीट

जोधपुर, (कासं)। महिला से मारपीट करने के मामले में देचू पुलिस ने एक और आरोपी कमरुद्दीन उर्फ कमरदीन को गिरफ्तार किया है। एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। आरोपियों ने ट्यूबवेल खुदवाने के विवाद में महिला पर हमला कर दिया था। थाना प्रभारी शिवराज सिंह ने बताया कि मामला 11 सितंबर को दर्ज किया था।

श्रीगंगानगर में अश्व मेला शुरू, देशभर से 500 घोड़े आए

मेला पांच नवंबर को गुरुनानक जयंती से शुरू हुआ, जो 11 को समाप्त होगा

- मेले में चेतक की नस्ल का घोड़ा 'विराट' भी पहुंचा
- रणदीप सिंह बराड़ की घोड़ी 'नखरो' व घोड़ा 'राजविराट' आकर्षण का केंद्र रहे

श्रीगंगानगर, (निसं)। श्रीगंगानगर में 23वां अश्व मेला शुरू हो चुका है। सूरतगढ़-पदमपुर बाईपास पर महाराणा प्रताप अश्व पालक समिति की ओर से मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों से अश्व पालक अपने नायाब घोड़े-घोडियां लेकर पहुंचे हैं। इनमें नुकरा, मारवाड़ी, चम्बी और सिंधी नस्लों के घोड़े मेले की शान बने हुए हैं। अब तक मेले में 500 से ज्यादा घोड़े पहुंच चुके हैं। वहीं पहले दिन से ही रणदीप सिंह बराड़ की घोड़ी 'नखरो' और घोड़ा 'राजविराट' आकर्षण का केंद्र रहे।

मेले के मुख्य संरक्षक हरजीत सिंह बराड़ ने बताया कि पंजाब, हरियाणा, हिमाचल और उत्तरप्रदेश से पहुंचे बाहुबली, जोरा, दरया, मुराद और श्री अमृतसर साहिब से आए 'बिलावल' जैसे नामी घोड़े अपने शाही ठाठ से दर्शकों का दिल जीत रहे हैं। इकबाल सिंह मंडाला का घोड़ा 'करतार' भी डिस्प्ले में शामिल है। 30 बीघा भूमि पर फैले इस विशाल मेले में 150 से ज्यादा टेंट लगाए गए हैं। टेंटों को बारिश और ठंड से बचाव के लिए खासतौर पर तैयार किया गया है। हर घोड़े के सामने ओपन एरिया बनाया गया, जिससे विजिटर्स उनकी चाल, नृत्य और स्वभाव को करीब से निहार सके। अश्व पालकों और सहायकों के ठहरने की भी पुख्ता व्यवस्था है।

समिति अध्यक्ष व श्रीगंगानगर विधायक जयदीप बिहाणी ने कहा कि मारवाड़ी नस्ल भारतीय गौरव की पहचान है। मेले में महाराणा प्रताप के चेतक की नस्ल का 'विराट' घोड़ा भी पहुंचा। महाराणा प्रताप का 'चेतक' भी इसी नस्ल का था, जो शौर्य, वफादारी और बुद्धिमत्ता की मिसाल है। बिहाणी ने बताया कि आने वाले दिनों में और प्रसिद्ध नस्लों के घोड़े मेले में पहुंचेंगे। रणदीप सिंह बराड़ ने कहा कि इस बार नुकरा नस्ल की डिमांड जबरदस्त है। पुष्कर, मुक्तसर और श्रीगंगानगर के अश्व मेले देश में खास पहचान रखते हैं और श्रीगंगानगर का मेला अब राष्ट्रीय स्तर पर अश्व प्रेमियों का फेवरेट बन चुका है। मेले में घोड़ों की बिक्री के अलावा विभिन्न नस्लों के मुर्गे, बकरियां, चिड़ियां और पक्षियों की खरीद-फरोख्त हो रही है। मेले में घोड़ों की सजावट के सामान, घुंघरू, रंगीन रस्सियां, माला, तिरपाल, सीटें और नालों की स्टॉलों पर खूब बिक्री हो रही है। मेला पांच नवंबर को गुरुनानक जयंती से शुरू हुआ, जो 11 नवंबर को समाप्त होगा। आखिरी दिन अश्व चाल, नृत्य, नस्ल, रंग-रूप और घुड़दौड़ प्रतियोगिताएं होंगी। विजेताओं को नगद पुरस्कार और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर सरपंच बूटा सिंह, सूबा सिंह, रवि बराड़, अमन धुंबाल और गुरविंदर बुट्टर सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

फायरिंग में घायल हुये युवक की मौत

हमले में युवक गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया था

- कार की सर्विस कराने गये युवक पर बदमाशों ने फायरिंग कर कुल्हाड़ी से हमला किया था
- हमलावरों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस टीम लगी है, जल्द ही हमलावरों को गिरफ्तार किया जायेगा

कोटा, (निसं)। उद्योग नगर थाना इलाके में कार की सर्विस करवाने गये युवक पर बदमाशों ने फायरिंग कर कुल्हाड़ी से ताबातोड़ हमला कर दिया। हमले में घायल युवक की शनिवार को अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना मंगलवार चार नवम्बर की बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार 4 नवम्बर को उद्योग नगर क्षेत्र के न्यू मोटर मार्केट में किशोरपुरा निवासी आसिफ कालिया कार की सर्विस करवाने के लिये गया था, जो दिन में कार को छोड़कर आ गया और रात्रि को जब आसिफ अपनी कार लेने के लिये पहुंचा तो न्यू मोटर मार्केट में कुछ बदमाशों ने अचानक से आसिफ पर फायरिंग कर दी और कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हमले की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया, जहां युवक की अस्पताल में उपचार के दौरान शनिवार को मौत हो गई।

उद्योग नगर थानाधिकारी जितेन्द्र सिंह ने बताया कि हमले के पीछे आपसी पुरानी रंजिश का मामला सामने आ रहा है। हमले में घायल किशोरपुरा निवासी आसिफ की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में ईसाफ, रेहान व उनके अन्य साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। हमलावरों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस टीम लगी हुई है, जल्द ही हमलावरों को गिरफ्तार किया जायेगा।

दो लाख रुपये की शराब जब्त, अहमदाबाद का तस्कर गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। जिले की बिछीवाड़ा थाना पुलिस ने ऑपरेशन स्वच्छता के तहत रतनपुर बॉर्डर पर एक लग्जरी कार से 23 कार्टन राजस्थान निर्मित शराब जब्त की है। पुलिस ने इस मामले में एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया है। जब्त की गई शराब की अनुमानित कीमत करीब 2 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस गिरफ्तार तस्कर से आगे की पूछताछ कर रही है।

बिछीवाडा थाने के थानाधिकारी ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस द्वारा ऑपरेशन स्वच्छता चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत राजस्थान-गुजरात के रतनपुर बॉर्डर से शराब तस्करी की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस ने रतनपुर बॉर्डर पर नाकेबंदी की। इस दौरान एक लग्जरी कार को रोककर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कार में राजस्थान निर्मित शराब के कार्टन भरे हुए पाए गए। पुलिस ने कार को जब्त करते हुए उसमें से शराब के 23 कार्टन बरामद किए। पुलिस ने अहमदाबाद निवासी तस्कर शोहेब खान को आबकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस गिरफ्तार तस्कर से आगे की पूछताछ कर रही है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय
भारत सरकार

सत्यमेव जयते

नये क्षितिज की ओर बढ़ता उत्तराखंड प्रगति पथ पर...

श्री नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

नैनी सैनी हवाई अड्डे, पिथौरागढ़ के अधिग्रहण के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और उत्तराखंड सरकार के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर के साक्षी बनेंगे

फायदे

- पिथौरागढ़ स्थित नैनी सैनी हवाई अड्डे के अधिग्रहण से मौजूदा हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे में सुधार होगा और परिचालन मानकों को सुव्यवस्थित किया जा सकेगा।
- उत्तराखंड की स्थानीय कला और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देते हुए व्यापार, यात्रा और तीर्थ पर्यटन क्षेत्रों को बढ़ावा देना।
- शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और आतित्य जैसे प्रमुख क्षेत्रों को मजबूत करना, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा हों और उत्तराखंड के समग्र विकास के लिए आर्थिक विकास को बढ़ावा मिले।

शालीनता फीचर्स ऑफ पिथौरागढ़ एयरपोर्ट

- नैनी सैनी हवाई अड्डे का कुल भूमि क्षेत्रफल 70 एकड़ (लगभग) है तथा टर्मिनल भवन का निर्मित क्षेत्रफल व्यस्त समय के दौरान 40 यात्रियों को सेवा प्रदान करने में सक्षम है।
- क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने के लिए एक समय में 2 विमानों (कोड–2बी) को समायोजित करने के लिए एप्रन सुसज्जित
- इस विकास से सुगम्य और टिकाऊ विमानन अवसरंचना के निर्माण के राष्ट्र के दृष्टिकोण को समर्थन मिलने तथा इस रणनीतिक हिमालयी क्षेत्र में आपदा–प्रतिक्रिया क्षमताओं को और अधिक लाभ मिलने की उम्मीद है।

की गरिमामय उपस्थिति में

लेफ्टिनेंट जनरल गुरमित सिंह
पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, वीएसएम (सेवानिवृत्त)
राज्यपाल, उत्तराखंड

श्री पुष्कर सिंह धामी
चीफ मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

श्री किंजरापु राममोहन नायडू
केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री

श्री मुरलीधर मोहोल
केंद्रीय नागरिक उड्डयन और सहकारिता
राज्य मंत्री

श्री अजय भट्ट
संसद सदस्य
(लोक सभा)

श्रीमती कल्पना सैनी
संसद सदस्य
(राज्य सभा)

श्री महेंद्र भट्ट
संसद सदस्य
(राज्य सभा)

श्री नरेश बंसल
संसद सदस्य
(राज्य सभा)

श्री शिव अरोड़ा
विधानसभा सदस्य

रविवार, 09 नवंबर, 2025 1230 बजे देहरादून, उत्तराखंड

CBC 03111/15/0012/2526

कार्यक्रम को डीडी न्यूज पर लाइव देखें

रणजी ट्रॉफी 2025-26 के शुरुआती तीन मैचों में 15 विकेट झटकने के बावजूद शमी को दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है।

– मोहम्मद बदरुद्दीन

मो. शमी के कोच, भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज 2-1 से जीतने का श्रेय अपने खिलाड़ियों को दिया है। सूर्यकुमार ने शनिवार को पांचवां टी20 बारिश के कारण रद्द होने के बाद कहा, जिस तरह से सभी ने योगदान दिया और जिस तरह से हमने 0-1 से पिछड़ने के बाद वापसी की, उसका श्रेय सभी खिलाड़ियों को जाता है। बल्ले, गेंद और मैदान में भी यह एक अच्छी सीरीज थी। तेज गेंदबाज और स्पिनर, दोनों ही अपना काम बखूबी जानते हैं। उन्होंने कहा, बुमराह-अर्शदीप एक घातक जोड़ी है। और फिर अक्षर, वरुण आ रहे हैं और वो कर रहे हैं।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय क्रिकेट टीम ने कई रिकॉर्ड बनाए हैं, जिनमें दो एकदिवसीय विश्व कप (1983 और 2011) और दो टी-20 विश्व कप (2007 और 2024) जीतना शामिल है।

भारत ने 2 -1 से जीती सीरीज, अभिषेक शर्मा बने 'प्लेयर ऑफ द सीरीज'

ब्रिसबेन, 8 नवंबर। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांचवां और अंतिम टी-20 मुकाबला शनिवार को भारी बारिश के कारण रद्द कर दिया गया, जिससे भारत ने सीरीज को 2-1 से अपने नाम किया। सीरीज में 163 रन बनाने वाले अभिषेक शर्मा को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' के खिताब से नवाजा गया।

मैच रद्द किये जाने के समय तक भारत ने 4.5 ओवर में बिना कोई विकेट खोए 52 रन बनाये थे। अभिषेक शर्मा (23) और शुभमन गिल (29) रन पर नाबाद थे। बारिश और बिजली के खलल के कारण मैच को अंततः रद्द करना पड़ा। खराब मौसम के कारण मैच शुरू होने के 21 मिनट बाद ही खेल रोक दिया गया था।

भारत ने इस तरह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज में अपना अपराजेय रिकार्ड बरकरार रखा। ऑस्ट्रेलिया 2022 से लगातार चौथी टी-20 सीरीज हारा है। जिनमें से तीन भारत और एक इंग्लैंड के खिलाफ है।

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। भारत ने तेजतर्रार शुरुआत की और 4.5 ओवर में 52 ठोक डाले। अभिषेक ने 13 गेंदों पर नाबाद 23 रन एक चौका और एक छक्का लगाया जबकि गिल ने 16 गेंदों पर नाबाद 29 रन में छह चौके लगाये। गिल ने बेन ड्वारशिवस के पारी के तीसरे ओवर में चार चौके मारे। अभिषेक ने हमेशा की तरह आक्रामक शुरुआत की, इस दौरान किस्मत भी उनके साथ थी, पहले ओवर में ग्लेन मैक्सवेल ने मिड-ऑफ पर उनका एक आसान कैच छोड़ दिया और चौथे ओवर में बेन ड्वारशुइस ने एक टॉप एज छोड़ दिया। बेहतरीन फॉर्म में न होने के बावजूद, उन्होंने नेथन एलिस की गेंद पर एक छक्का मारा और अपनी पारी के दौरान पूर्णकालिक सदस्य देशों में वह अंतरराष्ट्रीय टी-20 में सबसे तेज एक हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए, उन्होंने यह कारनामा सिर्फ 528 गेंदों में किया।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए मैं बहुत उत्साहित था : अभिषेक शर्मा

ब्रिस्बेन, 8 नवम्बर। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में अपनी शानदार बल्लेबाजी से प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे अभिषेक शर्मा ने कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए बहुत उत्साहित थे। अभिषेक ने पांचवां टी20 बारिश से रद्द होने और सीरीज 2-1 से जीतने के बाद कहा, मैं इस टूर्नामेंट का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा था। जब मुझे पता चला कि हम टी20 खेलने ऑस्ट्रेलिया जा रहे हैं, तो मैं बहुत उत्साहित था। मैंने अपने पूरे करियर में देखा है कि ऑस्ट्रेलिया बल्लेबाज़ों के लिए काफ़ी अनुकूल है। उन्होंने कहा,मुझे लगता है कि हम बीच में बेहतर स्कोर बना सकते थे। जिस तरह से वह (हेजलवुड) गेंदबाज़ी कर रहे थे, वह किसी भी टीम के लिए फ़ायदेमंद था। मैंने पहले भी कहा है कि मुझे बल्लेबाज़ों और गेंदबाज़ों के बीच की जंग हमेशा पसंद आती है। वह एक विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं। अगर आपको अच्छा क्रिकेट खेलना है और भविष्य में अच्छा प्रदर्शन करना है, तो आपको विश्वस्तरीय गेंदबाज़ों का सामना करना होगा। मैं सिर्फ़ इसी तरह के गेंदबाज़ों के लिए अभ्यास कर रहा था क्योंकि इसी तरह आप अपनी टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

सबालेंका और रयबाकिना खिताबी मुकाबले में भिड़ेंगी

रियाद, 8 नवंबर। शीर्ष वरीयता प्राप्त बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने शुक्रवार को अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा को तीन सेटों में हराकर 2025 डब्ल्यूटीए फाइनल्स के फ़ाइनल में जगह बना ली जहां उनका मुकाबला कज़ाकिस्तान की एलेना रयबाकिना से होगा। सबालेंका और अनिसिमोवा इससे पहले 10 बार आमने-सामने हुई थीं, जिसमें अनिसिमोवा ने 6-4 से बढ़त बनाई थी। उनका सबसे हालिया मुकाबला इस साल के यूएस ओपन फाइनल में हुआ था, जहां सबालेंका ने सीधे सेटों में जीत हासिल की थी। मैच की शुरुआत तनावपूर्ण रही, दोनों खिलाड़ियों ने अपने शुरुआती सर्विस गेम जीतने से पहले कई बार ड्यूस का सामना किया। सबालेंका ने पांचवें गेम में पहला ब्रेक हासिल किया। 5-3 से पिछड़ने के बाद, अनिसिमोवा ने दो डबल फ़ॉल्ट किए, जिससे सबालेंका ने फिर से सर्विस ब्रेक की और पहला सेट 6-3 से जीत लिया। दूसरे सेट में, अनिसिमोवा ने तेज़ी से वापसी की और सबालेंका की सर्विस दो बार तोड़कर 4-0 की बढ़त बना ली। हालांकि बेलारूसी खिलाड़ी ने सेट के लिए सर्विस करते समय वापसी की, लेकिन अनिसिमोवा ने तुरंत एक और ब्रेक लगाकर दूसरा सेट 6-3 से जीत लिया। निर्णायक सेट में, दोनों खिलाड़ियों ने पहले छह गेम तक सर्विस बरकरार रखी।

केबी रॉयल्स क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 8 नवम्बर। अंडर-13 पिंकसिटी कप में केबी रॉयल्सक्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 279 रन 7 विकेट के नुकसान पर बनाएं। वंश ने 129 नाबाद और हिमांशु ने 61 रनों का योगदान दिया! आइडियल मल्टी स्पोर्ट्स क्लब की ओर से अथर्व गुप्ता और रेयांश पांडे ने दो -दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आइडल मल्टी स्पोर्ट्स क्लब 22 ओवर में 108 रन पर ऑल आउट हो गई। दर्शील गोयल ने सर्वाधिक 53 नाबाद रनों का योगदान दिया। केबी रॉयल्सक्रिकेट अकादमी की ओर से मयंक ने तीन, विक्की जाट और हिमांशु ने दो-दो विकेट लिए।

ईसीबी द्वारा काउंटी चैम्पियनशिप में कूकाबुरा गेंद का प्रयोग समाप्त

लंदन, 8 नवम्बर। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने काउंटी निदेशकों और पेशेवर खेल समिति से मिली प्रतिक्रिया के बाद, 2026 सीजन से काउंटी चैंपियनशिप में कूकाबुरा गेंदों के इस्तेमाल को समाप्त करने का फैसला किया है। काउंटी क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुकूल कौशल विकसित करने में मदद करने के लिए तीन साल पहले शुरू किया गया यह परीक्षण, अधिकांश मैचों में बिना किसी घटना के होने के कारण असफल माना गया है। इस सीजन में सरे और डरहम के बीच ओवल में खेला गया मैच, जहां मेजबान टीम ने 9 विकेट पर 820 रन बनाकर पारी घोषित की, इसका एक उदाहरण है। कूकाबुरा गेंद का इस्तेमाल पहली बार 2023 सीजन में दो राउंड के मैचों के लिए किया गया था, जिसे 2024 और 2025 में चार-चार राउंड तक बढ़ा दिया गया। हालांकि, अक्टूबर में हुई चर्चा के दौरान सभी 18 प्रथम श्रेणी काउंटियों के क्रिकेट निदेशकों द्वारा इस प्रयोग को बंद करने की इच्छा व्यक्त करने के बाद, ईसीबी की पेशेवर खेल समिति ने इस सप्ताह की शुरुआत में औपचारिक रूप से इस निर्णय की पुष्टि कर दी। परिणामस्वरूप, 2026 काउंटी चैंपियनशिप के सभी 14 राउंड एक बार फिर मशीन से बनी कूकाबुरा के बजाय पारंपरिक हाथ से सिली हुई ड्यूक्स गेंद से ही खेले जायेंगे।

टोक्यो में डेफलिंपिक खेलों के लिए भारत ने रिकॉर्ड 111 सदस्यीय दल की घोषणा की

नई दिल्ली, 8 नवंबर। भारत ने 15 नवंबर से 26 दिसंबर तक जापान के टोक्यो में होने वाले आगामी डेफलिंपिक खेलों के लिए 111 सदस्यीय दल की घोषणा की है। इस दल में 73 एथलीट और 38 कोच शामिल हैं। यह डेफलिंपिक खेलों में अब तक का सबसे बड़ा भारतीय दल है। केंद्रीय खेल मंत्रालय ने सरकार की लागत के आधार पर इस दल को मंजूरी दी है।

जुरेल का नाबाद शतक, भारत-ए ने दिया 417 रनों का लक्ष्य

बेंगलुरु, 8 नवंबर। ध्रुव जुरेल (नाबाद 127) की शतकीय, हर्ष दुबे (84) और कप्तान ऋषभ पंत (65) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर भारत ए ने शनिवार को दूसरे अनौपचारिक टेस्ट मैच के तीसरे दिन सात विकेट पर 382 के स्कोर पर पारी घोषित कर पहली पारी में मिली बढ़त के आधार पर दक्षिण अफ्रीका ए को जीत के लिए 417 रनों का लक्ष्य दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए दिन का खेल समाप्त होने के समय दक्षिण अफ्रीका ए टीम ने बिना कोई विकेट खोए 25 रन बना लिये और उसे मैच जीतने के लिए अभी 392 रनों की जरूरत है।

भारत ए ने कल के तीन विकेट पर 78 रन से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में भारत का चौथा विकेट के एल राहुल (27) के रूप में गिरा। उन्हें ओकुह्ले सेले ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान ऋषभ पंत को तीन बार चोटिल होने के बार 34वें ओवर में रिटायर हर्ट होना पड़ा। ऐसे संकट के समय ध्रुव जुरेल और हर्ष दुबे की जोड़ी ने पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। स्कोर को 300 के पार ले गये।

इसी दौरान शेपो मोरेकी ने हर्ष दुबे (84) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद एक बार फिर ऋषभ पंत बल्लेबाजी करने लौटे। उनके और ध्रुव जुरेल के बीच 82 रनों की साझेदारी हुई, इस दौरान ध्रुव जुरेल ने अपना शतक तथा ऋषभ पंत ने अपना अर्धशतक पूरा किया। ऋषभ पंत 54 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के की मदद से 65 रन बनाकर आउट हुये। उन्हें काइल सिमंड्स ने आउट किया। इसी के साथ भारत ए ने 89.2 ओवर में सात विकेट पर 382 के स्कोर पर पारी घोषित कर दक्षिण अफ्रीका ए को जीत के लिए 417 रनों का लक्ष्य दिया।

दक्षिण अफ्रीका ए के लिए ओकुह्ले सेले ने तीन विकेट लिये। शेपो मोरेकी, टियान वैन वुरेन, प्रीनेलान सुब्रायेन और काइल सिमंड्स ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। दूसरी पारी में दक्षिण अफ्रीका ने स्टंप के समय 11 ओवर में बिना कोई विकेट खोए 25 रन बना लिये और उसे मैच जीतने के लिए 392 रनों की दरकार है। जॉर्डन हरमन (नाबाद 15) और लेसेगो सेनोक्वाने (नाबाद नौ) क्रीज पर मौजूद थे।

पाक क्रिकेट को बड़ा झटका, 2028 ओलंपिक से बाहर हो सकती है टीम, आईसीसी ने बदला नियम

नई दिल्ली, 8 नवंबर। आयोजकों द्वारा लागू किए गए नए योग्यता नियम के कारण पाकिस्तान क्रिकेट टीम 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाएगी। खबरों के अनुसार, इस नियम के तहत प्रत्येक महाद्वीप से केवल एक टीम को ओलंपिक में भाग लेने की अनुमति है, जिससे पाकिस्तान का प्रवेश अवरुद्ध हो सकता है क्योंकि भारत टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में शीर्ष एशियाई टीम बना हुआ है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने दुबई में अपनी हालिया बोर्ड बैठक के दौरान पुष्टि की कि छह पुरुष और छह महिला टीमें लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक में भाग लेंगी। आईसीसी की वैश्विक 20 रैंकिंग के बजाय, क्वालीफिकेशन प्रक्रिया क्षेत्रीय प्रदर्शन पर आधारित होगी।

एशिया कप ट्रॉफी विवाद सुलझने के करीब

दुबई, 8 नवम्बर। एशिया कप ट्रॉफी विवाद सुलझने के करीब है, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अधिकारियों ने आखिरकार बर्फ पिघला दी है। आईसीसी के कुछ अधिकारियों की मध्यस्थता से हुए समझौते के बाद, दोनों बोर्ड – जो लंबे समय से एशिया कप ट्रॉफी विवाद को लेकर असहमत थे – सौहार्दपूर्ण ढंग से बातचीत करने और गतिरोध समाप्त करने के करीब पहुंच गए हैं।

क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, देवजीत सैकिया ने एशिया कप ट्रॉफी का मुद्दा उठाया, जिसे विजेता भारतीय टीम को नहीं दिया गया था। बीसीसीआई सचिव सैकिया और पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी के बीच बैठक कराने से पहले आईसीसी ने इस मामले पर औपचारिक और अनौपचारिक दोनों तरह से चर्चा की।

सैकिया ने क्रिकबज को बताया, ''मैं आईसीसी की अनौपचारिक और औपचारिक दोनों बैठकों में शामिल था, जिनमें पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी भी शामिल हुए थे। हालांकि यह मामला औपचारिक एजेंडे में शामिल नहीं था, फिर भी आईसीसी ने एक वरिष्ठ आईसीसी पदाधिकारी और एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी की मौजूदगी में पीसीबी प्रमुख और मेरे बीच एक अलग बैठक कराई।''

बीसीसीआई सचिव ने आगे कहा, ''यह बातचीत की प्रक्रिया को फिर से शुरू करने की दिशा में एक रचनात्मक कदम था। आईसीसी बोर्ड की बैठक के दौरान दोनों पक्षों के बीच सौहार्दपूर्ण और सकारात्मक बातचीत हुई।''

अब ऐसा लग रहा है कि दोनों पक्ष इस मुद्दे को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लेंगे। पता चला है कि आईसीसी के उपाध्यक्ष इमरान ख्वाजा और सीईओ संजोग गुप्ता ने दोनों बोर्डों के बीच सौहार्दपूर्ण माहौल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे वे बातचीत कर सकें।

सैकिया और नकवी के बीच हुई बैठक को एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है और अब ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि एशिया कप ट्रॉफी, जो एसीसी प्रमुख नक़वी के स्पष्ट आदेश के तहत दुबई स्थित एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) कार्यालय में बंद है, जल्द ही भारतीय टीम को सौंप दी जाएगी।

भारत ने 28 सितंबर को दुबई अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में हुए फाइनल में पाकिस्तान को पूरी ईमानदारी से हराया था, लेकिन उन्हें ट्रॉफी नहीं दी गई क्योंकि उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमलों के पीड़ितों और पाकिस्तान पर सशस्त्र हमले, ऑपरेशन सिंदूर, शुरू करने वाले भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति एकजुटता व्यक्त करते हुए, नकवी से इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया था।

पंत द. अफ्रीका-ए के खिलाफ चोट लगने के बाद हुए रिटायर हर्ट

बेंगलुरू, 8 नवंबर। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को दक्षिण अफ्रीका ए दूसरे अनाधिकृत टेस्ट के तीसरे दिन शनिवार को चोट लगने के बाद रिटायर हर्ट होकर वापस लौटना पड़ा। आज यहां बेंगलुरू के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले जा रहे मैच के तीसरे दिन के पहले सत्र में पंत को तेज गेंदबाज शेपो मोरेकी की गेंदों पर तीन बार चोट लगी। यह चोट उनके शरीर और हेलमेट पर लगी, जिसके बाद उन्हें 34वें ओवर में रिटायर हर्ट होना पड़ा। पंत तीसरे ओवर में नंबर पांच पर बल्लेबाजी के लिए आए थे, जब ओवरनाइट बल्लेबाज केएल राहुल को ओकुह्ले सेले ने 27 रन पर बोल्ड कर दिया। पंत ने शुरुआत में तेजी से रन बनाए और उनके पहले तीन शॉट्स 4, 4 और 6 रन थे। लेकिन शॉर्ट गेंदों पर उनके शरीर पर लगे प्रहारों से उन्हें दर्द महसूस होने लगा। पंत आगे बल्लेबाजी जारी रखना चाहते थे, लेकिन भारत ए के कोच हृषिकेश कानितकर और फिजियो ने एहतियातन उन्हें रिटायर हर्ट होने को कहा। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में होने वाले पहले टेस्ट में भारतीय टीम का हिस्सा हैं। इसे देखते हुए उन्हें एहतियातन मैदान से वापस बुलाया गया है।

हैदराबाद-राजस्थान रणजी मैच में हैदराबाद के 295/7

जयपुर, 8 नवम्बर। हैदराबाद पहली पारी 295 /7, पहले दिन का खेल समाप्त होने तक हैदराबाद ने अपनी पहली पारी में 7 विकेट के नुकसान पर 295 रन बना लिए थे। टीम के लिए राहुल रदेश नाबाद 85, राहुल सिंह 55, रोहित 47 व हिमातेजा 39 रन। राजस्थान के गेंदबाज अशोक शर्मा 61/2, अनिकेत चौधरी 35/2 व सचिन यादव, राहुल चाहर, आकाश सिंह प्रत्येक 1-1 विकेट प्राप्त किये।

बीसीसीआई की आगामी अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए द्वारा आयोजित की जा रहे राज्य स्तरीय अंडर 19 डेज चैलेंजर ट्रॉफी के दूसरे दिन मनन सिंह शेखावत , आदित्य सैनी के शतक, अभय शर्मा, शिवांगसिंह , हर्ष दगडी , जयवर्धन सिंह गेहलोत, यथार्थ भारद्वाज , लीलाधर मीणा के अर्धशतक । प्रखर शर्मा , अभिषेक मूंड, नावेदखान , भव्य राज के शानदार गेंदबाजी।

मैचों का परिणाम व स्कोर :- पहला मैच : टीम – टीम एच (टीम को पहली पारी में बढ़त), टीम पारी 306 आल आउट। टीम के लिए रोबिन 71, अनस 57, दीपेश 31 व अभिषेक 41 रन। टीम एच के गेंदबाज कुलदीप 57/3, गुलाब, दिव्यांश व नयन प्रत्येक 2-2 विकेट। टीम एच पारी190 आल आउट। टीम के लिए लीलाधर मीणा 65 व कृष्ण 34 रन। टीम के गेंदबाज अभिषेक मूंड 13/4 व भव्य राज 27/3 विकेट।

दूसरा मैच टीम जी – टीम एफ (टीम जीको पहली पारी में बढ़त)। टीम जी पारी 390/6 घोषित। टीम के लिए रजत बघेल 137, आनंद 77, मिलिंद नाबाद 74 व जितेंद्र 39 रन। टीम एफ के गेंदबाज चिराग सुखवाल 61/2, पियूष 58/2 विकेट। टीम एफ पारी116 आल आउट। टीम के लिए चिराग सुखवाल 28 रन टीम जी के गेंदबाज नावेद खान 14/3, भारत साल्वी 5/2, आर्यमन शर्मा 13 /2 व अविनाश 29/2 विकेट।

तीसरा मैच टीम ऐ – टीम डी (टीम डी को पहली पारी में बढ़त)। टीम ऐ पारी 300/6 घोषित। टीम के लिए मनय कटारिया 141 , प्रयास 61 व सचिन नाबाद 26 रन। टीम डी के गेंदबाज एकांश शर्मा 66 / 2 व अमन प्रजापत 49 / 2 विकेट। टीम डी पारी 425/6, टीम के लिए आदित्य सैनी 164, जयवर्धन गहलोत 80 , यथार्थ भारद्वाज 72, साहिब 42 व ओमांश शर्मा 35 रन। टीम ऐ के गेंदबाज आर्यन चौधरी 54/2 विकेट।

चौथा मैच टीम बी – टीम सी (टीम सी को पहली पारी में बढ़त)। टीम बी पारी 380/6 घोषित। टीम के लिए कविश गुणावत 151 (रिटायर्ड), ओसनिक ग्रोवर (रिटायर्ड) रन। टीम सी के गेंदबाज पर्व 60/2 विकेट। टीम सी पारी 427/9

टीम के लिए मनन सिंह शेखावत 151, अभय शर्मा 61, शिवांग सिंह 67, हर्ष दगडी 51 रन। टीम बी के गेंदबाज प्रखर शर्मा 75/3, दिव्यांशु 65/2, दुष्यंत 71/2 विकेट।

भारतीय बॉल बैडमिंटन टीम के चयन हेतु चयन स्पर्धा दिल्ली में सम्पन्न

जयपुर, 8 नवम्बर। राजस्थान राज्य बॉल बैडमिंटन संघ के महासचिव शौकत अली मंसूरी के अनुसार भारतीय बॉल बैडमिंटन महासंघ एवं दिल्ली बॉल बैडमिंटन संघ के संयुक्त तत्वाधान में भारतीय बॉल बैडमिंटन टीम (पुरूष व महिला) के चयन के लिए दो दिवसीय चयन प्रतियोगिता (ट्रायल) स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स विकासपुरी,दिल्ली में संपन्न हुआ। जिसमें देशभर के विभिन्न राज्यों से लगभग 200 पुरुष व महिला बॉल बैडमिंटन खिलाड़ियों ने भाग लिया। चयन स्पर्धा के प्रदर्शन के आधार पर चयनित पुरुष व महिला बॉल बैडमिंटन खिलाड़ी भारतीय बॉल बैडमिंटन टीम का प्रतिनिधित्व भारत,नेपाल,मलेशिया, श्रीलंका में आयोजित होने वाली विभिन्न अंतरराष्ट्रीय बॉल बैडमिंटन टेस्ट सीरीज में करेंगे। चयन प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों ने आज भारत सरकार के विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के दिल्ली स्थित आवास पर मिलकर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया।

मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने सभी बॉल बैडमिंटन खिलाड़ियों को आने वाले अंतरराष्ट्रीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता में भारतीय टीम की ओर से सहभागिता के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दीं। चयन प्रतियोगिता के अवसर पर भारतीय बॉल बैडमिंटन महासंघ के महासचिव वाई.राजा राव, संरक्षक जेपी व्यास, संयुक्त सचिव शौकत अली मंसूरी एवं गौरी शंकर, दिल्ली बॉल बैडमिंटन संघ के सचिव अनूप कुमार, कोषाध्यक्ष विजय गौर, चयन समिति के चेयरमैन वीरभद्र राव (तेलंगाना), सदस्य बाबू रेड्डी (कर्नाटक), चयन समिति सदस्य- लक्ष्मीकांत शर्मा (राजस्थान), गौरी शंकर (बिहार), उपस्थित रहें।

डॉ. नीरज के. पवन ने खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की तैयारियों की समीक्षा की

जयपुर, 8 नवम्बर। डॉ. नीरज के. पवन, शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग और अध्यक्ष, राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद ने शनिवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर स्थित मीटिंग हॉल में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 की तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में आयोजन से जुड़े सभी लोगों से उनके कार्यों की रिपोर्ट तलब की ओर उन्हें शीघ्रताशीघ्र कार्य को अन्तिम रूप देने के निर्देश प्रदान किये।

उन्होंने कहा कि राजस्थान को पहली बार इतना बडा आयोजन करने का मौका मिला है ओर हम सभी की यह जिम्मेदारी है कि इस आयोजन को यादगार और अविस्मणीय बनाये ताकि यहा आने वाले हर खिलाडी ओर व्यक्ति इन यादों को जीवनभर सजोकर रखे। उन्होंने बताया कि राजस्थान के सभी संभागों में इन खेलों का आयोजन किया जा रहा है. जिसमे जयपुर में 11 खेलों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 7 खेल सवाई मानसिंह स्टेडियम में, 2 खेल जगतपुरा में, 1-1 खेल पूर्णिमा यूनिवर्सिटी एवं राजस्थान यूनिवर्सिटी में होगें, बाकि खेलों का आयोजन शेष संभागों में होगा। बैठक में खेल परिषद की सचिव नीतू बारूपाल, वित्तीय सलाहकार महावीर प्रसाद मीणा, समस्त खेल प्रबंधक, खेल अधिकारी / प्रभारी, खेल प्रशिक्षक सहित उद्घाटन, समापन ओर लाचिंग के कार्यों से संबंधित टीसीएम प्लेटफार्म, इवेन्ट ऑपरेशन से संबंधित एजेन्सी गोबनाना और कोलाज डिजाईन से संबंधित व्यक्तियों, प्रोजेक्ट मैनेजमेन्ट यूनिट मौजूद थे।

जयपुर क्लब और जय क्लब बैडमिंटन टीम इवेंट के सेमीफाइनल में

जयपुर, 8 नवम्बर। जयपुर क्लब और जय क्लब की टीमों ने शनिवार को अपने लीग मुकाबले जीते और क्रमशः ग्रुप बी और ग्रुप सी में शीर्ष पर रहते हुए यहां रामबाग गोल्फ क्लब की मेजबानी में चल रहे ऑल इंडिया इंटर क्लब स्पोर्ट्स कार्निवल के बैडमिंटन टीम इवेंट के सेमी फाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं ग्रुप ए से सादुल क्लब बीकानेर और ग्रुप डी से जयकृष्ण क्लब अलवर ने अंतिम चार टीमों में जगह बनाई।

आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉक्टर अमित माथुर ने बताया कि स्नूकर में फील्ड क्लब उदयपुर के आकाश वाधवानी, डिस्ट्रिक्ट क्लब के राहुल देवड़ा तथा जयपुर क्लब के केशव मूंदड़ा और उदित कसेरा ने 6 रेड इवेंट के सेमी फाइनल में प्रवेश किया। पिकलबॉल के अंडर-35 कैटेगरी में रामबाग गोल्फ क्लब के शमित और असीस ने गोल्फ क्लब के ही कार्तिकेय और श्रीधर को हरा युगल खिताब अपने नाम किया। वहीं 35 कैटेगरी में डिस्ट्रिक्ट क्लब पाली के अभिषेक और अनीष की जोड़ी पाली के ही गौरव और प्रदीप को हराकर विजेता बनी।

बॉक्स क्रिकेट में रामबाग गोल्फ क्लब ने जय क्लब बी को, जयपुर क्लब ए ने डिस्ट्रिक्ट क्लब पाली को,

फील्ड क्लब उदयपुर ने जय क्लब ए को, उम्मेद क्लब बीकानेर ने अशोक क्लब को और सादुल क्लब ने फील्ड क्लब ए को पराजित किया। स्क्वैश में 55 कैटेगरी में फील्ड क्लब के विनीत बाया और उम्मेद क्लब के प्रवीण जैन के मध्य खिताबी टक्कर होगी। वहीं 45 में जयपुर क्लब के समवेग अरोड़ा और रामबाग गोल्फ क्लब के अंकुर शाह के बीच फाइनल होगा। टेनिस में डिस्ट्रिक्ट क्लब पाली, जुबली क्लब बीकानेर, आरटीए जोधपुर, सादुल क्लब बीकानेर और अहमदाबाद टेनिस फाउण्डेशन ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

आईएसएसएफ वर्ल्ड चैम्पियनशिप पिस्तौल स्पर्धा में भारत के खिलाड़ियों को रजत पदक

जयपुर, 8 नवम्बर। राजस्थान राइफल एसोसिएशन को अपने प्रतिभाशाली एथलीटों पर गर्व हो रहा है जो की कैरो, इजिप्ट में आयोजित आई एस एस ऍफ़ वर्ल्ड चैंपियनशिप राइफल व पिस्तौल स्पर्धा की जा रही है जिसमे भारत देश का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों में राजस्थान के खिलाडी भी शामिल है।

यह आयोजन दिनांक 06/11/2025 से 18/11/2025तक आयोजित किये जायेंगे, इस प्रतिष्ठित आयोजन में पूरे विश्व भर के शीर्ष निशानेबाजों की भागीदारी होगी और राजस्थान का दल अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार है।

इस आयोजन में 50 मीटर पिस्तौल मैन टीम इवेंट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे राज्य के प्रतिभाशाली निशानेबाज योगेश कुमार ने भाग लिया साथी खिलाड़ियों रविंद्र सिंह और कमलजीत साथ मिलकर भारत की इस जोड़ी ने मिलकर 1646 अंको के साथ रजत पदक अपने नाम किया। आई एस एस ऍफ़ द्वारा आयोजित इस प्रकार के

आयोजन पूरे विश्व में खेल भावना को बढ़ावा देने और प्रतिभा के पोषण के लिए एक महत्वपूर्ण मंच हैं। अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में राजस्थान के निशानेबाज उत्कृष्ट परिणाम हासिल करने और राज्य को गौरवान्वित करने के लिए आश्वस्त हैं।

राजस्थान राइफल एसोसिएशन एथलीटों को हार्दिक शुभकामनाएं देता है और सभी खेल प्रेमियों को टीम का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करता है। उनकी सफलता न केवल महत्वाकांक्षी निशानेबाजों को प्रेरित करेगी बल्कि समस्त भारत वर्ष में शूटिंग खेलों के विकास में भी योगदान देगी।

जोधपुर-पाली इंडस्ट्रियल एरिया से औद्योगिक क्षमता में बड़ा विकास होगा- भजनलाल

परियोजना के फेज़ ए की टेंडर प्रक्रिया, फेज़ बी की अधिग्रहण सुनवाई का काम पूरा हो गया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जोधपुर/जयपुर, 8 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन से प्रदेश की औद्योगिक क्षमता का निरंतर विकास हो रहा है। उनके कुशल नेतृत्व में प्रदेश स्वर्णिम भविष्य की रेखाएं थार की धरती पर खिंच रही है। यहां जोधपुर और पाली के बीच बसने वाला 'जोधपुर-पाली मारवाड़ औद्योगिक क्षेत्र (जेपीएमआईए)' देश का एक प्रमुख औद्योगिक केन्द्र बनने की ओर अग्रसर है। यह शहर विकास, निवेश और नवाचार का अद्भुत संगम होगा।

राज्य सरकार और केन्द्र सरकार के संयुक्त प्रयास से दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर के अधीन यह परियोजना पश्चिमी राजस्थान को भारत के औद्योगिक नक्शे पर एक नया मुकाम देने जा रही है। राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम (एनआईसीडीसी) के सहयोग से रोहट और कांकाणी के मध्य जेपीएमआईए को लगभग 3286 हेक्टेयर भूमि पर विकसित किया जा रहा है। इसका स्वरूप किसी साधारण औद्योगिक क्षेत्र का नहीं, बल्कि एक इंडस्ट्रियल टाउनशिप और मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक हब के रूप में होगा, उद्योग, व्यापार, आवास और अवसंरचना का एकीकृत मॉडल शामिल होगा। यहां पहले चरण (फेज-ए) के अंतर्गत 465 करोड़ रुपये की लागत से 642 हेक्टेयर क्षेत्र का विकास किया जा रहा है।

रीको और एनआईसीडीसी के साझा उपक्रम राजस्थान इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डवलपमेंट कॉर्पोरेशन (रिडको) के माध्यम से यहां कार्य तेजी से किया जा रहा है। फेज-ए के अंतर्गत 642 हेक्टेयर में निर्माण प्रारंभ के लिए टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में है। वहीं, फेज-बी के लिए 1086 हेक्टेयर के विस्तार हेतु भूमि अधिग्रहण की सुनवाई पूर्ण हो चुकी है एवं भूमि अवाप्ति अवार्ड जारी होने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इसके साथ ही फेज-सी में इस परियोजना के तहत वर्ष 2028 तक 1373 हेक्टेयर क्षेत्र में विस्तार प्रस्तावित है।

- इस औद्योगिक क्षेत्र के 31 हेक्टेयर में आवासीय क्षेत्र, 16 हेक्टेयर में वाणिज्यिक ज़ोन तथा 57 हेक्टेयर में सोलर पार्क होगा। इससे नया औद्योगिक शहर पर्यावरण-संतुलित और आत्मनिर्भर भी बनेगा।

जेपीएमआईए परियोजना के प्रथम चरण में कुल 1279 औद्योगिक प्लॉट प्रस्तावित हैं, जिनमें 435 छोटे, 615 मध्यम और 229 बड़े उद्योग शामिल हैं।

इस औद्योगिक क्षेत्र से स्थानीय स्तर पर 55 हजार प्रत्यक्ष और 1 लाख से अधिक अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। साथ ही, 31 हेक्टेयर में आवासीय क्षेत्र, 16 हेक्टेयर में वाणिज्यिक ज़ोन, और 57 हेक्टेयर में सोलर पार्क इस औद्योगिक शहर को पर्यावरण-संतुलित और आत्मनिर्भर भी बनाएंगे।

इस परियोजना के लिए रिडको विशेष उद्देश्य वाहन (एसपीवी) का गठन 51:49 के अनुपात में किया गया है, जिसके अंतर्गत रीको भूमि का योगदान देगा और एनआईसीडीसी आधारभूत संरचना का विकास करेगा। इस औद्योगिक शहर की अनुमानित कुल लागत लगभग 4 हजार 380 करोड़ रुपये है।

परियोजना के लिए राजीव गांधी लिफ्ट कैनाल से 48 एमएलडी पानी स्वीकृत किया गया है। इसके लिए 155.85 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। साथ ही, कांकाणी उपकेन्द्र से बिजली आपूर्ति हेतु 87.21 करोड़ रुपये की परियोजना स्वीकृत की गई है। वहीं, अंडरपास और लॉजिस्टिक हब के कार्य वर्तमान में निर्माणाधीन हैं।

प्रशासनिक पदों पर पदोन्नति के लिए बीएड की बाध्यता क्यों?

जयपुर, 8 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने वाइस प्रिंसिपल व प्रिंसिपल पद पर पदोन्नति के लिए बीएड की बाध्यता को लेकर राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। अदालत ने प्रमुख शिक्षा सचिव और माध्यमिक शिक्षा निदेशक से पूछा है कि क्यों न इस संबंध में बनाए नियम को रद्द कर दिया जाए। जस्टिस पीएस भाटी और जस्टिस बीएस संधू की खंडपीठ ने यह आदेश चित्रकला विषय के व्याख्याता संजय कुमार व अन्य की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

- हाई कोर्ट ने संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा

याचिका में अधिवक्ता अभिमन्यु सिंह यदुवंशी ने बताया कि याचिकाकर्ताओं के पास चित्रकला में पीजी की डिग्री है और उन्हें इस डिग्री के आधार पर ही व्याख्याता पद पर नियुक्ति मिली है। चित्रकला विषय में बीएड भी नहीं होता है। इसके अलावा पदोन्नति से भरे जाने वाले ये दोनों पद प्रशासनिक पद होते हैं। ऐसे में इन पदों पर पदोन्नति के लिए बीएड की योग्यता का कोई औचित्य नहीं है। इसके साथ ही वाइस प्रिंसिपल व प्रिंसिपल के पद पर पदोन्नित के लिए बीएड की योग्यता को बाध्यकारी बनाना संविधान के अनुच्छेद 14, 16 और 21 की अवहेलना करने के साथ ही असंवैधानिक भी है। इसलिए सेवा नियमों के इस प्रावधान को खत्म किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

सुरक्षा बलों ने कुपवाड़ा एनकाउंटर में दो आतंकी मारे

श्रीनगर, 08 नवंबर। कश्मीर के कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में सैनिकों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई है। इस एनकाउंटर में दो आतंकी ढेर कर दिए गए हैं। जानकारी के अनुसार, 7 नवंबर को एजेंसियों को घुसपैठ के संबंध में इनपुट मिला। जिसके बाद कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया।

सर्च ऑपरेशन के दौरान सतर्क सैनिकों ने इलाके में संदिग्ध गतिविधि देखी और तुरंत सावधान हो गए। आतंकियों का पता चलते ही जवानों ने पॉजिशन ले ली और उन्हें घेर लिया. जिसके परिणामस्वरूप आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

कुपवाड़ा में जारी मुठभेड़ को सेना ने ऑपरेशन पिंपल नाम दिया है। अधिकारियों ने शनिवार को जानकारी देते हुए कहा कि सेना के श्रीनगर में मौजूद चिनार कोर ने बताया कि कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश की गई, जिसके बाद सर्च अभियान शुरू किया गया।

- सर्च ऑपरेशन में घुसपैठ की कोशिश करते पकड़े जाने पर आतंकियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की।

इलाके में जब जवानों ने संदिग्ध हरकत देखी तो उन्होंने आतंकियों को चुनौती दी, जिसके बाद आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। इसका परिणाम यह हुआ कि मौके पर सेना के जवानों ने दो आतंकियों को ढेर कर दिया। मौजूदा समय में इलाके में ऑपरेशन पिंपल जारी है।

दिल्ली पुनः प्रदूषण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। चीन ने वर्ष 2013 में 100 अरब अमेरिकी डॉलर के अभियान के तहत "प्रदूषण के खिलाफ युद्ध" की घोषणा की थी और इसके तहत कई कड़े कदम उठाए थे, जैसे घनी आबादी वाले इलाकों से कारखानों का स्थानांतरण, वाहनों के उत्सर्जन पर सख्त नियंत्रण, भारी प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को बंद करना और कोयले के बजाय प्राकृतिक गैस से ऊर्जा की ज़रुरत पूरी करना। देश ने पुनर्नवीकरण और नवीकरणीय ऊर्जा पर भी ज़ोर दिया, जिसके तहत "ग्रेट ग्रीन वॉल" जैसी ऐतिहासिक पहल शुरू की गई, जिसके अंतर्गत 12 प्रांतों में 35 अरब पेड़ लगाए गए। "अर्थ ऑर्ग" के आँकड़ों के अनुसार, चीन का प्रति हेक्टेयर वनीकरण खर्च अमेरिका और यूरोप से अधिक था और यह वैश्विक औसत से लगभग तीन गुना था। पिछले दस वर्षों में चीन ने सौर और पवन ऊर्जा के उत्पादन में भी जबरदस्त वृद्धि की और इसे अपने औद्योगिक ढाँचे में शामिल किया। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इन प्रयासों के परिणामस्वरूप बीजिंग में अब हर साल औसतन 100 अतिरिक्त दिन साफ़ आसमान रहता है, जो पहले संभव नहीं था।

भारतीय संदर्भ में चीन ने अपने अनुभव साझा करने की पेशकश करते हुए कहा है, बीजिंग और शंघाई जैसे प्रमुख शहरों में वायु गुणवत्ता में सुधार के बाद, चीन अब गंभीर वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के अपने अनुभव साझा करने के लिए तैयार है। भारत में चीनी दूतावास ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, चीन भी कभी गंभीर स्मॉग से जूझ चुका है। हम अपना अनुभव और सफर साझा करने को तैयार हैं, और हमें विश्वास है कि भारत भी जल्द ही नीले आसमान तक पहुँचेगा।

मोदी 11-12 को भूटान जायेंगे

नयी दिल्ली, 8 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 11 नवंबर को भूटान की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर जायेंगे। उस दौरान वे भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे के साथ अलग-अलग उच्च स्तरीय बैठक करेंगे।

विदेश मंत्रालय ने शनिवार को मोदी के भूटान यात्रा कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच मित्रता और सहयोग के विशेष संबंधों को मजबूत करना है। यह यात्रा दोनों पक्षों के बीच नियमित उच्च स्तरीय बैठकों की परंपरा का हिस्सा है।

मोदी इस यात्रा में भूटान नरेश से मुलाकात करने के अलावा, उनके साथ दोनों सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से विकसित 1020 मेगावाट की पुनात्सांगछू-दो जलविद्युत परियोजना का उद्घाटन भी करेंगे।

प्रधानमंत्री भूटान के चौथे नरेश जिग्मे सिंग्ये वांगचुक की 70वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में शामिल होंगे। वे भूटान के प्रधानमंत्री के साथ बैठक भी करेंगे।

- वे जल विद्युत परियोजना का उद्घाटन करेंगे।

प्रधानमंत्री की यह यात्रा ऐसे समय हो रही जब भारत से भूटान भेजे गए भगवान बुद्ध के पवित्र पिपराहवा अवशेषों की वहां प्रदर्शनी चल रही है। वह राजधानी थिम्पू के ताशिछोद्ज़ोंग में पवित्र अवशेषों की पूजा-अर्चना करेंगे और भूटान की शाही सरकार द्वारा आयोजित वैश्विक शांति प्रार्थना महोत्सव में भाग लेंगे।

विदेश मंत्रालय का कहना है कि भारत और भूटान के बीच एक अद्वितीय और अनुकरणीय साझेदारी है जो एक-दूसरे के प्रति गहरे आपसी विश्वास, सद्भावना और सम्मान पर आधारित है। दोनों देशों की साझा आध्यात्मिक विरासत और लोगों के बीच मधुर संबंध भारत-भूटान विशेष साझेदारी की पहचान हैं।

लश्कर का आतंकी मुंबई एयरपोर्ट पर पकड़ा गया

आतंकी सलीम खान मुजफ्फराबाद कैंप में ट्रेनिंग ले चुका था

मुंबई, 08 नवंबर। मुंबई एयरपोर्ट से लश्कर ए तैयबा का एक संदिग्ध आतंकी सलीम खान गिरफ्तार किया गया है। सलीम लश्कर के मुजफ्फराबाद कैंप में ट्रेनिंग भी ले चुका है। सलीम उत्तर प्रदेश के फतेहपुर का रहने वाला है। ये आतंकी फैजाबाद से पकड़े गए आईएसआई एजेंट आफताब का फाइनेंसर है।

उसने सेना की मुखबिरी के लिए आफताब को फाइनेंस किया था। गत 11 जुलाई को पाकिस्तान स्थित लश्कर ए तैयबा के लिए काम करने और हाल में छह पुलिसकर्मियों की हत्या सहित, कश्मीर में आतंकी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के आरोप में उत्तरप्रदेश के एक निवासी संदीप कुमार शर्मा, उर्फ आदिल को गिरफ्तार किया गया।

- पुलिस के अनुसार सलीम ने सेना की मुखबरी करने के लिये आईएसआई एजेन्ट आफताब को फाइसेंस किया था।

एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुजफ्फरनगर का निवासी शर्मा लश्क ए तैयबा के मॉड्यूल का हिस्सा था, जिसका पर्दाफाश जम्मू कश्मीर पुलिस ने किया है।

दक्षिण कश्मीर के कुलगाम के निवासी मुनीब शाह को भी गिरफ्तार किया गया है। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक मुनीर खान ने संवाददाताओं से कहा, हमने दक्षिण कश्मीर में आतंकवाद से जुड़े अपराधों समेत सिलसिलेवार सनसनीखेज अपराधों में संलिप्त रहे एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। उत्तर प्रदेश स्थित मुजफ्फरनगर के निवासी संदीप कुमार शर्मा उर्फ आदिल और दक्षिण कश्मीर के कुलगाम के निवासी मुनीब शाह को गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने कहा कि संदीप की गिरफ्तारी आपराधिकता और आतंकवाद के बीच धुंधलाती रेखाओं को दिखाती है। लश्कर-ए-तैयबा शर्मा का अकसर इस्तेमाल करता था और वह इस बात का पूरा फायदा उठा रहा था कि वह यहां का स्थानीय व्यक्ति नहीं है।

मुख्यमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अजीतपुरा बालाजी से होगी, जो सी ए डी चौराहा होते हुए ब्रह्मपुरी बालाजी तिराहा तक आयोजित किया जाएगा। रोड शो के दौरान अग्रिम पंक्ति में महिला एवं युवा शक्ति विशेष रूप से शामिल रहेगी।

ट्रंप ने हंगरी को रुस से तेल, गैस खरीदने की छूट दी

वाशिंगटन, 08 नवंबर। अमेरिका रूस से तेल और गैस खरीदने को लेकर हंगरी पर एक साल तक कोई प्रतिबंध नहीं लगाएगा।

बीबीसी ने वाइट हाउस के एक अधिकारी के हवाले से अपनी रिपोर्ट में बताया है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने हंगरी को रूसी तेल और गैस की खरीद को लेकर एक साल के लिए प्रतिबंधों से छूट दे दी है।

गौरतलब है कि ट्रम्प ने कहा था कि वह हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन को छूट देने के मुद्दे पर विचार करेंगे। ओर्बन को ट्रंप का करीबी माना जाता है, लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान हंगरी ने रूस के साथ भी अच्छे संबंध विकसित किये हैं।

ट्रम्प ने ओर्बन से साथ व्हाइट हाउस में बैठक के दौरान कहा था कि हंगरी को छूट देने के मुद्दे पर पर विचार किया जा रहा है क्योंकि उसके लिए अन्य क्षेत्रों से तेल और गैस प्राप्त करना बहुत मुश्किल है।

- अमेरिका ने हंगरी पर रुसी तेल व गैस खरीद पर लगे प्रतिबंधों को एक साल आगे सरकाया।

वहीं बीबीसी ने एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया है कि यह छूट सिर्फ एक साल के लिए है। अमेरिका की ओर से हंगरी को मिली यह छूट ओर्बन के लिए एक बड़ी जीत है, जिन्होंने कहा था कि प्रतिबंध उनके देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर देंगे।

पेंशन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जस्टिस अशोक कुमार जैन ने यह निर्देश बृजमोहन की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि याचिकाकर्ता 30 जून 2023 को रिटायर हुआ और उसे मासिक पेंशन जारी कर दी गई। वहीं ग्रेच्युटी, कम्यूटेशन के लिए जीपीओ और सीपीओ सहित, लीव इनकैशमेंट का आदेश भी जारी कर दिया, लेकिन विभाग ने इन परिलाभों का भुगतान परिवादी को नहीं किया। करीब एक साल की देरी से मई, 2024 में उसे पीएल का भुगतान किया और उसके बाद गत जुलाई माह में ग्रेच्युटी और कम्युटेशन हुआ। याचिका में कहा गया कि इस देरी के लिए राज्य सरकार की ओर से याचिकाकर्ता को कोई ब्याज नहीं दिया गया।

- हाई कोर्ट ने प्रमुख वन सचिव व प्रमुख मुख्य वन संरक्षक से जवाब मांगा।

क्या भाजपा का सवर्ण वोट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मतदान कर रहे हैं, जिससे भाजपा की विपक्षी वोटों के बंटवारे की उम्मीद पर पानी फिर गया है।

इसी तरह, प्रशांत किशोर की जन सुराज के उम्मीदवारों से मिलने वाली बहुचर्चित चुनौती भी धीरे-धीरे कमजोर पड़ती दिख रही है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि किशोर का अभियान भले ही व्यापक और जोशपूर्ण हो, लेकिन उसने न तो एनडीए के वोट बैंक में कोई खास सेंध लगाई है, और न ही महागठबंधन के आधार को ही प्रभावित किया है।

भाजपा खेमे के भीतर भी गृह मंत्री अमित शाह के बड़बोलेपन से भरे उस बयान को लेकर बेचैनी है, जिसमें उन्होंने बड़े आत्मविश्वास के साथ दावा किया कहा था कि भाजपा 160 सीटों के साथ अगली सरकार बनाएगी। आत्मविश्वास दर्शाने के उद्देश्य से दिये गये इस बयान ने जेडीयू के कुछ नेताओं को नाराज़ कर दिया, जिससे दोनों सहयोगी दलों के बीच तनाव बढ़ गया। शाह और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बीच सुलह के प्रयास शाह के बयान से हो चुके नुकसान की भरपाई नहीं कर सके। एक वरिष्ठ एनडीए नेता के शब्दों में, यह प्रयास बहुत देर से हुआ और जो धारणा बन चुकी थी, उसे खत्म नहीं किया जा सका।

इसी बीच, समस्तीपुर से आई खबरों ने राज्य में मतदान वाले दिन को लेकर चिंताएं और बढ़ा दी हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, एक स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा में गड़बड़ी और सार्वजनिक स्थान पर बड़ी संख्या में वीवीपैट स्लिप मिलने की शिकायत हुई है, जिससे राजनीतिक विवाद छिड़ गया है। चुनाव अधिकारियों ने इन मामलों की जांच का आश्वासन दिया है, लेकिन विपक्ष ने इस मुद्दे को पकड़ लिया है और इसे भुनाते हुए सत्तारूढ़ गठबंधन पर लापरवाही और संभावित हेरफेर के आरोप लगाए हैं। मतदान में अब कुछ ही समय बाकी हैं और दोनों गठबंधन आख़िरी समय में नुक़सान की भरपाई की कोशिशों में जुटे हैं। भाजपा के लिए ऊंची जातियों के समर्थन में कमी आना और ओवैसी व किशोर जैसे संभावित वोट बाँटने वाले नेताओं का असर न दिखना, चुनावी गणित को उलझा रहा है। जैसे-जैसे बिहार में दूसरा चरण करीब आ रहा है, एनडीए की राह उसकी आशाओं की अपेक्षा, कहीं ज्यादा कठिन लग रही है, जबकि महागठबंधन सत्तारूढ़ गठबंधन की रणनीति में उभरती दरारों से लाभ उठाने की उम्मीद कर रहा है।

भला लगे या बुरा, राष्ट्रीय गान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने यह साजिश भांप ली और बंकिम को चेताया। राजा ने उन्हें अपने विशाल, एकांत महल में शरण दी, जो जंगलों से घिरा हुआ था और जहाँ बंगाल, बिहार और ओडिशा के "तांत्रिकों" का जमावड़ा होता था।

बंकिम वहाँ रहे। अक्सर वे जंगल में घूमने निकलते थे। उन्होंने कुछ पुराने, जर्जर मंदिर खोजे, कुछ आधे ज़मीन में दबे हुए, कुछ गुफाओं में छिपे हुए। इन मंदिरों में काली, दुर्गा और जगद्धात्री की मूर्तियाँ थीं, कभी भयानक रूप में, कभी सौम्य रूप में।

जमींदार बाड़ी कंटीली झाड़ियों और विशाल वृक्षों के एक विशाल जंगल के किनारे पर थी, जिसने एक अभेद्य किले का वातावरण बना दिया था। इस जंगल के अंदर, मंदिर बिखरे हुए थे, कुछ दरारों में और कुछ ज़मीन के नीचे। वहाँ, एकांत, दूरस्थ, अंधेरी भूमि की अपनी यात्राओं में, बंकिम को अपने जीवन और समकालीन दृश्यों की श्रृंखला की एक अजीब अनुभूति हुई।

एक मंदिर में उन्हें देवी काली की एक प्रतिमा मिली, जिसका स्वरुप कठोर और विकराल था। दूसरे मंदिर में उन्हें काली के भीतर दुर्गा की छवि मिली, लेकिन, उनके साथ देवी सरस्वती, लक्ष्मी, गणेश और कार्तिक भी थे।

फिर उस घने जंगल में घूमते हुए बंकिम चंद्र को एक और मंदिर मिला, जिसमें दुर्गा की प्रतिमा थी और ऐसा प्रतीत होता था कि कुछ समय पहले तक इसकी पूजा होती रही होगी।

- उन्होंने अपने मित्रों से साझा किया था कि उनके गान का महत्व देश उनकी मृत्यु के बाद समझेगा।
- 1896 में ऐसा ही हुआ, उनकी मृत्यु के बाद। यह गान देश प्रेम का प्रतीक बना, अंग्रेजों से लड़ाई में और शहीदों का प्रेरणा स्रोत बना।
- यह गाना सबसे पहले रविंद्रनाथ टैगोर ने कांग्रेस के अधिवेशन सत्र में गाया था और उनकी भतीजी ने भी अन्य सत्रों में इसे गाया था।
- उस काल में स्वतंत्रता संग्राम में मुख्य रूप से हिंदू ही थे और किसी ने इस गान को अप्रिय नहीं महसूस किया।
- पर, 1930 के अर्धदशक में जिन्ना ने इस गान पर आपत्ति की, मतभेद न पनपे इस दृष्टि से नेहरू जी, जो कांग्रेस अध्यक्ष थे, ने केवल दो छंदों का ही प्रयोग करने का निर्णय लिया।

देवी काली, दुर्गा और जगतधात्री के अनेक मंदिरों वाले उस विशाल जंगल में बंकिम का मन देवी के विभिन्न अवतारों और देश की स्थिति में डूब गया।

बंकिम ने अपने मन में जगतघात्री की छवि को देवियों की रानी के भव्य वैभव में देखा। दूसरी छवि में उन्होंने देश की वर्तमान स्थिति देखी, जहाँ, काली लगभग बिना कुछ पहने, खोपड़ियों के साथ एक मृत शिव के ऊपर खड़ी थीं।

अंतिम छवि में उन्होंने देवी को दुर्गा के रुप में, पूरे वैभव में, विशाल सिंह पर सवार, सभी आयुधों से सम्पन्न और एक शक्तिशाली राक्षस का वध करने की स्थिति में देखा। यह देवी की वही छवि थी, जिसे उन्होंने अपने पैतृक घर में दुर्गा पूजा के दौरान देखा था।

इन मूर्तियों को देखकर उनके मन में भारत माता की दशा के प्रतीक रूप उभरने लगे, जो मानो, आर्यावर्त या भारत की देवी माँ की दुर्दशा को दर्शाती थी।

बंकिम चंद्र उन्हीं दिनों अपनी पत्रिका "बंगदर्शन" का संपादन कर रहे थे। उन्होंने "वंदे मातरम्" कविता वहीं लिखी, पर तत्काल प्रकाशित नहीं की। बाद में जब यह कविता प्रकाशित हुई, तो उस पर विवाद उठ खड़ा हुआ।

कई लोगों ने कहा कि कविता अत्यधिक संस्कृतनिष्ठ है और सामान्य बंगाली में नहीं लिखी गई। कुछ ने कहा कि यह गाने में भी मधुर नहीं है। लेकिन बंकिम ने किसी की बात नहीं मानी। बंकिम अपनी बात पर अड़े रहे और भाषा के कुछ वास्तविक बिंदुओं को छोड़कर कोई भी बदलाव करने से इन्कार कर दिया।

इसके बजाय, बंकिम हमेशा यह कहते रहे कि जो कोई भी कविता में कोई दोष पाता है, वह उसे न पढ़े। जो कोई भी आहत महसूस करता है, उसे इसका अर्थ समझने की कोशिश करने से दूर रहना चाहिए। और बताया जाता है कि उन्होंने अपने सबसे करीबी लोगों में से कुछ को यह भी बताया था कि कविता का महत्व उनकी मृत्यु के बाद ही स्पष्ट होगा। उनके जाने के अनेक वर्षों बाद भी, कविता पूरे देश की कल्पना पर छाई रही।

बंकिम की मृत्यु के कई वर्ष बाद, 1896 में रवींद्रनाथ टैगोर ने कांग्रेस के एक अधिवेशन में पहली बार वंदे मातरम् गाया। बाद में टैगोर की भतीजी ने भी इसे एक और अधिवेशन में गाया। कहा जाता है कि इसकी धुन यदु भट्ट नामक प्रसिद्ध हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीतकार ने बनाई थी।

यह गीत धीरे-धीरे आज़ादी के आंदोलन का प्रतीक बन गया। ब्रिटिश हुकूमत से टकराते क्रांतिकारी "वंदे मातरम्" गाते हुए फाँसी पर झूल गए, गोलियाँ खाईं। इस गीत ने उन्हें साहस और जोश दिया। अंग्रेज हुकूमत ने इस गीत के गाने और बोलने तक पर प्रतिबंध लगा दिया।

आज़ादी की लहर में यह गीत राष्ट्रीय भावना और देशभक्ति का पर्याय बन गया। शुरुआती वर्षों में स्वतंत्रता आंदोलन मुख्यतः हिंदू समाज के नेतृत्व में था, इसलिए गीत के उन अंशों को लेकर किसी को आपत्ति नहीं थी।

कांग्रेस के अधिवेशनों में "वंदे मातरम्" हर बार गाया जाता था। परंतु 1930 के दशक में, मोहम्मद अली जिन्ना ने इस गीत का विरोध किया। तब कांग्रेस को एकजुट रखने के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू ने समाधान के तौर पर केवल पहले दो पद गाने का सुझाव दिया।

लेकिन सच्चाई यह है कि अगर केवल पहले दो पद ही गाए जाएँ, तो गीत अधूरा और संदर्भहीन हो जाता है।

इस गीत पर आखिरी बात यही कही जा सकती है -

अगर गाना है, तो पूरा गाओ।

अगर नहीं गाना चाहते, तो मत गाओ।

लेकिन कृपया इसे टुकड़ों में मत बाँटो, क्योंकि ऐसा करना इसकी आत्मा, इसके समय और इसके रचयिता, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय, तीनों के साथ अन्याय होगा।

बंकिमचंद्र वह व्यक्ति थे, जिन्होंने अंग्रेजों के सबसे ताक़तवर समय में भी सिर झुकाने से इनकार किया। वे कभी अपनी रचना को तोड़ने या कमज़ोर करने की अनुमति नहीं देते।

जीएसटी कम होने के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरसों महंगे दामों पर खरीदने पड़ी, जिसका बोझ उन्होंने उपभोक्ताओं पर डाल दिया। इसके साथ ही, अंतरराष्ट्रीय खाद्य तेल बाज़ारों का असर भी पड़ा। पाम, सोया और सूरजमुखी तेलों के वैश्विक दाम भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति बाधाओं की वजह से ऊँचे बने हुए हैं, ख़ासकर ब्लैक सी क्षेत्र में जारी संघर्ष और रेड सी मार्ग में परिवहन मुश्किलों के कारण। चूंकि सरसों का तेल इन्हीं खाद्य तेलों से प्रतिस्पर्धा करता है, इसलिए इसकी कीमतें भी वैश्विक रुझानों के साथ बढ़ जाती हैं।

चीनी का मामला भी कुछ ऐसा ही है। भारत की शुगर मिलें अब अपने गन्ने के उत्पादन का बड़ा हिस्सा एथनॉल बनाने में इस्तेमाल कर रही हैं, जो सरकार की बायोफ्यूल नीति का हिस्सा है। जहाँ, इससे तेल आयात में कमी आती है, वहीं खुले बाज़ार में चीनी की आपूर्ति घट जाती है।

अक्टूबर-नवंबर के त्योहारी मौसम में मांग के कारण स्टॉक पर और दबाव पड़ता है। कथित रुप से कई मिलों ने स्टॉक रोक रखे हैं, ताकि त्योहारों के बाद ऊँचे दाम पर बेच सकें। नतीजतन, टैक्स कटौती के बावजूद चीनी के दाम नीचे नहीं आए हैं।

गेहूं और उससे बने उत्पाद जैसे आटा को भी जीएसटी राहत का फायदा नहीं मिला है। सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए बड़ी मात्रा में गेहूं की ख़रीद की है, जिससे निजी व्यापारियों के पास कम अनाज बचा। इसका सीधा असर थोक कीमतों पर पड़ा और पैकेट वाले आटे की लागत बढ़ गई। अनियमित मानसून और कटाई के समय आई असमय बारिश ने उत्तर प्रदेश और पंजाब जैसे प्रमुख राज्यों में फसल की गुणवत्ता को भी नुकसान पहुंचाया।

इन आपूर्ति संबंधी समस्याओं के अलावा, अर्थव्यवस्था पर व्यापक महंगाई का दबाव भी है। पिछले दो वर्षों में, डीज़ल, खाद, बिजली और पैकेजिंग सामग्री तक, इनपुट लागतों में लगातार वृद्धि हुई है। परिवहन और लॉजिस्टिक खर्च भी ऊँचे बने हुए हैं, क्योंकि डीज़ल की कीमतें कच्चे तेल की गिरावट के साथ नहीं घटीं। खुदरा व्यापारी, जिन पर खर्च का बोझ बढ़ गया है, टैक्स कटौती से मिलने वाले छोटे लाभ को ग्राहकों तक पहुँचाने के बजाय अपने मुनाफे को सुरक्षित रखना पसंद कर रहे हैं, ताकि भविष्य की अस्थिरता से बच सकें।

अर्थशास्त्रियों का कहना है कि जीएसटी दरों में कटौती केवल अंतिम खुदरा मूल्य के टैक्स हिस्से को प्रभावित करती है, उत्पादन या वितरण लागत को नहीं। उदाहरण के लिए, पाँच प्रतिशत जीएसटी घटने से 100 रुपए के उत्पाद पर केवल पांच रुपए की बचत होती है। लेकिन अगर उत्पादन लागत 100 रुपए से बढ़कर 110 रुपए हो गई है, तो भी अंतिम कीमत बढ़ेगी। यानी टैक्स नीति महंगाई के असर को थोड़ा कम कर सकती है, पर लागत आधारित महंगाई के बड़े रुझान को उलट नहीं सकती।

स्थानीय और वैश्विक कारणों के इस मिलेजुले प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि उपभोक्ताओं को राहत क्यों नहीं मिली। भारत में खाद्य महंगाई हमेशा आपूर्ति झटकों और अंतरराष्ट्रीय कीमतों के उतार-चढ़ाव से प्रभावित रहती है। यहां तक कि जिन वस्तुओं की देश में प्रचुरता है, उनकी कीमतें भी वैश्विक संकेतों से तय होती हैं। हालिया जीएसटी अनुभव ने यह बात दोबारा साबित की है कि अप्रत्यक्ष कर नीति की ताकत सीमित होती है और वह खाद्य महंगाई पर पूरा नियंत्रण नहीं रख सकती।

फिलहाल, भारतीय परिवार एक परिचित सबक फिर से सीख रहे हैं, सरकारें भले टैक्स घटा दें, पर असली फैसला बाज़ार करता है। जब तक मौसम स्थिर नहीं होता, वैश्विक आपूर्ति सुधरती नहीं और घरेलू परिवहन लागत घटती नहीं, तब तक रसोई का बजट दबाव में ही रहेगा, जीएसटी राहत हो या न हो।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्सः01562-256908